Established 1865

पायनियर

रायपुर, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

RNI NO. CHHHIN/2016/70655
वर्ष-09, अंक-237
रायपुर, रविवार 20 अप्रैल 2025
पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 3.00

चार मंजिला इमारत ढहने से 6 की मौत

मुख्यमंत्री ने मृतकों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की, दोषियों पर होगी कार्रवाई

पायनियर संवाददाता < नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर थाना क्षेत्र में एक चार मंजिला इमारत के ढहने से छह लोगों मृत्यु हो गयी, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हो गए। मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना की सूचना करीब रात करीब तीन बजे मिली। इस आधार पर दिल्ली पुलिस के अलावा दिल्ली फायर ब्रिगेड और एनडीआरएफ की टीम शक्ति विहार गली नंबर एक स्थित घटना स्थल पर पहुंच गई। घायलों को तत्काल जीटीबी

अस्पताल भर्ती कराया गया। जहां बाद में छह लोगों को मृत्यु घोषित कर दिया गया। सूत्रों ने बताया कि मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। इसके मद्देनजर राहत और बचाव कार्य जारी है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर थाना क्षेत्र में शनिवार को एक चार मंजिला इमारत ढहने के दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में मारे गये लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, मुस्तफ़ाबाद में इमारत गिरने की दर्दनाक घटना से मन अत्यंत व्यथित है। घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। राहत एवं बचाव कार्यों में दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) और अन्य एजेंसियां जुटी हुई। सभी घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था की गई है। इस बीच दिल्ली पुलिस ने बयान जारी कर मृतकों और घायल के बारे जानकारी दी है।

विष्णु सरकार की दूसरी बड़ी सर्जरी: 11 जिलों के कलेक्टरों सहित 41 आईएएस अफसरों के प्रभार बदले गए

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्य सरकार ने 41 आईएएस अफसरों का ट्रांसफर किया है। इनमें से कई को अतिरिक्त प्रभार पर अलग-अलग विभागों का जिम्मा दिया गया है। इसके अलावा दंतेवाड़ा, गरियाबंद, रायगढ़ और बिलासपुर समेत कई जिलों के कलेक्टर बदले गए हैं। लिस्ट के मुताबिक कुणाल दूदावत को दंतेवाड़ा का कलेक्टर बनाया गया है। मयंक चतुर्वेदी रायगढ़ जिले के नए कलेक्टर होंगे। संजय कन्नौजे सारंगढ़ बिलाईगढ़ के कलेक्टर होंगे, नूपुर राशि पन्ना को कोंडागांव जिले का कलेक्टर बनाया गया है। कुंदन कुमार को मुंगेली जिले का कलेक्टर बनाया गया है। वहीं इंद्रजीत चंद्रावल को खैरागढ़ छुईखदान गंडई जिले का कलेक्टर बनाया गया है। संजय अग्रवाल को बिलासपुर जिले का कलेक्टर बनाया गया है। दिव्या उमेश मिश्रा को बालोद जिले का कलेक्टर बनाया गया है। जन्मजय महोबे को जांजगीर जिले का कलेक्टर बनाया गया है। सर्वेश्वर भुरे को राजनांदगांव जिले का कलेक्टर बनाया गया है। बिलासपुर कलेक्टर अवनीश कुमार शरण को कलेक्टर पद से हटाकर गृह निर्माण मंडल का आयुक्त बनाया गया है। रायगढ़ जिले के कलेक्टर कार्तिकेय गोयल को हटाकर खाद्य नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता संरक्षण विभाग का संचालक बनाया गया है। वहीं सारंगढ़ जिले के कलेक्टर धर्मेश साहू को हटाकर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का विशेष सचिव बनाया गया है। इसके अलावा गरियाबंद कलेक्टर दीपक अग्रवाल को खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग का नियंत्रक बनाया गया है।

क्विक न्यूज़

मुर्मु ने ईस्टर की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ईस्टर की पूर्व संध्या पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा, ईस्टर के पावन अवसर पर मैं सभी देशवासियों, विशेषकर भारत और विदेशों में रहने वाले ईसाई समुदाय के सदस्यों को बधाई और शुभकामनाएं देती हूँ। प्रभु ईसा मसीह के पुनर्जीवन की याद में मनाया जाने वाला ईस्टर का पवित्र त्योहार हमें निस्वार्थ प्रेम और सेवा का संदेश देता है। ईसा मसीह के बलिदान से हमें त्याग और क्षमा की सीख मिलती है।

पीएम मोदी कल लोक सेवकों को संबोधित करेंगे

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17वें लोक सेवा दिवस के अवसर पर सोमवार को यहां लोक सेवकों को संबोधित करेंगे। वह लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार भी प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री ने देश भर के लोक सेवकों को सदैव नागरिकों के हित में समर्पित रहने, जन सेवा के लिए प्रतिबद्ध रहने और अपने काम में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया है। इस वर्ष प्रधानमंत्री लोक सेवकों को जिलों के समग्र विकास, आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम और नवाचार की श्रेणियों में 16 पुरस्कार प्रदान करेंगे।

जंगल व पहाड़ियों से नक्सलियों के 12 डम्प बरामद, नष्ट

बीजापुर। बीजापुर जिले के मुर्कराजगुटटा की पहाड़ियों में सुरक्षा बलों को नक्सलियों के छिपाए गए सुरंगनुमा बंकर व 12 स्थानों पर डम्प बरामद किये तथा उन्हें नष्ट किया। ये बंकर नक्सलियों ने अपना सामान छुपाने के लिए बनवाए थे। कोबरा 208 की टीम जब नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी, तब टीम को एक 20.8 फीट का बंकरनुमा कमरा मिला जो कंक्रीट और आरसीसी स्लैब से बना था। वहां से छह सोलर पैनल, छह जरकिन, दो माओवादी वर्दी और दो सीलिंग पंखे बरामद किए गए। इस इलाके में कुल 12 स्थानों पर नक्सलियों द्वारा छिपाए गए डम्प को खोजकर नष्ट किया गया। इससे पहले भी कोमटपल्ली और तुमरेल के जंगलों से नक्सलियों के हथियार बनाने के औजार, विस्फोटक सामग्री और सोलर पैनल बरामद किए जा चुके हैं।

अफगानिस्तान में भूकंप के तेज झटके, दिल्ली जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान भी हिला

एजेंसी < काबुल
www.dailypioneer.com

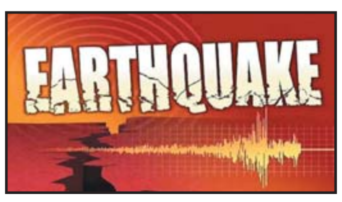

अफगानिस्तान में भूकंप के तेज झटके महसूस किये गये। भूकंप के झटके पाकिस्तान, जम्मू-कश्मीर और दिल्ली तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में भी महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र ने बताया कि रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.8 मापी गयी। केंद्र ने बताया कि अफगानिस्तान में दोपहर बाद 12:17 बजे (भारतीय समयानुसार) यह भूकंप आया। दिल्ली-एनसीआर और जम्मू-कश्मीर समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। अफगानिस्तान में अभी भूकंप से हताहतों और नुकसान के बारे में कोई प्रारंभिक रिपोर्ट नहीं मिली है। इसके अलावा भारत में भी अभी तक किसी नुकसान या हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली है। अफगानिस्तान के अलावा पाकिस्तान में भी भूकंप के झटके महसूस किये गये। राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र ने पूर्वाह्न 11:47 बजे 5.9 तीव्रता का भूकंप बताया। भूकंप का केंद्र अफ़गानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र के पास 94 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। पाकिस्तान के इस्लामाबाद, लाहौर, रावलपिंडी, पेशावर और खैबर पख्तूनख्वा के कई इलाकों जैसे लोअर डीर, बाजौर, मलकंद, नौशेरा, डीर बाला, शबकदर और मोहमंद समेत पूरे पाकिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे निवासियों में अफरा-तफरी का माहौल देखा गया।

सुकमा का बड़ेसटटी जिले का पहला नक्सल मुक्त ग्राम घोषित

सुकमा। सुकमा जिले के ग्राम पंचायत बड़ेसटटी को जिले का पहला नक्सल मुक्त ग्राम घोषित किया गया है। यह उपलब्धि 'छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण/ पीड़ित राहत पुनर्वास नीति-2025' के अंतर्गत 'नक्सली इलवद पंचायत योजना' के तहत दर्ज की गई है। छत्तीसगढ़ शासन की नीति के अनुसार, नक्सल मुक्त घोषित ग्राम पंचायत को एक करोड़ रुपये का विशेष प्रोत्साहन राशि विकास कार्यों के लिए प्रदान की जाएगी। इस योजना के तहत ग्राम पंचायत बड़ेसटी के कुल 11 सक्रिय माओवादियों ने आज सामूहिक आत्मसमर्पण किया है, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में तीन पुरुष और एक महिला नक्सली पर दो-दो लाख रुपये तथा एक पुरुष नक्सली पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। इस तरह इस गांव से कुल 8 लाख 50 हजार रुपये का इनामी नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं।

स्वस्थ जीवन शैली के लिए विश्व लीवर दिवस मनाया गया

पायनियर संवाददाता < नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

लीवर की बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोगों को तैलीय और चिकनाई वाले खाद्य पदार्थों से परहेज करके स्वस्थ जीवनशैली अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए शनिवार को देश में विश्व लीवर दिवस मनाया गया। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि खाने में तेल की मात्रा दस प्रतिशत तक कम करनी चाहिए और स्वस्थ जीवनशैली अपनायी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर भोजन को दवा के तौर पर लिया जाए तो छोटे बदलावों से बड़े परिणाम हासिल हो सकते हैं। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि विश्व लीवर दिवस को ध्यान में रखते हुए खान-पान और स्वस्थ जीवन शैली पर ध्यान केंद्रित करने के प्रयास सराहनीय है।

धार्मिक और पर्यटन सेवाओं के नाम पर ऑनलाइन बुकिंग घोटालों से सचेत रहें लोग

एजेंसी < नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र ने लोगों को धार्मिक संस्थानों और पर्यटन सेवाओं के नाम पर किये जा रहे ऑनलाइन बुकिंग घोटालों से सचेत रहने को कहा है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले इस केन्द्र ने एक वक्तव्य जारी कर लोगों को विशेष रूप से ऐसे मामलों को लेकर सचेत किया है, जिनमें देश में धार्मिक तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को निशाना बनाया जा रहा है। यह धोखाधड़ी नकली वेबसाइटों, भ्रामक सोशल मीडिया पेज, फेसबुक पोस्ट और गूगल जैसे सर्च इंजनों पर विज्ञापनों के माध्यम से की जा रही हैं। इन घोटालों में पेशेवर दिखने वाली लेकिन नकली वेबसाइटें, सोशल मीडिया प्रोफाइल और व्हाट्सएप खाते बनाकर केदारनाथ, चार धाम के लिए हेलीकॉप्टर बुकिंग, तीर्थयात्रियों के लिए गेस्ट हाउस और होटल बुकिंग, ऑनलाइन कैब/टैक्सी सेवा बुकिंग, होलीडे पैकेज और धार्मिक यात्राओं जैसी सेवाओं की पेशकश कर लोगों को ठगती हैं। अक्सर लोग संदेह किए बिना लोग इन पोर्टलों के माध्यम से भुगतान कर देते हैं लेकिन जब बुकिंग की कोई पुष्टि या सेवा प्राप्त नहीं होती और संपर्क के लिए दिए गए नंबर पहुंच से बाहर हो जाते हैं तो उन्हें ठगे जाने का अहसास होता है। केन्द्र ने लोगों को अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी है और कहा है कि कोई भी भुगतान करने से पहले वेबसाइट की प्रामाणिकता की हमेशा जांच की जानी चाहिए। साथ ही गूगल, फेसबुक या व्हाट्सएप पर 'प्रायोजित' या अज्ञात लिंक पर क्लिक करने से पहले सत्यापन करने को भी कहा गया है। इसके अलावा बुकिंग केवल आधिकारिक सरकारी पोर्टलों या विश्वसनीय ट्रैवल एजेंसियों के माध्यम से करने को कहा गया है। केन्द्र ने कहा है कि ऐसी वेबसाइटों की शिकायत तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर या किसी धोखाधड़ी के मामले में 1930 पर कॉल की जानी चाहिए। इन घोटालों को रोकने के लिए भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र बहु-आयामी रणनीति अपना रहा है।

वंचितों की भागीदारी सुनिश्चित होने तक न्याय अधूरा : राहुल गांधी

पायनियर संवाददाता < नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि जब तक वंचित और पीड़ित वर्ग की भागीदारी तय नहीं होगी तब तक न्याय सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है। गांधी ने कहा जब तक वंचित वर्गों की असल हिस्सेदारी और भागीदारी सुनिश्चित नहीं होगी - न्याय अधूरा रहेगा। उन्होंने कहा अगर आप महिला, दलित, महादलित, पिछड़े, अति पिछड़े, पसमांदा, इडब्लूएस या अल्पसंख्यक वर्ग से हैं, या इन वर्गों का नेतृत्व करते हैंङ्क तो हमारे 'संविधान लीडरशिप प्रोग्राम' से जुड़ें अपने अधिकारों की रक्षा, जाति जनगणना से सामाजिक न्याय और अपनी भागीदारी की लड़ाई को मज़बूत करने के लिए साथ आएं। कांग्रेस नेता ने इस अभियान से जुड़ने का सबसे आवाहन किया और कहा कि यह वक्त है एकजुट होकर मजबूती से आवाज़ उठाने का। अभियान से जुड़ने के लिए पर मिस्ड कॉल दें।

भारत ने बंगलादेश की अंतरिम सरकार से की अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग

नई दिल्ली। भारत ने बंगलादेश में हिन्दू समुदाय के नेता भाबेश चंद्र रॉय के अपहरण और नृशंस हत्या किये जाने की निंदा करते हुए वहां की अंतरिम सरकार से बिना कोई बहाना बनाए अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार को इस बारे में मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, 'हमें बंगलादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता श्री भाबेश चंद्र रॉय के अपहरण और क्रूर हत्या की जानकारी मिली है। यह हत्या अंतरिम सरकार के तहत हिंदू अल्पसंख्यकों के व्यवस्थित उत्पीड़न के एक पैटर्न का अनुसरण करती है, यहां तक कि पिछली ऐसी घटनाओं के अपराधी किसी सजा के डर के बिना खुल्लमखुल्ला घूम रहे हैं।'

दिल्ली पुलिस ने किया हेरोइन तस्करी के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का भंडाफोड़, 10 गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता < नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने करीब दो महीने चले अभियान में मादक पदार्थों और आतंकवाद के वित्तपोषण मे शामिल एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश कर कम से कम 10 संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। यह नेटवर्क अफगानिस्तान, पाकिस्तान और दिल्ली सहित भारत के चार राज्यों और केन्द्र शासित में फैला हुआ था। दिल्ली पुलिस के संयुक्त आयुक्त सुरेन्द्र सिंह जाखड़ और उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता ने यहां विशेष संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पिछले 50 दिनों के लंबे अभियान और जांच-पड़ताल के बाद इनके पास से 1.6 किलोग्राम अफगानिस्तान में बनी हेरोइन, नशे के लिये इस्तेमाल किये जाने वाला 130 ग्राम एक खास किस्म का रसायन, मादक द्रव्यों को पहुंचाने में इस्तेमाल की जाने वाली दो मोटरसाइकिल, 16 मोबाइल फोन, करीब 10 करोड़ रुपये मूल्य की पांच संपत्तियां जब्त की गयी हैं। उन्होंने बताया कि जब्त किये गये मोबाइल फोन में ऐसी सूचनायें मिली हैं, जिससे गिरोह के सीमा पार से जुड़ें तारों का खुलासा होता है। यह नेटवर्क पंजाब में सीमावर्ती अमृतसर, तरनतारन, खेमकरण क्षेत्र, जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा और हरियाणा में मेवात के इलाकों में सक्रिय था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा के नारकोटिक्स विरोधी टास्क फोर्स को अफगानिस्तान और पाकिस्तान से भारत में हेरोइन की तस्करी की विश्वसनीय सूचनायें मिली थीं। इस सूचना पर कार्रवाई के लिये टास्क फोर्स के निरीक्षक पंकज, उप निरीक्षक विकास दीप और राम किशन तथा हेड कांस्टेबल सनवार, अमित और अजित की एक टीम को नेटवर्क के खिलाफ जांच और कार्रवाई की जिम्मेदारी दी गयी। सहायक उपायुक्त अनिल शर्मा को इस दल का नेतृत्व दिया गया था और उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता की निगरानी में गिरोह के बारे में सूचनायें एकत्रित करने का काम अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि इस अभियान को आपरेशन 'क्लीन स्वीप' नाम दिया गया था। अभियान के तहत नौ फरवरी को एक अभियान में जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के लाल बाजार निवासी फहीम फारुख (पुत्र फारुख अहमद जरगर) नाम का एक व्यक्ति पकड़ा गया, करीब एक किलोग्राम हेरोइन पकड़ी गयी, जो अफगानिस्तान से आयी थी। उससे पूछताछ के आधार

प्रधानमंत्री देश के सामने आज़ादी की शताब्दी के समय 2047 में एक विकसित भारत की रचना करने का लक्ष्य रखा

रोगग्रस्त होकर नहीं की जा सकती विकसित भारत की संकल्पना : शाह

पायनियर संवाददाता < नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि विकसित भारत की संकल्पना रोगग्रस्त होकर नहीं की जा सकती, इसीलिए यह बहुत ज़रूरी है कि देश का हर नागरिक स्वस्थ रहे। शाह ने विश्व यकृत (लीवर) दिवस के अवसर पर यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश के सामने आज़ादी की शताब्दी के समय 2047 में एक विकसित भारत की रचना करने का लक्ष्य रखा है जो हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो और विश्व का नेतृत्व करे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना रोगग्रस्त होकर नहीं की जा सकती और इसीलिए ये बहुत ज़रूरी है कि हर नागरिक स्वस्थ रहे। उन्होंने कहा कि आज विश्व यकृत दिवस के अवसर पर पूरे देश की जनता को अपने यकृत के प्रति सजग, प्रयत्नशील और पूरी जानकारी के साथ यकृत को स्वस्थ रखने का संकल्प लेना चाहिए। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि संस्थान ने एक विशेष योजना का शुभारंभ किया है और यह अभिनव पहल यकृत को स्वस्थ रखने के प्रति देश में जागरूकता फैलाने में सफल होगी। उन्होंने कहा कि वेदों में कहा गया है कि आहार ही औषधि है और आज इस थीम को स्वीकार कर पूरा विश्व आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 से 2025 तक 11 साल में मोदी सरकार ने हॉलिस्टिक दृष्टिकोण के साथ देश के नागरिकों को स्वस्थ बनाने के अनेक कार्यक्रम चलाए हैं। उन्होंने कहा कि आयुष मंत्रालय एक ऐसी पद्धति विकसित करने का काम कर रहा है जिससे हम बीमार ही न हों। उन्होंने कहा कि आज बड़े-बड़े एलोपैथिक अस्पताल भी अपने यहां आयुष का विंग खोल रहे हैं। विश्व योग दिवस की कल्पना में ही व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को समाहित किया गया था।

दिल्ली की अदालत ने मकोका मामले में नरेश बाल्यान समेत सात आरोपियों की न्यायिक हिरासत बढ़ायी

वार्ता < नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

दिल्ली की एक अदालत ने महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान और अन्य छह आरोपियों की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ा दी। ड्यूटी जज जितेंद्र सिंह ने जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बाल्यान, रितिक उर्फ पीटर, रोहित उर्फ अन्ना, सचिन चिकारा, साहिल उर्फ पोली, विजय उर्फ कालू और ज्योति प्रकाश उर्फ बाबा की पेशी के बाद उन सभी की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी। सरकारी वकील वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये और जांच अधिकारी सहायक पुलिस आयुक्त नरेश अदालत के समक्ष पेश हुए और साहिल उर्फ पोली तथा विजय उर्फ कालू की न्यायिक हिरासत चार दिन बढ़ाने की मांग की। अदालत ने अभियोजन पक्ष की दलीलें सुनने के बाद सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ा दी। पुलिस ने गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू द्वारा कथित रूप से चलाये जा रहे संगठित अपराध सिंडिकेट के खिलाफ मामला दर्ज किया है और पुलिस हिरासत के दौरान चार अप्रैल को मकोका के प्रावधानों के तहत गैंगस्टर नंदू के सगे भाई ज्योति प्रकाश उर्फ बाबा का बयान दर्ज किया। इस मामले में अदालत ने एक मार्च को दिल्ली पुलिस को बालियान के खिलाफ जांच पूरी करने के लिए 60 दिन का और समय दिया था, जिसे चार दिसंबर 2024 को गिरफ्तार किया गया था।

21 को बिगड़ते कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री निवास का घेराव, पीसीसी अध्यक्ष ने ली बैठक

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर 21 अप्रैल को कांग्रेस मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने राजीव भवन में नेताओं, ब्लाक अध्यक्षों तथा रायपुर के कांग्रेस नेताओं की बैठक लिया। कानून व्यवस्था तथा महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध को लेकर मुख्यमंत्री निवास घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये सभी को पूरी ताकत से जुटने का का आह्वान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता सत्यनारायण शर्मा, प्रभारी महामंत्री मलकित सिंह गैदू, एआईसीसी पूर्व सचिव विकास उपाध्याय, पंकज शर्मा, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, पूर्व पाठ्य पुस्तक निगम अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी, पूर्व अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष महेन्द्र सिंह छाबड़ा, कांग्रेस नेता प्रमोद चौबे, मदन तालेड़ा, युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा, कन्हैया अग्रवाल, शहर जिला अध्यक्ष गिरिश दुबे, पूर्व महापौर ऐजाज ढेबर, महामंत्री दीपक मिश्रा, सकलेन कमादार, शिव सिंह ठाकुर, कुमार मेमन, सीमा वर्मा, शारिक रईस खान, अजय अग्रवाल, मो. सिद्दीक, प्रशांत ठेंगड़ी, नवीन चंद्राकर, उपस्थित थे।

5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था केवल जीडीपी का आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह लाखों लोगों को गरीबी से उबारने, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे, ऊर्जा, सुरक्षा और डिजिटल सशक्तिकरण के बारे में है : डॉ. पी.के. मिश्रा

एजेंसी संबलपुर
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा ने कहा कि 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य केवल जीडीपी का आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह लाखों लोगों को गरीबी से उबारने, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे, ऊर्जा, सुरक्षा और डिजिटल सशक्तिकरण के बारे में है। संबलपुर में भारतीय प्रबंधन संस्थान के 9वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के दौरान स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ. पी. के. मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अमृत काल के भव्य दृष्टिकोण से प्रेरणा ली। डॉ. पी. के. मिश्रा ने दोहराया कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि हम सभी सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन की प्रक्रिया के माध्यम से देश को अगले स्तर पर ले जाएं। इस प्रयास में हम सभी यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे कि भारत 2047 तक एक विकसित देश बन जाए। वर्तमान भू-राजनीतिक और आर्थिक संदर्भ में अवसर और चुनौतियां विषय पर संबोधित करते हुए, डॉ. मिश्रा ने कहा कि हम एक दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण समय में रह रहे हैं क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, जो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान, संरक्षणवादी नीतियों, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और बदलते वैश्विक व्यापार पैटर्न सहित जटिल चुनौतियों का सामना कर रही है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि जहां हम अभूतपूर्व गति से तकनीकी सफलताएं देख रहे हैं, वहीं आपूर्ति श्रृंखलाओं की फिर से कल्पना की जा रही है और व्यापार संबंधों को फिर से परिभाषित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जलवायु और स्थिरता हर बातचीत के केंद्र में हैं और इस मंथन के बीच, एक बात स्पष्ट है भविष्य सिर्फ विरासत में नहीं मिलेगा, बल्कि इसे बनाया जाएगा। डॉ. मिश्रा ने भारत की सुदृढ़ता पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत की वैश्विक स्थिति सकारात्मक है क्योंकि यह आंतरिक परिवर्तन के साथ-साथ वैश्विक गतिशीलता में भी बदलाव ला रहा है। प्रधान सचिव डॉ. मिश्रा ने कहा कि एक तरफ आंतरिक रूप से, बढ़ती अर्थव्यवस्था, युवा आबादी, बुनियादी ढांचे का विस्तार और तकनीकी प्रगति हमारी ताकत है, वहीं वैश्विक स्तर पर भारत का भू-राजनीतिक प्रभाव, रणनीतिक साझेदारी, प्रवासी समुदाय, वैश्विक प्रभाव के मामले में सॉफ्ट पावर हमारे देश के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। डॉ. मिश्रा ने वैश्विक नवाचार पावरहाउस बनने में भारत के कौशल का उदाहरण दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि 100 से अधिक यूनिकॉर्न के साथ, हम दुनिया में तीसरे सबसे बड़े स्टार्ट-अप इकोसिस्टम हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा और सौर जैसे क्षेत्रों में उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के बारे में बात करते हुए विनिर्माण पुनरुत्थान को बढ़ावा दे रहे हैं, डॉ मिश्रा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह संचालन, रसद, आपूर्ति श्रृंखला रणनीति और विनिर्माण उत्कृष्टता में रोमांचक भूमिकाएं खुलती हैं। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण पहलू पर, डॉ. मिश्रा ने आशा व्यक्त की कि 800 मिलियन से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के साथ, अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है और उन्होंने यह भी कहा कि एआई, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन और उद्योग 4.0 अब केवल चर्चा के शब्द नहीं रह गए हैं वे वास्तविकता हैं। भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं को रेखांकित करते हुए, डॉ मिश्रा ने कहा कि भारत का लक्ष्य 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता स्थापित करना है। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के पहलू और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन के सह-संस्थापक के रूप में भारत के प्रयास पर बात करते हुए, उन्होंने कहा कि स्वच्छ प्रौद्योगिकी, हरित वित्त, ईवी, कार्बन ट्रेडिंग और परिपत्र अर्थव्यवस्था प्रथाओं सभी को प्रशिक्षित, नवीन विचारों की आवश्यकता होगी और यही वह स्थान है जहां कौशल समूह महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हमारे आईटी निर्यात पर प्रकाश डालते हुए, जो 200 अरब डॉलर से अधिक हो गया है, डॉ. मिश्रा ने कहा कि हमारी फार्मा विश्व के लिए एक जीवन रेखा बनी हुई है। ''मेड इन इंडिया'' में बढ़ते आत्मविश्वास के साथ, वैश्विक बाजार पहले से कहीं अधिक सुलभ हैं, क्योंकि डॉ. मिश्रा दुनिया को निर्यात करने वाले व्यवसायों का नेतृत्व करने या भारतीय मिटटी से वैश्विक आपूर्ति नेटवर्क का प्रबंधन करने का आह्वान करते हैं। डॉ. मिश्रा उल्लेखित करते हैं, भारत को सालाना 8-10 मिलियन गुणवत्ता वाली नौकरियां बनाने तथा कौशल और उद्योग की जरूरतों के बीच पंक्तिबद्ध करने की आवश्यकता है। सरकार के डिजिटल इंडिया और स्किल इंडिया कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, डॉ. मिश्रा ने निजी क्षेत्र में चैंपियनों की भूमिका पर प्रकाश डाला, जो वंचितों को डिजिटल कौशल प्रदान करने में मदद कर सकते हैं या छोटे व्यवसायों को सलाह दे सकते हैं। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने कहा कि संस्थान को अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ-साथ इसके डिजाइन में समकालीन संबलपुरी कला का उपयोग करके बनाया गया है। डॉ. मिश्रा ने उल्लेख किया कि आईआईएम संबलपुर ने अपने मूल मूल्यों, नवाचार, अखंडता और समावेशिता के साथ प्रबंधन शिक्षा में उत्कृष्टता की प्रतिष्ठा अर्जित की है, जैसा कि उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री ने 2021 में इसकी आधारशिला रखी और साथ ही फरवरी 2024 में परिसर का उदघाटन भी किया। उन्होंने विशेष रूप से पश्चिमी ओडिशा के मास्टर बुनकरों के लिए डिजाइन किए गए उद्यमिता विकास कार्यक्रम को शुरू करने के लिए आईआईएम संबलपुर की प्रशंसा की। डॉ. मिश्रा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि संस्थान सरकार की आधुनिक पहलों का ध्वजवाहक है, एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहल की अवधारणा का अनुसरण करता है, और इसका उददेश्य भारत को तकनीकी संचालित प्रबंधन शिक्षा में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करना है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि आईआईएम संबलपुर में न केवल विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा है, बल्कि यह एक ऐसे क्षेत्र में स्थित है जो हमारे देश के इतिहास और विरासत में बसा हुआ है, विदित है कि क्षेत्र की पीठासीन देवी, मां समलेश्वरी और वीर सुरेंद्र साई की भूमि है, जिन्होंने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से पूर्व औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी।

हमारा संविधान सभी नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता और न्याय प्रदान करता है: पटेल

एजेंसी रायसेन
www.dailypioneer.com

मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अम्बेडकर और संविधान सभा के सभी महानुभावों का पुण्य स्मरण और नमन करते हुए कहा कि उनकी अद्भुत दूरदृष्टि तथा प्रयासों ने हमें एक ऐसा संविधान दिया है, जो सभी नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता और न्याय प्रदान करता है। इसके लिए हम सब उनके प्रति कृतज्ञ है। पटेल रायसेन जिले की सिलवानी तहसील के ग्राम प्रतापगढ़ में संविधान गौरव सम्मान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो और स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आदिवासी, गरीब, अति पिछड़े वर्ग के उत्थान और उन्नति के लिए काम करने वाले नागरिकों को सम्मानित भी किया गया। राज्यपाल ने कहा कि आदिवासी और अति पिछड़े समाज का उत्थान करने, उन्हें आगे लाने के लिए सभी को पूरी निष्ठा और लगन से प्रयास करना होगा। दूरस्थ क्षेत्रों में रह रहे जनजाति के लोगों को शासन की योजनाओं की जानकारी देकर विकास में उनकी मदद करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जनजाति, अति पिछड़े और वंचित वर्ग के कल्याण, विकास और उनकी आर्थिक उन्नति के लिए अनेकों योजनाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री जनमन योजना शुरू की है, जिसमें भारिया, सहरिया, बैगा वर्ग शामिल हैं। इन वर्गो की उन्नति और विकास के लिए नौ से अधिक विभागों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ उनको दिया जा रहा है। साथ ही जनजातीय क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा, पानी, स्वास्थ्य, पक्के आवास सहित अन्य सुविधाएं भी तेजी से उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि गरीब महिलाएं कच्चे चूल्हे पर खाना बनाती थी, जिससे निकलने वाले धुएं से महिलाओं और परिवार के सदस्यों को गंभीर बीमारियां होती थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन गरीब महिलाओं की चिंता करते हुए प्रधानमंत्री उज्जवला योजना शुरू कर निःशुल्क गैस चूल्हा कनेक्शन प्रदान किए हैं। इसी प्रकार आयुष्मान योजना के माध्यम से गरीबों को हर साल पांच लाख रूपए तक के निःशुल्क इलाज की सुविधा मिली हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना की मदद से गरीबों को पक्का मकान मिल रहा है। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विगत एक दशक से अधिक समय से देश को आगे ले जाने के लिए पूरी ताकत से काम कर रहे हैं। यह संविधान की ही ताकत है कि भारत की राष्ट्रपति आदिवासी परिवार से आती है। वे शिक्षिका रही हैं। उन्होंने समुदाय की शिक्षा के माध्यम से सर्वांगीण विकास और उन्नयन के लिए काम किया है। राष्ट्रपति पद को शुशोभित कर रही हैं। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा कि प्रतापगढ़ वीर शंकर शाह, रघुनाथ शाह जी के वंशजों का क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए शिक्षित होना बेहद जरूरी है। सभी को शिक्षा का महत्व समझना होगा। शिक्षा के लिए काम करना होगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने में प्रतापगढ़ क्षेत्र के बच्चे, युवा सभी अपनी सहभागिता दें। सिलवानी जनपद के प्रतापगढ़ में आयोजित संविधान गौरव सम्मान कार्यक्रम के उपरांत राज्यपाल पटेल, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य कानूनगो और स्वास्थ्य राज्यमंत्री पटेल, प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही अवधेश बारीवा के घर पहुंचे।

राष्ट्रीय अग्नि सुरक्षा सप्ताह के तहत अग्नि से बचाव पर जागरूकता कार्यक्रम

एजेंसी औरंगाबाद
www.dailypioneer.com

बिहार के औरंगाबाद जिले में राष्ट्रीय अग्नि सुरक्षा सप्ताह के तहत अग्नि से बचाव पर जागरूकता कार्यक्रम तथा मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा रहा है । औरंगाबाद शहर के श्री सीमेंट कारखाना में अग्नि शमन विभाग की ओर से मॉक ड्रिल और कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्लांटकर्मियों को आग लगने पर कैसे काबू पाना है या फिर आग न लगे , इसके लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर श्री सीमेंट प्लांट के यूनिट हेड अतुल शर्मा , मानव संसाधन प्रमुख भरत सिंह राठौर , अग्नि शमन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। सहायक जिला अग्निशमन पदाधिकारी लालकेश्वर प्रसाद ने उपस्थित कर्मियों को आग लगने की स्थिति में की जाने वाली प्राथमिक कार्रवाई, गैस लीक से बचाव, सुरक्षित निकासी की प्रक्रिया और आग बुझाने वाले उपकरणों के इस्तेमाल का लाइव डेमो दिखाया। प्रसाद ने कहा कि छोटी सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए लोगों को सतर्क और जागरूक रहना जरूरी है। उन्होंने अग्निशमन यंत्रों का उपयोग कर मौके पर मौजूद लोगों को प्रशिक्षण भी दिया।

उन्होंने कहा कि 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक चलने वाले इस जागरूकता अभियान के तहत स्कूल, कॉलेज, अस्पताल समेत अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

दलित की हत्या के मामले में युवक को उम्रकैद

पटना। बिहार में पटना की एक विशेष अदालत ने दलित युवक की हत्या के मामले में दोषी को आजीवन कारावास के साथ ही दस हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम की विशेष अदालत के न्यायाधीश पंकज चौहान ने मामले में सुनवाई के बाद पटना के हवाईअड्डा थाना क्षेत्र निवासी धीरज कुमार को भारतीय दंड विधान की धारा 302 के तहत दोषी करार देने के बाद यह सजा सुनाई है। मामले के विशेष लोक अभियोजक श्याम नंदन कुमार सिंह उर्फ संतोष कुमार ने बताया कि 14 अप्रैल 2023 को दोषी धीरज कुमार ने पटना के शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र निवासी अजीत कुमार के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर उसकी हत्या कर दी थी। मामले की प्राथमिकी शास्त्रीनगर थाने में दर्ज की गई थी। अभियोजन ने आरोप साबित करने के लिए इस मामले में सात गवाहों का बयान अदालत में कलमबंद करवाया था।

ट्रेन से कटकर दो किशोरों की मौत

छपरा। बिहार में सारण जिले के पूर्व मध्य रेलवे के छपरा ग्रामीण एवं गोल्डेनगंज स्टेशन के मध्य रील बना रहे दो किशोर ट्रेन की चपेट में आ गए, जिसके कारण उनकी मौत हो गई है। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र के विशुनपुरा गांव के करीब भेल्दी थाना क्षेत्र के कोरेया गांव निवासी दूधनाथ भगत का पुत्र कालू(12)एवं मुकर भगत के पुत्र दीपक कुमार का पुत्र (13) ईंट भट्ठे पर मजदूरी का काम करते थे। जो रेलवे लाइन के उपर खड़ा हो कर रील बनाने के दौरान ट्रेन की चपेट में आ गए। जिसके कारण उन दोनों की मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची मुफस्सिल थाना की पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच कर रही है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

छपरा। बिहार में सारण जिले के डोरीगंज थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बजाय फाइनेंस कंपनी का कर्मी आशुतोष कुमार (30) अपने घर से छपरा आ रहा था। इसी दौरान भोजपुर जिले के तरफसे आ रहे एक अनियंत्रित बालू लदे ट्रक ने मोटरसाइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में आशुतोष कुमार की मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया है। पुलिस ट्रक जब्त कर थाना ले आयी है। जिसके रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच कर रही है।

सारंग ने किया ऐशबाग आरओबी का निरीक्षण

भोपाल। मध्यप्रदेश के सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने नरेला विधानसभा अंतर्गत ऐशबाग रेलवे ओवर ब्रिज का निरीक्षण किया। निर्माण कार्य में हो रही देरी को लेकर नाराजगी व्यक्त की। सारंग ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित समय-सीमा में कार्य को गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए, जिससे जनता को शीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि ऐशबाग आरओबी का लगभग 95 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

खुदाई के दौरान गैस पाइप लाईन कटने से क्षेत्र में मची अफरा-तफरी

एजेंसी भरतपुर
www.dailypioneer.com

राजस्थान में भरतपुर के मुखर्जी नगर में सीवर लाइन डालते समय खुदाई के दौरान गैल गैस लिमिटेड की गैस पाइप लाइन कट जाने से लगी आग के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार इलाके में तेजी से फैलती इस आग पर गैल गैस लिमिटेड के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर दमकल टीम की मदद से काबू पाया। इस दौरान इलाके में यातायात परिवर्तित मार्गो से सुचारु किया गया। सूत्रों ने बताया कि आगजनी की इस घटना में किसी भी तरह की जानमाल की क्षति नहीं हुई। घटना की सूचना पर प्रशासन के अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लेकर सीवरेज लाइन कार्य में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। गैल गैस कंपनी ने पाइपलाइन की मरम्मत करके भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचाव के लिए सतर्कता बढ़ाने की बात कही है।

हज यात्रियों के लिए सभी मूलभूत सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था करें: नीतीश

एजेंसी पटना
www.dailypioneer.com

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अधिकारियों को हज यात्रियों के लिए सभी मूलभूत सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था करने का निर्देश दिया। कुमार ने यहां एक, अण्णे मार्ग स्थित 'संकल्प' में हज-2025 की तैयारियों से संबंधित समीक्षा बैठक अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि हज यात्रियों के लिए हज यात्रा के दौरान हवाईअड्डा तक जाने के पहले रहने, भोजन, आवागमन के लिए सभी सुविधा राज्य सरकार की ओर से प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी मूलभूत सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था करें ताकि हज यात्रियों को किसी भी प्रकार का कष्ट न हो और उनकी यात्रा सुगमतापूर्वक सम्पन्न हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष मुस्लिम धर्म के लोगों को हज यात्रा के लिए उनके सबसे प्रमुख धार्मिक स्थल मक्का (सउदी अरब) भेजे जाने की व्यवस्था की जाती है। जैसी की जानकारी दी गयी है कि इस वर्ष बिहार से 1391 पुरुष एवं 1012 महिला कुल 2403 हज यात्री हज के लिए मक्का (सउदी अरब) जाएंगे। ये हज यात्री देश के 10 अलग-अलग हवाईअड्डों से हज यात्रा के लिए प्रस्थान करेंगे। हज यात्रियों की सारी सुविधाओं का ख्याल रखा जायेगा। कुमार ने कहा कि हज भवन, पटना के समरूप किशनगंज में बहुउद्देशीय भवन, हज यात्रियों के लिये आवासन, भोजन, पासपोर्ट सत्यापन, टीकाकरण और विदेशी मुद्रा विनियमण की बेहतर व्यवस्था की गयी है।

एक राष्ट्र-एक चुनाव समय की जरूरत है: मदन राठौड़

एजेंसी जयपुर
www.dailypioneer.com

राजस्थान भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा है कि एक राष्ट्र एक चुनाव वर्तमान में समय की जरूरत है। राठौड़ ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में 'एक राष्ट्र एक चुनाव' अभियान के समर्थन में भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ की आयोजित बैठक में कहा कि लोकतंत्र में यह व्यवस्था नयी नहीं है। जब देश आजाद हुआ तब यह व्यवस्था चुनाव प्रणाली में लागू थी, लेकिन कांग्रेस ने अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया को निरंतर बाधित किया। उन्होंने कहा कि देश में एक बार चुनाव से करोड़ों रुपये बचाया जा सकते हैं। इसके साथ ही बार बार आचार संहिता लगने से आमजन का जनजीवन प्रभावित होता है, इससे भी बचा जा सकता है। देश में एक बार चुनाव करवाने से चुनाव व्यवस्था में होने वाले खर्चे की बचत होगी और देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में करीबन डेढ़ प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हो जाएगी। राठौड़ ने कहा कि हम सभी को एक राष्ट्र एक चुनाव प्रणाली का समर्थन करना होगा। इससे केंद्र और राज्यों में आने वाले सरकारें पांच वर्षों तक स्थिरता के साथ सिर्फऔर सिर्फ विकास कार्यो में ही रणनीतियां केंद्रित कर पाएंगी। इस प्रणाली से नीति निर्माण में सुसंगतता आएगी, विकास योजनाओं को गति मिलेगी और संसाधनों की व्यापक बचत होगी। बैठक में अभियान के प्रदेश संयोजक सुनील भार्गव ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान में सरकार के साथ हम सभी को समान सहभागिता निभानी होगी। इस अभियान को जन समर्थन मिलने के बाद मोदी सरकार कानून बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाएगी। ऐसे में हम सभी को इस पहल के प्रति जागरूकता बढ़ानी है, जनसमर्थन जुटाना है और इसे सफल बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी है। बैठक में उपस्थित प्रबुद्धजनों ने अभियान को अपना पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया।

भजनलाल यमुना जल की प्रगति की करेंगे समीक्षा

एजेंसी जयपुर
www.dailypioneer.com

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा झुन्झुनूं जिले के पिलानी में 21 अप्रैल को हरियाणा और राजस्थान की टास्क फोर्स की द्वितीय संयुक्त बैठक से पूर्व यमुना जल की प्रगति की समीक्षा करेंगे। इस बैठक में हरियाणा सरकार के उच्च अधिकारी भी शामिल होंगे। दोनों राज्य की टास्क फोर्स की द्वितीय संयुक्त बैठक 25 अप्रैल को हिसार में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1994 में राजस्थान, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं नई दिल्ली के बीच हुए यमुना जल समझौते के तहत ताजेवाला हैड (हथिनीकुण्ड बैराज) पर मानसून अवधि (जुलाई से अक्टूबर) में 1917 क्यूसेक (वार्षिक 577 एम.सी.एम.) जल राजस्थान को आंवटित किया गया था लेकिन आवंटित जल को राजस्थान लाने के लिए 30 वर्षों से गतिरोध बना हुआ था। सीकर, झुन्झुनूं एवं चुरू जिलों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अथक प्रयासों, केन्द्र सरकार के सकारात्मक सहयोग एवं केन्द्रीय जल आयोग के हस्तक्षेप के फलस्वरूप यह गतिरोध दूर हुआ एवं 17 फरवरी को राजस्थान एवं हरियाणा के मुख्यमन्त्रियों एवं केन्द्रीय जलशक्ति मन्त्री की उपस्थिति में समझौता हुआ। समझौते के तहत प्रथम चरण में ताजेवाला हैड (हथिनीकुण्ड बैराज) से पेयजल के लिए जल को राजस्थान लाने के लिए प्रवाह प्रणाली की संयुक्त रूप से डीपीआर बनाने पर सहमति बनी। इस समझौते की क्रियान्विति की दिशा में डीपीआर तैयार करने के लिए राजस्थान एवं हरियाणा सरकार द्वारा टास्क फोर्स का गठन किया गया। संयुक्त डीपीआर बनाने के संबंध में अतिरिक्त मुख्य सचिव, जल संसाधन विभाग, राजस्थान एवं हरियाणा के मध्य 26 मार्च को चंडीगढ़ में बैठक आयोजित हुई। इसके पश्चात हरियाणा एवं राजस्थान की टास्क फोर्स की प्रथम संयुक्त बैठक गत सात अप्रैल को यमुनानगर (हरियाणा) में आयोजित हुई जिसमें अलाईनमेंट के क्रम में वास्तविक धरातलीय परीक्षण किये जाने पर प्राथमिक चर्चा हुई। इस योजना के तहत तीन भूमिगत पाईपलाईनों के माध्यम से हथिनीकुंड बैराज से चुरू जिले में हांसियावास जलाशय तक जल लाया जाना प्रस्तावित है। ऊपरी यमुना बेसिन (हथिनीकुण्ड बैराज के अपस्ट्रीम) में रेणुकाजी व लखवार स्टोरेज परियोजनाओं का एमओयू हो चुका है जिसके अनुरूप राजस्थान द्वारा हिस्सा राशि 77 करोड़ 90 लाख रूपये का भुगतान हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखण्ड को किया जा चुका है। किशाऊ का एमओयू होना शेष है।

एमपी ट्रांसको वेबसाइट पर पेंशनरों के लिये बढ़ी सुविधाएं: प्रद्युम्न सिंह

भोपाल। मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की वेबसाइट पर पेंशनरों के लिए सुविधाएं बढ़ी हैं। तोमर ने बताया है कि एमपी ट्रांसको ने अपने पेंशनरों और उनके आश्रितों के लिए ऑनलाइन सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर नई सुविधाएँ शुरू करने के बाद अब उसमें और अनेक नई सुविधाओं को जोड़ा है। अब पेंशनर कहीं से भी डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। एमपी ट्रांसको के मुख्य वित्तीय अधिकारी मुकुल महरोत्रा ने बताया कि पहले पेंशनरों या उनके आश्रितों को जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने के लिए एमपी ट्रांसको के कार्यालयों में जाना पड़ता था। अब यह आवश्यकता समाप्त कर दी गई है। नई सुविधा के साथ डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र सेवा अब वेबसाइट पर आसानी से उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि पेंशनर अब अपनी पेंशन की स्थिति की जांच कर सकते हैं। वर्तमान जीवन प्रमाण-पत्र की वैधता भी ऑनलाइन देख सकते हैं।

तिरुनेलवेली से हजरत निजामुद्दीन के लिए चलेगी ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन

पायनियर संवाददाता भोपाल
www.dailypioneer.com

ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे द्वारा एक फेरे की विशेष ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल रेल मंडल के प्रवक्ता ने बताया कि रेलवे द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए एक फेरे की विशेष ट्रेन चलाई जा रही है। यह ट्रेन भोपाल रेल मंडल के इटारसी, भोपाल और बीना स्टेशनों पर ठहरकर अपने गंतव्य तक जाएगी। उन्होंने बताया कि गाड़ी संख्या 06161 तिरुनेलवेली-हजरत निजामुद्दीन विशेष ट्रेन 21 अप्रैल को तिरुनेलवेली स्टेशन से रात 22:15 बजे प्रस्थान कर, तीसरे दिन मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए सुबह 11:10 बजे इटारसी, दोपहर 13:10 बजे भोपाल, 15:30 बजे बीना और मार्ग अन्य स्टेशनों पर ठहराव के बाद चौथे दिन 02:00 बजे हजरत निजामुद्दीन स्टेशन पहुंचेगी। यह गाड़ी अपने मार्ग में तिरुनेलवेली जंक्शन, कोविलपट्टी, सत्तूर, विरुधुनगर जंक्शन, मदुरै जंक्शन, डिंडीगुल जंक्शन, तिरुचिरापल्ली, वृधाचलम जंक्शन, विलुप्पुरम जंक्शन, मेलमरुवत्तूर, चेंगलपट्टू जंक्शन, तांबरम, चेन्नई एगमोर, गुडुर जंक्शन, नेल्लोर, ओंगोल, विजयवाड़ा जंक्शन, वारंगल, बल्हारशाह, नागपुर, इटारसी जंक्शन, भोपाल जंक्शन, बीना जंक्शन, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, ग्वालियर, आगरा कैंट, मथुरा जंक्शन और हजरत निजामुद्दीन स्टेशनों पर रुकेगी।

तूफान का कहर, खंबा टूटकर गिरने से बिजली गुल, गर्मी से लोग परेशान

पायनियर संवाददाता ◄ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

जिला मुख्यालय के भगत सिंह वार्ड में आंधी-तूफान और बारिश ने बिजली व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है। कोण्डागांव पावर हाउस के फीडरों की लाइनें बीती रात से बंद पड़ी हैं। जिसके चलते गर्मी से हालाकान रहे और पानी व्यवस्था भी ठप रही बताया जा रहा है कि नगर पालिका द्वारा टैंकर भी नहीं भेजा गया है। टिकेंद्र शर्मा, बृजलाल साहू, हरीश देवांगन, ललित देवांगन ने जानकारी देते हुए बताया शुक्रवार को तेज आंधी तूफान और बारिश के कारण 3 बिजली के खंभे और तार टूट गए। इससे पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। बिजली विभाग के कर्मचारी सुबह से ही मरम्मत कार्य में जुटे रहे लेकिन 2 खंभे ही दुरूस्त कर पाए है। एक खंभे की लाइन सुचारू नहीं हो पाई है जिससे लगभग 20 से 22 घरों की लाइट नहीं बन पाई है।

कॉलेज एग्जाम में पढ़ाई करने में परेशानी – भुनेश्वरी भगत ने बताया कि मेरा शनिवार 19 अप्रैल को कॉलेज एग्जाम था, लेकिन रात भर बिजली बंद होने के कारण पढ़ाई भी ठीक से नहीं कर पाए और गर्मी के कारण नींद भी पूरी नहीं हो पाई है।

शाम हो जाने के चलते नहीं बन पाई लाइन : बांदे

सहायक अभियंता भूपेश बांदे ने बताया ठेकेदार के कर्मचारियों द्वारा कार्य करवाया जाता है। 2 खंभे दुरुस्त कर दिए है लेकिन शाम हो जाने के कारण एक खंबा नहीं बन पाया है। और तार भी टूट गया है तो नया तार लगाना होगा। कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। क्योंकि खंबा लगाने और तार खींचने के लिए अधिक लेवर की आवश्यकता है।

मोर संगवारी घर पहुंच सेवा देने के लिए हैं तैयार, कॉल करना होगा 14545 पर

भिलाई। मोर संगवारी सेवा के माध्यम से नगर निगम भिलाई क्षेत्र का कोई भी नागरिक अपने घर बैठे-बैठे सरकारी कार्य करवा सकते है। इसके लिए उन्हे मात्र 14545 पर कॉल करना होगा। शासन द्वारा अधिकृत एजेंट नागरिक के घर जायेगा, वहां जाकर आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करके समय अवधि के अंदर प्रमाण पत्र प्रदान कर देगा। पहले इसी कार्य को करवाने के लिए सरकारी आफिस आना पड़ता था, अब घर बैठे-बैठे सभी काम हो जायेगें। इससे समय, पैसा, पेट्रोल एवं आने-जाने की परेशानी से बचत होगा। बहुत सारे लोग अब गर्मी के दिनों में आफिस न आकर अपने घर से ही 14545 पर कॉल कर देते है। जो भी प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती है, बनवाने के लिए उपयोगी सबंधित दस्तावेज की जानकारी प्राप्त हो जाती है। मोर संगवारी संपर्क करके कार्य करवा देता है, उसकी सेवा शुल्क प्रत्येक कार्य के लिए मात्र 50 रूपये है। मोर संगवारी योजना के तहत मूल निवासी प्रमाण पत्र, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, दस्तावेज के नकल के लिए अनुरोध गैर-डिजिटल, मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण और प्रमाण पत्र, नया राशन कार्ड एपीएल/ बीपीएल, राशन कार्ड सरेंडर/ ट्रान्सफर, राशन कार्ड भर जाने पर, राशन कार्ड में सुधार के लिए, राशन कार्ड में सदस्य जोड़ने/ हटाने के लिए, राशन कार्ड खो जाने/ गुम जाने पर, जन्म प्रमाण पत्र, दुकान और स्थापना पंजीयन, भूमि सूचना, जन्म प्रमाण पत्र सुधार, मृत्यु प्रमाण पत्र सुधार, आधार मोबाइल नंबर अपडेट, बाल आधार नामांकन (0-5 वर्ष), पैन कार्ड, पैन कार्ड सुधार, पैन कार्ड डुप्लीकेट, असंगठित श्रमिक पंजीयन, असंगठित श्रमिक पंजीयन सुधार आदि सभी बनवा सकते है।

मछुआरा वर्ग और मत्स्य पालकों के कल्याण और विकास पर हुई चर्चा

पायनियर संवाददाता ◄ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा की अध्यक्षता में आज कोण्डागांव जिले के मछुआरा वर्ग, सहकारी समितियों, समूहों एवं मत्स्य पालकों के साथ बैठक एवं परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत कोण्डागांव के सभाकक्ष में किया गया। बैठक में मछुआरों ने अपनी समस्याएं और मांगें अध्यक्ष के समक्ष रखीं। इस अवसर पर विभागीय योजनांतर्गत एक समिति को मछली पकड़ने के जाल वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिला पंचायत कोण्डागांव की अध्यक्ष रीता शोरी, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष नरपति पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मटियारा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा अनुरूप और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में केंद्र एवं राज्य सरकार किसानों की आय दोगुनी करने हेतु निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने मछुआरों से शासन की योजनाओं का लाभ उठाकर मेहनत से कार्य करते हुए उत्पादन बढ़ाने और आय में वृद्धि करने का आह्वान किया। साथ ही केसीसी की सुविधा का भी लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर जनपद पंचायत उपाध्यक्ष टोमेन्द्र ठाकुर, प्रवीर बदेशा, तरुण साना, आकाश मेहता, पूर्व जनपद अध्यक्ष रामचरण कोर्राम, हरीश निषाद, कुलवंत, उप संचालक एम. एल. राणा, वरिष्ठ वैज्ञानिक ओमप्रकाश, कृषि विज्ञान केंद्र कोण्डागांव के प्रमुख, सहायक मत्स्य अधिकारी योगेश कुमार देवांगन, सफल मत्स्य नरेंद्र राठौर कृषक एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

कुम्हारी के रामपुर चौरहा में हुए हत्या का खुलासा गांव का ही रहने वाला युवक निकला आरोपी

पायनियर संवाददाता ◄ भिलाई
www.dailypioneer.com

कुम्हारी थाना क्षेत्र में 17-18 अप्रैल की दरम्यानी रात को एपेक्स हॉस्पिटल कुम्हारी से प्राप्त अस्पताली मेमो पर मृतक भागवत मारकण्डे पिता स्व. ईतवारी मारकण्डे उम्र 55 वर्ष का मर्ग क्रमांक 27/2025 धारा 194 बी.एन.एस.एस. कायम किया गया। जिसमें डॉक्टर द्वारा मृतक को ब्राड डेथ के साथ उसके शरीर में चोट के निशान लेख किया गया था, रात्रि होने से घटना स्थल को सुरक्षित किया गया तथा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में प्रथम दृष्टया अपराध का होना पाये जाने पर अपराध क्रमांक 53/2025 धारा 103 बीएनएस का अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला के द्वारा अज्ञात आरोपी की धरपकड़ करने हेतु निर्देशित किया गया था जिसके परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सुखनंदन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक छावनी हरीश पाटिल व उप पुलिस अधीक्षक अपराध अजय सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी इंचार्ज डी.एल. साहू के नेतृत्व में थाना एवं एसीसीयू की संयुक्त टीम को मामला पतासाजी हेतु निर्देशित किया गया। घटना स्थल मुवायना तथा मृतक के घर के आसपास गली मोहल्ला चौक चौराहे में सीसीटीवी फुटेज को खंगाला गया जिसमें घटना समय दरम्यान रात्रि लगभग 11.45 से 12.40 के बीच एक युवक हाथ में चाकू लेकर दौड़ता हुआ दिखाई दिया। पुलिस की टीम द्वारा उक्त फुटेज को दिखाकर गांव के लोगों से पूछताछ की गई। जिसे जयदीप साहू पिता रमेश साहू उम्र 24 वर्ष पता रामपुर चोरहा के रुप में पहचाना गया। उक्त व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। तो वह बताया कि ग्राम रामपुर चोरहा में ही मृतक के पड़ोस के मोहल्ले में रहता है।

विधायक रायमुनी भगत ने केराकोना से बैगाटोली मार्ग ईब नदी उच्चस्तरीय पुल का किया भूमिपूजन कार्यक्रम

पायनियर संवाददाता ◄ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

विधायक रायमुनी भगत के मुख्य आतिथ्य में जशपुर के केराकोना से बैगाटोली मार्ग पर ईब नदी पर उच्चस्तरीय पुल का भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर ग्रामीणों को राज्य की विष्णु सरकार और केंद्र की मोदी सरकार पर भरोसा करते हुवे विकास कार्यों में तेजी लाने का बात विधायक भगत ने कहा। भगत के द्वारा वायदा पूर्ण करते हुवे जशपुर के केराकोना से बैगाटोली मार्ग पर ईब नदी पर उच्चस्तरीय पुल स्वीकृति कराने से ग्रामीणों में खुशी की लहर देखी गई। ज्ञात हो कि जशपुर विधायक ने जशपुर के केराकोना से बैगाटोली मार्ग पर ईब नदी पर उच्चस्तरीय पुल स्वीकृत करा जल्द निर्माण का वायदा क्षेत्रवासियों से किया था, उक्त वायदा के पूरा करते हुए जशपुर विधायक भगत के प्रयास से यहां उच्चस्तरीय पुलिया के निर्माण का स्वीकृति विष्णु सरकार ने दिया है। जिसके बाद इसका भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जशपुर विधायक रायमुनी भगत शामिल रही, जबकि विशिष्ट अथिति के रूप में उपस्थित सभी अतिथि कृपा भगत, प्रभाकर कुमार, राजेंद्र कुमार, नारायण कुमार, मरकाम एस.डी.ओ.सेतु निर्माण विभाग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान विधायक भगत ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में हो रहे तेजी से विकास कार्यो पर प्रकाश डालते हुवे कहा कि भाजपा की सरकार जो कहती है वह करती है।

जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्ड हेल्पलाइन के रिक्त पदों हेतु अंतिम वरियता सूची का प्रकाशन

कोण्डागांव। मिशन वात्सल्य योजना अंतर्गत जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्ड हेल्प लाईन जिला कोण्डागांव मे रिक्त संविदा पद की पदपूर्ति हेतु परामर्शदाता, डाटा एनालिस्ट एवं आउटरीच वर्कर एवं चाइल्ड हेल्पलाइन युनिट हेतु पद परियोजना समन्वयक, परामर्शदाता, सुपरवाईजर एवं केस वर्कर के आवेदकों से प्राप्त दावा आपत्ति का निराकरण एवं पदवार अंतिम वरीयता/प्रावीण्य सूची का प्रकाशन किया गया है। उक्त सूची का कोण्डागांव जिले की बेबसाईट www.kondagon.gov.in पद पर अवलोकन किया जा सकता है।

किरन्दुल में बंगीय समाज द्वारा की गई शीतला देवी की पूजा

पायनियर संवाददाता ◄ किरंदुल
www.dailypioneer.com

लौहनगरी किरन्दुल वार्ड क्रं 03 खुदीराम बोस वार्ड बंगाली कैम्प में शनिवार दोपहर 1:00 बजे को माता शीतला देवी की बंगीय समाज के भक्त गणों द्वारा विशेष पूजा अर्चना किया गया। इस पूजा में नगर से सैकड़ों की संख्या में भक्त गण सम्मिलित होकर माता रानी की दर्शन किए। इस पावन अवसर पर भक्त जन सुबह से ही उपवास रहकर पूजा अर्चना कर देवी को पुष्पांजलि अर्पित किए।

पीएम आवास योजना अंतर्गत आवास 2.0 सर्वे पखवाड़े मोर दुवार सांय सरकार का सफल आयोजन

पायनियर संवाददाता ◄ दुर्ग
www.dailypioneer.com

जिले के विकासखंड पाटन के ग्राम पंचायत चुनकटटा में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास 2.0 सर्वे पखवाड़े मोर दुवार सांय सरकार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर अभिजीत सिंह तथा जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग दुबे ने आवासों का सर्वे कर हितग्राहियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने हितग्राही अश्वनी एवं नागेश को उनके आवास के सपने के साकार होने पर बधाई देते हुए उन्हें मिठाई एवं श्रीफल भेंट किया। कलेक्टर सिंह ने ग्राम पंचायत चुनकटटा के विकास कार्यों की विस्तृत चर्चा की। उन्होंने हितग्राही पवित्र कुमार कोशले के नाम स्वीकृत आवास का भूमिपूजन कर समय सीमा में आवास पूर्ण कराने हेतु नोडल अधिकारी को निर्देशित किया। साथ ही प्रगतिरत आवासो में से कवली ठाकुर के आवास का निरीक्षण कर नोडल एवं सचिव को जल्द ही कार्य पूर्ण कराने निर्देशित किया।

एनएमडीसी अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक पहुंचे किरन्दुल विभिन्न कार्यक्रमों में हुए सम्मिलित

पायनियर संवाददाता ◄ किरंदुल
www.dailypioneer.com

एनएमडीसी के अध्यक्ष सहप्रबंध निदेशक अमिताव मुखर्जी के बैलाडिला किरंदुल परिसर में आगमन पर विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के पश्चात बैलाडिला देव स्थान परिसर में आगमन हुआ एवं उनके साथ आए निदेशक मंडल के सदस्य भी उपस्थित रहे। जिसमें जॉयदीप दासगुप्ता निदेशक (उत्पादन) व प्रियदर्शिनी गेद्दाम निदेशक (कार्मिक व वित्त) उपस्थित रहे। अतिथियों के देव स्थान समिति में आगमन एवं पूजा अर्चना पश्चात तेलुगु सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष गणपत राव नायडू, सचिव जी सम्मुख राव देव स्थानम समिति के वरिष्ठ सदस्य आशीष कुमार सिंह के द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत सत्कार किया साथ ही देव स्थान परिसर से संबंधित विषयों पर प्रियदर्शिनी गेद्दाम से चर्चा की गई।

सुशासन तिहार के आवेदनों का त्वरित निराकरण से जनता खुश

अधिकारियों ने चिलचिलाती धूप के बीच लोगों के घर जाकर दी दस्तक

पायनियर संवाददाता ◄ दुर्ग
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के माध्यम से नगरवासियों के लिए संवाद से समाधान की पहल की है। तीन चरणों में आयोजित सुशासन तिहार अपने दूसरे चरण में पहुंच चुका है। आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर लोगों से मिले आवेदनों का मिशन मोड में चिलचिलाती धूप के बीच सुशासन तिहार के तहत निगम अधिकारी/कर्मचारियो ने लोगो के घरों में जाकर दस्तक देकर आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण कर रहे है। वार्ड क्रमांक 51 के चंचला नायक के आवेदन किया का निराकरण किया गया। इसका तत्काल निराकरण किया गया एवं वार्ड 51, 52 में शीतला नगर, पंचशील नगर, सेक्टर, अमित सड़क मारुति हाइट्स के पास नया लाइट लगाया गया। स्ट्रीट लाइट से सड़क हुए जगमग। निगम अधिकारी/ कर्मचारी जब आवेदक के घरों में जाकर आवेदनों की जांच कर कार्रवाही कर मौके पर निराकरण कर रहे जिससे सकारात्मक फीडबैक और नागरिकों के चेहरे पर उभरी संतुष्टि और खुशी इस बात का संकेत है। नरेंद्र वैष्णव शंकर नगर दुर्ग निवासी जिन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना हेतु आवेदन किया था निरीक्षण दौरान पात्र पाया गया। दस्तावेज जमा करने के लिए आवेदक से कहा गया।इसके बाद आवंटन किया जाएगा। मौके पर आवेदक को संतुष्टि प्रमाण पत्र दिया गया। निगम अधिकारियों द्वारा स्थल का मौका मुआयना कर निरीक्षण किया गया, जिसका उचित गुणवता पूर्वक समाधान/निष्पादन किया गया, निगम के अधिकारियों द्वारा नूतन देवांगन पति लोमेश देवांगन वार्ड 44 कसारीडीह दुर्ग निवासी है। जो किराए के मकान पर लगभग 8 वर्ष से रह रहे हैं। जिनके पास ना जमीन है ना मकान जिन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बना बनाया मकान लेने हेतु सुशासन तिहार में अपनी इच्छा जाहिर की थी। तत्काल निराकरण कर हितग्राही को प्रधानमंत्री आवास योजना का फॉर्म प्रदान किया गया, आवश्यक दस्तावेज जमा करने हेतु उचित मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही संतुष्टि प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस आयोजन के लिए वार्ड के नागरिको ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहते है कि मुझे घर बैठे समाधान किया गया।बोरसी के राकेश कुमार व अन्य ने सुशासन तिहार के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस पहल ने आमजन के लिए संवाद से समाधान की नए रास्ते खुल दिए।

नवगुरुकुल में प्रवेश प्रारंभ फ्री टेक्नोलॉजी और बिजनेस एजुकेशन कोर्स के लिए 18 से 21 महीने तक का होगा आवासीय प्रशिक्षण

पायनियर संवाददाता ◄ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

जिला प्रशासन जशपुर की अभिनव पहल पर नवगुरुकुल फाउंडेशन के द्वारा जिले के युवाओं के लिए बिजनेस स्किल्स में दक्ष बनाने के लिए कोर्स प्रारम्भ किया जा रहा है। जो 18 से 21 महीने का आवासीय प्रशिक्षण होगा। जिले के युवाओं के लिए ये एक सुनहरा मौका है। यह 18-21 महीने का आवासीय प्रशिक्षण के बाद नौकरी का सुनहरा अवसर कोर्स के दौरान फ्री कंप्यूटर प्रोग्रामिंग और बिजनेस स्किल्स की ट्रेनिंग, फ्री हॉस्टल, लैपटॉप, इंटरनेट और भोजन पूरी तरह से आवासीय और जॉब-ओरिएंटेड कोर्स की सुविधा मिलेगी।

नवगुरुकुल की अब तक की उपलब्धियां – 100 से अधिक विद्यार्थी पहले ही कोर्स से जुड़ चुके हैं। 45 से अधिक विद्यार्थी देश की नामी कंपनियों में प्लेसमेंट पा चुके हैं। जिन्हे लगभग 15,000 से 20,000 रुपए प्रतिमाह भत्ता मिल रहा है।

प्रवेश की प्रक्रिया – कोर्स हेतु स्क्रीनिंग टेस्ट होगी। जिसमें 8वीं कक्षा स्तर का बेसिक गणित, लर्निंग राउंड में टीम मेंबर के साथ टेस्ट और कैंपस कल्चर पर बातचीत किया जाएगा। कोर्स और प्रशिक्षण संबंधी जानकारी तथा प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन https://admissions.navgurukul.org/partnerLanding/ jashpur में एवं संपर्क नंबर 9528194379, 7999546881 पर कॉल किया जा सकता है। प्रवेश पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर है। जल्दी से जल्दी कैंप पहुँचकर अपनी सीट और प्रवेश सुनिश्चित करें।

कैलाशगढ़ मे 33 जोड़ों का हुआ सामूहिक विवाहः सांसद, विधायक ने दिया आशीर्वाद

पायनियर संवाददाता ✓ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

मानवता सतनाम सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत कैलाशगढ़ में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन हुआ। इस आयोजन में 33 जोड़ों ने समाज की परंपराओं और रीति-रिवाजों के साथ पवित्र विवाह बंधन में बंधकर एक नई जिंदगी की शुरुआत की। इस दौरान सांसद कमलेश जांगड़े, विधायक संदीप साहू एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने नवदम्पत्तियों को आशीर्वाद एवं योजना के अंतर्गत परियोजना कार्यालय पलारी द्वारा जारी 35-35 हजार रुपये की सहायता राशि के चेक और विवाह प्रमाणपत्र प्रदान किये। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जांजगीर-चाम्पा सांसद कमलेश जांगड़े ने नवदंपत्तियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में दिखावे और फिजूलखर्ची जैसी कुरीतियों को समाप्त करने की दिशा में एक सशक्त पहल हैं। उन्होंने समिति की मांग पर सामाजिक समरसता भवन निर्माण की घोषणा की।कसडोल विधायक संदीप साहू ने कहा कि आज का आयोजन क्षेत्रीय एकता और सामाजिक सौहार्द का जीवंत उदाहरण बना है। जहाँ आपको आशीर्वाद देने क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि आये हुए है। पूर्व विधायक बिलाईगढ़ डॉ.सनम जांगड़े ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे सतनामी समाज के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि जिले में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत सतनामी समाज में पहली बार ऐसा भव्य आयोजन हुआ है, जो न केवल सामाजिक जागरूकता बढ़ाता है बल्कि आर्थिक बोझ से भी राहत देता है। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष पवन साहू, जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि विमल साहू, शैलेन्द्र बंजारे, रवि बंजारे, नगर पंचायत पलारी अध्यक्ष गोपी साहू, रोहासी अध्यक्ष नंदेश्वर साहू, जनपद सदस्य कालिन्द्री सोनवानी, लिंकन गोयल, सरपंच कलावती क्षत्री सहायक आयुक्त संजय कुर्रे, तहसीलदार पेखन टोंन्ड्रे, परियोजना अधिकारी नीरज ठाकुर सहित सामाजिकगण एवं क्षेत्र के ग्रामवासी बड़ी संख्या मे उपस्थित रहे।

गांव चलो अभियान के तहत इंदर चोपड़ा पहुंचे ग्रामीणों के बीच

पायनियर संवाददाता ✓ धमतरी
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी के गांव चलो अभियान के तहत ग्राम डाही, सेंचुआ सेमरा डी में कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दी। साथ ही जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े पत्रक भी बांटे। धमतरी के पूर्व विधायक इंदर चोपड़ा ने इस अभियान का नेतृत्व किया। इस अभियान की शुरुआत करते हुए चोपड़ा के द्वारा भारत र बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की तैल चित्र पर माल्यार्पण कर भाजपा के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं की पहुंच बढ़ाना है। कार्यकर्ताओं ने लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर लोगों से संपर्क किया। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। चोपड़ा ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे क्षेत्र के हर व्यक्ति को केंद्र और राज्य सरकार के जनकल्याणकारी से अवगत कराएं। कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों को केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इनमें उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, किसान सम्मान निधि और हर घर जल योजना प्रमुख हैं। इस अवसर पर जनपद सदस्य फतेश्वरी डोमन साहू, दिग्विजय सिंह ध्रुव, भूपेंद्र चंद्राकार, दाऊ लाल चंद्राकार, ढालेश देवांगन, पुरानिक साहू, खिलेंद्र देवांगन, सतु देवांगन, नारायण देवांगन, डेलू सिंहा, गेंदलाल सिन्हा, हीरालाल देवांगन, रामकुमार पटेल, महेंद्र पटेल, सुनीता कमल नारायण ध्रुव, चंद्रिका साहू, टोमेश्वरी ध्रुव, मक्खन साहू, फुलसिंग साहू, मूलचंद साहू, सदा राम साहू, साकेत साहू, सिया राम यादव, देवेन्द्र साहू, याद राम साहू, उमेश साहू, नितेश मंडावी, हेमंत साहू, जितेन्द्र साहू आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

आगामी दिनों में शादी ब्याह में मालवाहक वाहनों में पब्लिक परिवहन रोकने हेतु जिला पुलिस बल द्वारा पहल

माल वाहक वाहनों का उपयोग सवारी बैठाने के लिए नहीं करने हेतु किया गया निर्देशित

पायनियर संवाददाता ✓ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं समुचित यातायात व्यवस्था के लिए जिला बलौदाबाजार-भाटापारा यातायात पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। मालवाहक वाहनों का उपयोग पब्लिक के परिवहन के लिए किया जाता है, जिससे होने वाले नुकसान के तारतम्य में जिला पुलिस बल द्वारा प्रत्येक गांव, कस्बे में जितने भी मालवाहक वाहन है, उनकी सूची बनाई जा रही है तथा उनके मालिक एवं वाहन चालकों की बैठक ली जा रही है। इसी क्रम में यातायात पुलिस बल द्वारा बलौदाबाजार एवं सिमगा में क्षेत्र अंतर्गत माल वाहक वाहनों के मालिकों/वाहन चालकों की बैठक ली गई। बैठक के दौरान उपस्थित मालिकों/चालकों को माल वाहक वाहनो का उपयोग कभी भी सवारी बैठाने के लिए नहीं करने हेतु निर्देशित किया गया। आगामी दिनों में वैवाहिक कार्यक्रमों का काफी संख्या में आयोजन होना है, जिसमें लोग माल वाहक वाहनों का उपयोग पब्लिक परिवहन के रूप में करते हैं, जिससे सड़क दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न होती है। उक्त बातों को प्रमुखता से लाते हुए उपस्थित समस्त मालिकों एवं चालकों को अपने-अपने माल वाहक वाहनों में सवारी नहीं बैठाने हेतु हिदायत दिया गया। इसके साथ ही उपस्थित 192 वाहन चालकों एवं मालिकों से अपने-अपने मालवाहक वाहनों का उपयोग कभी भी सवारी ढोने के लिए नहीं करने हेतु सहमति पत्र भी भरवाया गया है। इसके पूर्व में माल वाहक वाहनों का उपयोग सवारी बैठाने के लिए नहीं करने हेतु यातायात पुलिस बल द्वारा मालवाहक वाहनों में जागरूकता स्टीकर लगाया गया था। उक्त के संबंध में आने वाले समय में भी जिले के सभी थाना एवं चौकी में मालवाहक वाहनों के मालिक एवं चालकों का बैठक कार्यक्रम जारी रहेगा।

कलेक्टर ने अर्जुनी से जल संचय महाभियान का किया शुभारंभ

सोखता गड्ढा के लिए किया ईट जोड़ाई, बरगद पेड़ के नीचे लगाया चौपाल

पायनियर संवाददाता ✓ बलौदाबाजार/भाटापारा
www.dailypioneer.com

कलेक्टर दीपक सोनी ने विकासखंड बलौदाबाजार के ग्राम पंचायत अर्जुनी से जिले में जल संचय महाभियान का शुभारम्भ किया। इस दौरान कलेक्टर ने हैंडपम्प के पास सोखता गड्ढा निर्माण के लिए ईट जोड़ाई किया और शासकीय भवन में वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण का भी शुभारम्भ किया। इसके साथ ही तालाब के मेड पर बरगद का पेड़ लगाया। कलेक्टर ने गांव में बरगद पेड़ के नीचे चौपाल लगाया और जमीन पर बैठकर समूह की महिलाओं और ग्रामीणों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि पंचायत के विकास के लोए सबको सहयोग करना है,पानी का उपयोग बेहतर ढंग से कराना होगा। उन्होंने ग्रामीनों की मांग पर बड़े तालाब से जलकुम्भी की सफाई में लिए पंचायत से प्रस्ताव तैयार करने कहा। समूह की महिलाओं को प्लांटेशन के लिए नर्सेरी तैयार करने तथा ट्री गार्ड निर्माण का कार्य शुरू करने कहा। उन्होने सप्तरंगी सूत्र के बारे में बताते हुए कहा कि अपने पंचायत को स्वच्छ, साक्षर, कुपोषण मुक्त, नशामुक्त, शतप्रतिशत संस्थागत प्रसव एवं राजस्व विवाद मुक्त गांव बनाएं। महिलाओं ने बताया कि समूह के द्वारा बकरी पालन, इमली लाटा, बैग सिलाई एवं ट्री गार्ड निर्माण का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान कलेक्टर ने उपस्थित ग्रामीणों को जल संचय की शपथ दिलाई। कलेक्टर ने गांव के तालाबों का भी निरीक्षण किया और साफ-सफाई सहित सौन्दर्यीकरण के लिए पंचायत से प्रस्ताव तैयर करने कहा। उन्होंने तालाब के आस -पास के क्षेत्र में सफाई अभियान चलाने, प्लास्टिक वेस्ट का प्रबंधन, नशा मुक्ति के लिए अभियान चलाने के भी निर्देश दिये। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल, जनपद सीईओ फक़ीरचरण पटेल, सरपंच कविता ध्रुव सहित उप सरपंच, पंच, तकनीकी सहायक, स्व सहयता समूह की महिलाएं एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

बनिया तालाब से उठी सफाई की लहर, घर-घर गूंजा स्वच्छता का स्वर

पायनियर संवाददाता ✓ धमतरी
www.dailypioneer.com

जालमपुर के मणिकांचन केंद्र की स्वच्छता दीदियों ने शहरवासियों को स्वच्छता का वास्तविक महत्व समझाने की ठानी है। इसी क्रम में उन्होंने मकेश्वर वार्ड और जमालपुर वार्ड में घर.घर जाकर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। दीदियों ने नालियों में कचरा न फेंकने, निर्धारित गाड़ी में ही कचरा देने और गीले.सूखे कचरे को अलग-अलग रखने जैसे महत्वपूर्ण संदेश लोगों तक पहुंचाए। स्वच्छता दीदियों की मेहनत रंग भी ला रही है। स्थानीय निवासियों ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए संकल्प लिया कि वे अपने मोहल्ले को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में पूरा सहयोग करेंगे। इसी अभियान के तहत बनिया तालाब परिसर में भी विशेष सफाई अभियान चलाया गया। आसपास के कचरे को हटाने तक दीदियों और नगर निगम की टीम ने मिलकर अनुकरणीय कार्य किया। महापौर की सक्रियता और समर्थन ने इस अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया है। स्थानीय लोगों ने महापौर के नेतृत्व की जमकर तारीफ की और कहा कि नगर निगम की ऐसी जनभागीदारी वाली पहलें शहर को एक नई दिशा दे रही हैं। स्वास्थ विभाग सभापति नीलेश लूनिया ने भी मौके पर पहुंचकर न सिर्फकार्य की सराहना की, बल्कि नगरवासियों से अपील की कि वे स्वयं आगे आकर इस मुहिम का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा स्वच्छता सिर्फ नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। आयुक्त ने भी स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो लोग सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाते पाए जाएंगे, उन पर सख्त चालानी कार्यवाही की जाएगी। साथ ही उन्होंने स्वच्छता दीदियों के समर्पण की प्रशंसा करते हुए उन्हें असली बदलाव का वाहक बताया।

31 वाहन चालकों को प्राथमिक उपचार संबंधित दिया गया आवश्यक प्रशिक्षण

पायनियर संवाददाता ✓ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

जिला चिकित्सालय बलौदाबाजार में वाहन चालकों के लिए प्राथमिक उपचार संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न थाना/चौकी तथा जिले के राजपत्रित अधिकारियों के साथ कार्यरत 31 की संख्या में वाहन चालक उपस्थित हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला अस्पताल में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी शाखा बलौदाबाजार द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें वाहन चालकों को प्राथमिक उपचार सहायता जागरूकता कार्यक्रम के तहत प्राथमिक उपचार संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। वाहन चालकों को वाहन चालन के साथ-साथ किसी आकस्मिक स्थिति में प्राथमिक उपचार प्रदान करने की जानकारी आवश्यक है। किसी भी आकस्मिक स्थिति में किसी मरीज के लिए प्रारंभ के कुछ पल अत्यंत महत्वपूर्ण होते है। इन्हीं प्रारंभिक पलों में यदि मरीज को तात्कालिक प्राथमिक उपचार मौके पर ही प्रदान कर दिया जाए, तो उसके जल्दी ठीक होने एवं जीवन रक्षा की संभावना का प्रतिशत काफी बढ़ जाता है। उक्त तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए वाहन चालकों को प्राथमिक उपचार के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसमें उन्हें बताया गया कि किसी आकस्मिक अथवा तात्कालिक स्थिति में किसी मरीज का प्राथमिक उपचार किस प्रकार से किया जा सकता है, जिससे उसके उचित इलाज एवं उसके जल्दी ठीक होने में सहायता मिल सके।

हिन्दू जागरण मंच ने ममता सरकार का पुतला दहन कर ज्ञापन सौंपा

पायनियर संवाददाता ✓ धमतरी
www.dailypioneer.com

हिन्दू जागरण मंच धमतरी द्वारा सर्व समाज को लेकर गांधी मैदान सिटी कोतवाली धमतरी में पश्चिम बंगाल राज्य के अंदर हिन्दू भाइयों बहनों पर हो रहे अत्याचार, अमानवीय व्यवहार, हिंदुओं को जानवरों की तरह पीटा जा रहा है, मातृ शक्तियों बहनों की इज्जत लूटी जा रही, हिंदू मठ मंदिर तोड़े और लूटे जा रहे हैं जिस पर तत्काल रोक लगाते हुए ममता सरकार का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन करते हुए ममता सरकार को हटा कर हिंदुओं की रक्षा के लिए पश्चिम बंगाल राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की माँग को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, भारत सरकार के नाम अनुविभागीय अधिकारी धमतरी को ज्ञापन सौंपा गया। विरोध प्रदर्शन करने वालों में प्रदेश हिन्दू जागरण मंच युवा प्रमुख दीपक सिंह ठाकुर, जिला संयोजक पुरूषोतम निषाद, सहसंयोजक ढाकेश्वर साहू, प्रतीक सोनी, चित्रेश साहू, नगर संयोजक अमित सोना, आयुष पात्र, जिला कार्यकारिणी एवं कार्यकर्ता बंधु कमल नारायण साहू, हरिशंकर शांडिल्य, रंजीत, अविनाश दुबे, हरि साहू, अमर दीप महाजन, ऋतिक जगत, जादू ए एस के पाण्डेय, तुषार साहू, गौरव साहु, रंजीत साहु, भेदू प्रकाश साहू, सुभाष चंद्राकर, धनेंद्र साहू, रूपेश साहू, गोपाल शर्मा एवं नगर कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में सर्व समाज के आत्मीय बंधु गण उपस्थित थे।

सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं बाबा साहेब अंबेडकर : कविंद्र

पायनियर संवाददाता ✓ धमतरी
www.dailypioneer.com

सामाजिक समरसता कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपा के सभी प्रमुख नेता अलग अलग गांवों तथा बस्तियों में जाकर अनुसूचित जाति वर्ग के प्रभावशाली परिवारों से संपर्क कर उन्हें अपनी पार्टी की नीतियों, सरकार के कार्यक्रमों से अवगत करा रही है। इसी कार्यक्रम के तहत भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं संगठन पखवाड़े के जिला संयोजक कविंद्र जैन ने शनिवार को अधारी नवागांव वार्ड के कुछ प्रतिष्ठित अजा परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। उन परिवारों को बताया कि किस प्रकार से कांग्रेस ने अंबेडकर, गांधी सहित देश के महापुरुषों के नाम का दुरुपयोग सत्ता में बने रहने के लिए अभी तक किया। जबकि अंबेडकर को भारत रत्न भाजपा की अटल जी की सरकार में मिला। उनकी जन्मस्थली और कर्म भूमि को अलग अलग पंच तीर्थ के रूप में केंद्र की मोदी सरकार ने सम्मान दिया। अनुसूचित जाति वर्ग के युवाओं के शैक्षणिक विकास के लिए 25000 करोड़ रुपए के फंड मोदी सरकार ने दिया। अंबेडकर की विचारधारा का अनुशरण वास्तव में भाजपा ने ही किया। अंबेडकर के जिन मुद्दों को लेकर नेहरू से मतभेद थे उन्हीं मुद्दों को लेकर भाजपा ने भी लंबी लड़ाई लड़ी। भाजपा यह मानती है कि बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर सामाजिक समरसता के प्रतीक थे। सामाजिक समरसता संपर्क कार्यक्रम में सेवानिवृत शासकीय कर्मचारी आर पी संभाकर, समाज सेवी कोमल संभाकर, कृषि विभाग में कार्यरत शांति संभाकर इत्यादि के निवास पर जाकर उनसे भाजपा की नीति तथा सरकार के कामकाज और जनहित की विभिन्न योजनाओं की चर्चा की।

मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों की धरपकड़ के लिए नाकाबंदी कर की गई चेकिंग

पायनियर संवाददाता ✓ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा जिले के 13 महत्वपूर्ण स्थानों में नाकाबंदी कर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। नाकाबंदी के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वाले लोगों, अवैध रूप से शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले लोगों एवं अवैध वस्तुओं की तस्करी करने वाले लोगों की धरपकड़ हेतु चेकिंग की गई। इस दौरान जिले के अंबेडकर चौक बलौदाबाजार, थाना पलारी के सामने, खरतोरा मोड लवन, करहीबाजार आमगांव पुल, नाका नंबर 01 भाटापारा, तिल्दा अंडरब्रिज चौक सिमगा, पटपर चौक भाटापारा, ग्राम सुहेला तिगड्डा, हथबंद तिगड्डा, हडहापारा चौक कसडोल, बस स्टैंड गिधौरी, वीर नारायणपुर मोड चौक (भुसड़ीपाली चौक) सोनाखान एवं ग्राम कुरकुटी बैरियर बया में नाकाबंदी पॉइंट लगाया गया। इन सभी नाकाबंदी पॉइंट में संबंधित थाना प्रभारियों की उपस्थिति में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल द्वारा नाकाबंदी के दौरान आने जाने वाले समस्त वाहनों, लोगों की सघन चेकिंग की गई तथा उनसे रात्रि में बाहर निकलने कारण एवं रात में यात्रा आदि करने के प्रयोजन के संबंध में जानकारी लिया गया। नाकाबंदी कर चेकिंग अभियान में 06 वाहन चालकों को पकड़ा गया है, जो कि शराब पीकर वाहन चालन करते हुए पाए गए हैं। इन सभी के वाहन विधिवत जप्त कर लिया गया है, जिन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही चेकिंग में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 67 व्यक्तियों के विरुद्ध मोटर व्हीकल की विभिन्न धाराओं के तहत कार्यवाही किया गया है।

संजय श्रीवास्तव एवं डॉ वर्णिका शर्मा ने किया पदभार ग्रहण

पायनियर संवाददाता ✓ धमतरी
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन लिमिटेड के नवनियुक्त संजय श्रीवास्तव एवं डॉ वर्णिका शर्मा राज्य बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष के पदभार ग्रहण समारोह पर ऑल इंडिया लीनेस क्लब अध्यक्ष, प्रभारी राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच, अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन द्वारा बधाई एवं सफल कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं दी। इस दौरान निःशक्तजन अध्यक्ष लोकेश कावड़िया, अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, समाज कल्याण बोर्ड अध्यक्ष शालिनी राजपूत से ऑल इंडिया लीनेस क्लब अध्यक्ष जानकी गुप्ता ने गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की अधिकृत संवाददाता सोनल राजेश शर्मा, लता चौधरी, ऑल इंडिया लीनेस क्लब, शुभांगी आप्टे, कविता राठी, अनीता खंडेलवाल, सविता गुप्ता, सुनीता चंसौरिया, भरवी वैष्णव के साथ मिलकर बधाई दी।

कांग्रेस के दिए कोढ़ को डबल इंजन सरकार के लिए बड़ी चुनौती

भाजपा पार्षद ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, बन्द स्कूल को पुन :संचालित करने का किया आग्रह

पायनियर संवाददाता ➤ रामानुजगंज
www.dailypioneer.com

नगर पालिका परिषद वार्ड क्रमांक 6 के पार्षद विकास गुप्ता के द्वारा बलरामपुर कलेक्टर को शिक्षा विभाग से संबंधित रामानुजगंज में संचालित होने वाली प्राथमिक शाला एंव माध्यमिक शाला बालक को कांग्रेस शासन काल में बंद किए गए निर्णय को निरस्त करते हुए उन्हें पुनःसंचालित करने का आग्रह किया गया है। गौरतलब है कि वार्ड क्रमांक 06 के युवा पार्षद विकाश गुप्ता ने शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बलरामपुर कलेक्टर राजेंद्र कटारा को एक ज्ञापन सौंपा है, सौंपे गए आवेदन में इस बात का जिक्र किया गया है कि आजादी के बाद से रामानुजगंज में संचालित होने वाली प्राथमिक शाला एंव माध्यमिक शाला बालक को पूर्ववर्ती कांग्रेस शासन काल में वर्ष 20-20 में बंद कर दिया गया था। इसके बाद से गरीब विद्यार्थियों के सामने शिक्षा के लिए संकट उत्पन्न होने के बाद पलकों ने उन्हें शिक्षा दिलाने के लिए अन्यत्र जगहों पर दाखिला कराना पड़ा। उन गरीब पालकों को विगत 5 वर्षों से इस महंगाई के जमाने में आर्थिक कठिनाइयों से गुजरना पड़ रहा है। वही दोनों विद्यालय के बंद होने से नगर रामानुजगंज के वार्ड क्र 01 से 15 तक के बालको के लिये सिर्फ एक मात्र विद्यालय माध्यमिक शाला कोइरी टोला में संचालित का आश्रए बना हुआ है, लेकिन यहां भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। व्ही नन्हे मुन्हे बच्चों को नेशनल हाईवे 343 एंव मुख्य सडक को पार कर लगभग 4 से 5 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है जिसके कारण दुर्घटनाओं की पूर्ण संभावना बनी रहती है। कई गरीब परिवार के बच्चे उक्त निर्णय के बाद शाला त्यागी हो गए हैं।

जर्जर भवन को डिस्मेंटल करने की मांग

नगर पालिका परिषद रामानुजगंज के वार्ड क्रमांक 6 में संचालित होने वाला कन्या माध्यमिक शाला भवन के बगल में संबंधित विभाग के देख-रेख के अभाव में जर्जर हुए भवन को डिस्मेंटल करने की मांग की गई है क्योंकि उस जर्जर भवन में बच्चे परायह खेलने कूदने चले जाते हैं यदि भवन गिर गया तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है इस बात से कलेक्टर को अवगत कराते हुए तत्काल डिस्मेंटल करने की मांग की गई है।

शिक्षा व्यवस्था पर प्रथम प्राथमिकता के सारे दावे फेल

बलरामपुर रामानुजगंज जिले में दुर्भाग्य की बात यह है कि शिक्षा व्यवस्था पर बेहतर सुविधा एवं शिक्षा के क्षेत्र में अपनी प्रथम प्राथमिकता की बातें करने वाले शासन एवं प्रशासन के लोग पिछले लगभग पांच सालों से मौन धारण किए बैठे हैं जो इस रामानुजगंज क्षेत्र के लिए चिंता का विषय बना हुआ है इसके लिए अफसर को तो छोड़िए इस क्षेत्र के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के द्वारा अभी तक किसी ने पहल नहीं की है क्योंकि वह नहीं चाहते कि इस क्षेत्र का युवा पीढ़ी शिक्षित हो। यदि शिक्षित हो गए तो उनको झंडा उठाने वाला नहीं मिल सकेगा। शायद यही कारण है कि बेहतर सुविधा देने के नाम पर ढिंढोरा पीटने वाले मौनी रूप धारण किए हुए हैं? जिसको लेकर आम जनों एवं राजनीति गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की शाखा शंकर नगर के नए भवन का शुभारंभ

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की शाखा शंकर नगर के नए आदर्श वातानुकूलित परिसर का शुभारंभ बैंक के अध्यक्ष वी के अरोरा द्वारा किया गया। इस अवसर पर बैंक के महाप्रबंधक विजय गायकवाड क्षेत्रीय प्रबंधक सुरेश राजपूत प्रशासनिक अधिकारी संजय गोयल एवं पूर्व क्षेत्रीय प्रबंधक एस सी कश्यप आदि अधिकारी गण उपस्थित थे। शाखा का शुभारंभ करते हुए अध्यक्ष अरोरा ने ग्राहकों को बताया कि बैंक अपनी उत्तम सेवाओं के साथ अब अपने परिसर को भी आधुनिक बना रहा है शहर के मुख्य क्षेत्र में स्थित शंकर नगर की है शाखा हमारे बैंक की आदर्श शाखा है। जिसमें समस्त प्रकार की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं इस अवसर पर उनके द्वारा बैंक द्वारा ग्राहकों को प्रदाय की जा रही सुविधाओं एवं योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। शुभारंभ के अवसर पर बैंक की ग्राहक संगीता मिश्रा को कार ऋण का वितरण किया गया। अंत में शाखा प्रबंधक इशा रन सिंह द्वारा उपस्थित अतिथियों एवं ग्राहकों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

आंधी, वर्षा में गिरे बिजली के खंभे व पेड़

पायनियर संवाददाता ➤ कोरबा
www.dailypioneer.com

कोरबा जिला के कटघोरा तहसील अंतर्गत ग्राम पाली सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में शुक्रवार की शाम आई तेज आंधी और वर्षा ने स्थानीय लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। तेज आंधी ने पेड़ों को उखाड़ दिया तो दूसरी तरफ कई घर की छतों को उड़ा दिया। बिजली के तार टूट गए, कई स्थान पर बिजली खंभा भी गिर गए। आंधी के साथ तेज गर्जना ने लोगों के दिलों में दहशत भर दी। वर्षा ने सड़कों को जलमग्न कर दिया। इससे स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं वितरण विभाग को सुधार कार्य में भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। रात होने की वजह से सुधार कार्य में भी दिक्कत आई। इससे अनेक क्षेत्र में देर रात तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी।

मोर दुआर साय सरकार अभियान का बीडीसी ने दी जानकारी

रामानुजगंज। जनपद पंचायत रामचंद्रपुर के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों को पक्के की मकान दिलाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन द्वारा चलाए जा रहे मोर दुआर साय सरकार अभियान के तहत जनपद सदस्य अशर्फी यादव ने ग्राम पंचायत मेघुली में सर्वे के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को जानकारी देते हुए कहा कि 30 अप्रैल तक आवास प्लस 2.0 का सर्वे होना है कोई भी पात्र व्यक्ति सर्वे से वंचित न रहे इसका पूरा ध्यान आप सबों को रखना चाहिए। इस दौरान ग्राम पंचायत मेघुली के भाजपा कार्यकर्ता एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे।

तहसील साहू समाज के तत्वधान में सामूहिक आदर्श विवाह एवं विशाल कर्मा जयंती समारोह का आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ अम्लेश्वर
www.dailypioneer.com

तहसील साहू संघ पाटन के तत्वधान में सामूहिक आदर्श विवाह एवं विशाल कर्मा जयंती का आयोजन बड़े धूमधाम से अम्लेश्वर डीह में किया जा रहा है। बता दें कि साहू समाज का यह कार्य लगातार 22 वर्षो से चल रहा है जो दूसरे समाजों के लिए एक सशक्त प्रेरणा और उदाहरण है। समाज के वरिष्ठजनों ने बताया कि यह कार्य लगातार 22 वर्षो से कर रहे हैं इसके अंतर्गत लगभग 1000 बेटियों का विवाह हो चुका है व्यर्थ के खर्चों और दिखाओ से आज समाज में जो निर्धन वर्ग के लोग हैं उनको अपनी बेटी की विवाह में काफी दिक्कतों और मुश्किलों का सामना करना पड़ता है कई बार वह कर्ज में डूब जाते हैं जिसके गंभीर परिणाम भी निकालते हैं। इसको ध्यान में रखते हुए साहू समाज ने 22 साल पहले ही इसकी शुरुआत कर दी थी ताकि इस महंगाई के जमाने में कोई निर्धन बेटी के विवाह में बाधा न आए। उन्होंने बताया कि इसका सारा खर्चा समाज ही उठता है किसी प्रकार की कोई बाहरी आर्थिक सहायता नही है। उन्होंने बताया कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम में साहू समाज के अलावा पिछड़ा वर्ग भी शामिल हो सकता है सामूहिक विवाह का मुख्य उददेश्य व्यर्थ के खर्च से बचाव सामाजिक एकता का संकल्प ही मुख्य उददेश्य है। अम्लेश्वर डीह में लगभग 7 एकड़ में मंडप बनकर तैयार हो गया है जिसमें अलग-अलग मंडप बनाए गए है। हिंदू रीति रिवाज से मंत्र उच्चारण के साथ इनका विवाह संपन्न होगा। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ जन के अलावा छत्तीसगढ़ शासन के मंत्रीगण और पूर्व मंत्रियों की शामिल होंगे। समाज के वरिष्ठ जनों ने बताया कि तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है, 20 अप्रैल को यहां भव्य आयोजन होगा। इसके लिए समाज ने अलग-अलग टीम कार्यकर्ताओं की तैयार कर रखी है जो अपने काम को सुचारू रूप से अंजाम दे रहे है ताकि सामूहिक विवाह में आने वाले भाई, बहनों, बेटियों, बड़े बुजुर्गो को इधर-उधर भटकना न पड़े और कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हो। कार्यक्रम की शुरुआत कृष्ण कर्मा आरती के बाद 1009 कलश के साथ शोभा निकाल कर की जाएगी। उसके पश्चात वैवाहिक कार्यक्रम में चूलमाटी, तेलमाटी, हल्दी का रश्म पूरा किया जाएगा। कलश शोभायात्रा के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री रमशिला साहू, अध्यक्षता प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रिका साहू, विशेष अतिथि देवीश्री साहू संयोजिका महिला प्रकोष्ठ, दिव्या कलहारी जिला उपाध्यक्ष, दामिनी साहू जनपद सदस्य सहित अन्य होंगे।

हर पात्र हितग्राही का मिलेगा पक्का मकान : प्रकाश सिन्हा

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण आवास प्लस 2.0 के तहत सर्वेक्षण के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के विशेष पहल पर मोर दुआर साय सरकार अभियान के अंतर्गत सर्वे 15 अप्रैल से प्रारंभ हो चुका है, जोकि 30 अप्रैल तक चलेगा। इस अभियान को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत बसना अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरी में प्रधानमंत्री आवास प्लस का सर्वेक्षण कर पात्र हितग्राहियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जनपद पंचायत बसना के अध्यक्ष डीलेश्वरी निराला, उपाध्यक्ष मोहित पटेल, सभापति प्रकाश सिन्हा, सुशीला मलिक, भाजपा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र त्रिपाठी, विधायक प्रतिनिधि खोलबाहरा निराला, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष माधव साव, मंडल अध्यक्ष नरहरि पोर्ते, महामंत्री प्रहलाद साहू एवं नरेंद्र साहू, ग्राम के सरपंच सुरेश कोसरिया, उप सरपंच पंच समेत भाजपा के वरिष्टजन एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी व जनपद पंचायत के सीईओ पीयूष ठाकुर सहित अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

देवरी के मोहन पुरंदर साव ने मुख्यमंत्री का जताया आभार - प्रधानमंत्री आवास सर्वेक्षण कार्यक्रम के दौरान देवरी ग्राम पंचायत के निवासी मोहन साव एवं पुरंदर साव को प्रधानमंत्री आवास के तहत बने मकान की चाबी सौंप कर बधाई प्रेषित की। इस दौरान हितग्राहियों ने यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार जताया।

ग्रामीणों से की भागीदारी की अपील - कार्यक्रम में जनपद पंचायत के सभापति प्रकाश सिन्हा ने ग्रामवासियों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक और गारंटी पुरी हो रही है। मोर दुआर साय सरकार पखवाड़ा के तहत गांव-गांव में प्रधानमंत्री आवास प्लस का सर्वे किया जा रहा है ताकि कोई भी पात्र परिवार पक्के मकान से वंचित न रहे। उन्होंने सभी ग्रामीणों से अपील की कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। साथ ही भाजपा जिला उपाध्यक्ष ने जितेंद्र त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री आवास सर्वेक्षण के संबंध में बताते हुए योजना लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। केंद्र और राज्य के जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया।

ग्राम मदनपुर-केराकछार में हाथियों ने धान व मूंगफली की फसल को उत्पात मचाते रौंदा

पायनियर संवाददाता ➤ कोरबा
www.dailypioneer.com

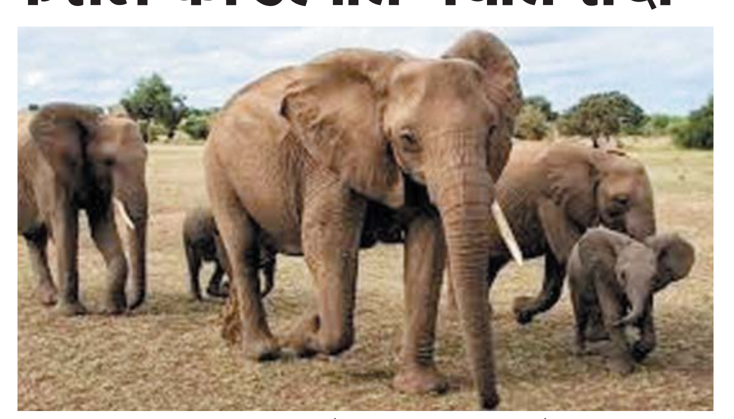

वनमंडल कोरबा अंतर्गत कुदमुरा रेंज के कक्ष क्रमांक 1139 में विगत दो दिनों से डेरा डालकर ग्रामीणों व वन अमले को परेशान करने वाले 39 हाथियों का दल अब ग्राम पसरखेत, केराकछार, छिंदकोना होते हुए कोरकोमा के जंगल पहुंच गया है। हाथियों के दल ने यहां पहुंचने से पहले रास्ते में मदनपुर व केराकछार में 9 ग्रामीणों के खेतों व बाड़ी में लगे धान व मूंगफली के पौधों को तहस-नहस कर दिया जिससे संबंधित ग्रामीणों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। ग्रामीणों को हाथियों के क्षेत्र में आने तथा फसल रौंदे जाने की जानकारी अलसुबह तब लगी जब वे फसल को देखने खेतों में पहुंचे तो उसे तहस-नहस पाया। खेतों में हाथियों के पैरों के निशान थे, उन्हें यह समझने में देर नहीं लगी कि हाथियों ने उनकी मेहनतों पर पानी फेर दिया है। पीड़ित ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी जिस पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंच हाथियों द्वारा किए गए नुकसानी का आंकलन किया। डिप्टी रेंजर केशरवानी ने बताया कि वर्तमान में हाथियों का दल कोरकोमा जंगल में विचरण कर रहा है, जिसकी निगरानी अमले द्वारा लगातार की जा रही है। ग्राम कोरकोमा व आसपास के ग्रामो में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सतर्क किया जा रहा है। उन्हें बड़ी संख्या में हाथियों के क्षेत्र में आने की सूचना देते हुए हाथियों तथा जंगल से दूरी बनाए रखने की चेतावनी दी जा रही है।

उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर संजू देवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में किया गया चार वार्डो के विकास कार्यों का भूमि पूजन

चार वार्डों में 1 करोड़ 4 लाख रुपए के विकास कार्यों की उद्योग मंत्री ने दी सौगात

पायनियर संवाददाता ➤ कोरबा
www.dailypioneer.com

प्रदेश के उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने नगर पालिक निगम कोरबा के दर्री जोन के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 47, 49, 51 व 52 में एक करोड़ चार लाख रुपए के विकास व निर्माण कार्यो की सौगात प्रदान की। कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर संजू देवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान इन विकास कार्यो का भूमि पूजन उनके द्वारा किया गया। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा 25 लाख रुपए की लागत से वार्ड क्रमांक 47 जमनीपाली में कांजी हाउस का जीर्णोद्धार एवं विकास का कार्य किया जाना है, इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 49 अगार खार में सांस्कृतिक मंच के पास 25 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन, किचन शेड का निर्माण, वार्ड क्रमांक 51 सरदार वल्लभभाई पटेल नगर में सामुदायिक भवन के ऊपरी तल पर 25 लाख रुपए की लागत से हाल व कक्ष का निर्माण तथा वार्ड क्रमांक 25 दर्रीखार में 25 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण कराया जाना है। उद्योग वाणिज्य व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर संजू देवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में मंत्री देवांगन ने इन सभी महत्वपूर्ण व जन उपयोगी विकास कार्यों का भूमि पूजन किया। उन्होंने विधिवत पूजा अर्चना कर एवं शिलान्यास पट्टिका का अनावरण कर विकास कार्यों का शुभारंभ कराया।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश का हो रहा तेजी से विकास

इस अवसर पर दिए गए अपने उदबोधन में उद्योग मंत्री देवांगन ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का तेजी के साथ विकास हो रहा है, एक ओर जहां राज्य की प्रगति की सभी दिशाओं में व्यापक पैमाने पर कार्य हो रहे हैं, उद्योग धंधे बढ़ रहे हैं, युवाओं को रोजगार मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर दर्जनों जन कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन कर आम जनता को इन योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है। मंत्री देवांगन ने आगे कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद विश्व पटल पर देश का मस्तक ऊँचा किया है, देश का सम्मान विश्व स्तर पर बढ़ाया है। उन्होंने आगे कहा कि जहां तक कोरबा के विकास का प्रश्न है तो मैं कोरबा की देवतुल्य जनता को यह विश्वास दिलाना चाहता हूं कि कोरबा के समग्र विकास में कोई भी बाधा नहीं आने दी जाएगी और यहां के विकास के लिए धनराशि की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने अभियंताओ को निर्देश देते हुए कहा कि भूमिपूजन के पश्चात तत्काल निर्माण कार्य प्रारंभ कराए।

जनता जनार्दन की इच्छा के अनुरूप हो रहे विकास कार्य

इस मौके पर महापौर संजू देवी राजपूत ने अपने उदबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री व नगरीय विकास मंत्री अरुण साव एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के मार्गदर्शन में कोरबा का तेजी के साथ विकास हो रहा है, उन्होंने कहा कि कोरबा नगर निगम क्षेत्र की देवतुल्य जनता जनार्दन की इच्छा के अनुरूप वार्डों में विकास कार्य किये जा रहे हैं, विशेषकर मूलभूत सुविधाओं की बेहतरी से जुड़े कार्यों पर खास फोकस रखा जा रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित नागरिको को संबोधित करते हुए कहा कि आपने मुझ पर जो अपार विश्वास व्यक्त किया है, मुझे निगम की कमान सौंपी है, इसके लिए मैं आपका तहे दिल से आभारी हूँ। महापौर राजपूत ने अभियंताओं व निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों को निर्देशित करते हुए कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता व समय सीमा पर विशेष ध्यान दें तथा पूरी गुणवत्ता व वर्क क्वालिटी के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय सीमा में कार्यों को पूरा करें। भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान पार्षद नरेंद्र देवांगन, एम आई सी सदस्य फिरतराम साहू, सरोज शांडिल्य, अजय कुमार चंद्रा, पार्षद विनम्र कुमार तिवारी, राधा महंत, सम्मत कुँवर कंवर, मुकुंद सिंह कंवर, किशनलाल केवट, सुखविंदर कौर, जनक सिंह राजपूत, कल्यानीबाई यादव, मंडल अध्यक्ष ईश्वर प्रसाद साहू, नरेंद्र पाटनवार, तुलसी ठाकुर, नारायण सिंह ठाकुर, राधे यादव, कृष्ना जायसवाल, पूर्व पार्षद पुष्पा कंवर, बुधवार साय यादव, कविता नारायण सिंह, विजय साहू, दीपक यादव, संजय कूर्मवंशी, रमला देवी, शशांक जैन,योगेश्वर गुप्ता, प्रेम अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, बैजू अग्रवाल, सत्यभामा अग्रवाल, संगीता पालीवाल, रतन सिंह, ज्योति यादव, दिलहरन कंवर आदि सहित काफी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

संपादकीय

विश्व विरासत दिवस मानवता हेतु महत्वपूर्ण

विश्व विरासत दिवस का उद्देश्य मानवता की पहचान, मूल्यों एवं रचनात्मकता का संरक्षण करना है। हर साल 18 अप्रैल को दुनिया भर में विश्व विरासत दिवस मनाया जाता है जिसे 'इंटरनेशल डे फार मान्यूमेंट्स एंड साइट्स' भी कहा जाता है। इस महत्वपूर्ण दिवस की स्थापना 1982 में स्मारकों एवं स्थलों पर अंतरराष्ट्रीय परिषद-इकोमोस ने की थी और बाद में यूनेस्को ने इसकी सहमति दी थी। यह हमारी सांस्कृतिक विरासत तथा उसकी सुरक्षा के प्रति सबकी जिम्मेदारी की याद दिलाता है। मूर्त एवं अमूर्त विरासत सभ्यताओं की सामूहिक स्मृति है। यह हमें याद दिलाती है कि हम कौन हैं, हम कहां से आए और हमारे समाजों का कैसे विकास हुआ। जहां समय, जलवायु और मौसम के कारण प्राकृतिक क्षरण प्राचीन ढांचों और परंपराओं के हमेशा दुश्मन रहे हैं, वहीं वर्तमान समय में एक तात्कालिक और गंभीर खतरा विचारधाराओं तथा सरकारों की ओर से है। दुनिया भर में हमने प्रभुत्व, संशोधनवाद या बदले के कृत्यों के रूप में विरासत का जानबूझ कर विनाश देखा है।

अतीत को समाप्त करने के प्रयास में कुछ सरकारों ने न केवल ढांचों, बल्कि अपनी पहचान को ही नष्ट किया है। इसका एक सर्वाधिक त्रासद एवं प्रतीकात्मक उदाहरण तालिबान द्वारा 2001 में 'बामियान बुद्ध' को नष्ट करना था। छठी शताब्दी में बनाई गई इन विशाल मूर्तियों को न केवल धार्मिक एवं कलात्मक महत्व की चीज माना जाता था, बल्कि वे अफगान इतिहास का अपरिवर्तनीय अंग भी थीं। उनका विनाश एक स्पष्ट संदेश देता है कि सरकार ने न केवल मूर्तियों को अस्वीकार किया, बल्कि उनके द्वारा प्रतिनिधित्व की गई पूरी सांस्कृतिक परंपरा को खारिज कर दिया। रूस में हमने एक अन्य किस्म की विरासत का विनाश देखा। सोवियत संघ के विघटन के बाद नई सरकार द्वारा लेनिन और दूसरे कम्युनिस्ट युग के प्रतीकों को नष्ट कर दिया गया। हालांकि, बहुत से लोग इसे अंधकारमय समय से आगे बढ़ने के लिए जरूरी मानते थे, लेकिन ये प्रतीक इतिहास के हस्ताक्षर थे और हमें आधुनिक राज्य को स्वरूप देने वाले एक युग की याद दिलाते थे, भले ही हम उसे पसंद करें या नहीं। ऐसी ही घटनायें दूसरे क्षेत्रों में भी हुईं। उपनिवेश युग के पश्चात अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में उपनिवेशवादियों के स्मारकों को नई सशक्त सरकारों या विरोध आंदोलनों ने गिरा दिया। ये कृत्य भले ही कुछ लोगों के विचार से समुदायों के लिए शुद्धीकरण का काम करते हों, पर अक्सर उनसे इतिहास के अति-सरलीकरण या उसे पूरी तरह मिटा देने का खतरा पैदा होता है।

हजारों वर्ष के बहुस्तरीय इतिहास वाला देश भारत एक जटिल उदाहरण पेश करता है। भारत में प्राचीन मंदिरों, किलों और शहरों को संरक्षित करने की असाधारण प्रतिबद्धता दिखाई देती है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण-एएसआई हजारों स्मारकों और स्थलों का रखरखाव करता है जिनमें ताजमहल, हंपी और खजुराहो को न केवल राष्ट्रीय, बल्कि वैश्विक आकर्षण और संरक्षण प्राप्त होता है। भारत की संस्कृति की तरह उसकी विरासत भी बहुस्तरीय और समावेशी है। ऐसे में किसी को वरीयता देना और दूसरे को महत्वहीन बताना भ्रम पैदा कर सकता है। जब कोई सरकार विरासत नष्ट करती है तो वह केवल अतीत ही नहीं मिटाती है, बल्कि यह स्वयं को देखने वाले एक आईने को भी नष्ट करती है। इतिहास चाहे जितना असहज करने वाला हो, उसे मिटाया नहीं जा सकता है और वह हमारे साथ जीवित रहता है। स्मारक केवल पत्थर या मूर्तियां नहीं होते, बल्कि वे स्मृतियों, सतर्क करने वाली कथाओं, उपलब्धियों, विफलताओं तथा अनेक अन्य चीजों के वाहक होते हैं जो मानवता हेतु महत्वपूर्ण हैं।

ऐतिहासिक विरासतों के विनाश से न केवल राष्ट्र बल्कि मानवता का भी नुकसान होता है। राजनीतिक परिवर्तनों के साथ सरकारों को विरासत संरक्षण के प्रति ज्यादा परिपक्व दृष्टिकोण अपनाना जरूरी हो गया है। हमें विचारधाराओं से आगे जाकर एतिहासिक विरासतों का मूल्य पहचानना चाहिए। पवित्र करने या नष्ट करने के बजाय इतिहास को पूरी जटिलता के साथ समझना, संरक्षित करना तथा याद रखना जरूरी है। विरासत केवल अतीत के बजाय निरंतरता भी है, अत: उसे नष्ट कर हम स्वयं को शिक्षा देने, अपनी जमीन मजबूत करने तथा भविष्य को दिशा देने वाली चीज नष्ट करते हैं। भारत में 'विरासत भी, विकास भी' उपयुक्त आदर्श है।

अवैध खनन से नदियों को खतरा

अवैध खनन नदियों का जीवन छीन लेता है। इसलिए नदियों को जीवनदायिनी बनाए रखने के लिए उनका टिकाऊ प्रबंधन जरूरी है। हमें प्रकृति व नदियों के दोहन के बजाय उसके संरक्षण का मार्ग अपनाना चाहिए।

बीकेपी सिन्हा, अजय झा
(लेखक, पूर्व वन अधिकारी हैं)

नदियां केवल बहता पानी ही नहीं, धरती की स्मृति का जीवन्त पुरातात्विक रिकार्ड हैं जो उनकी तलछट, गति, कटाव तथा उनकी घाटियों के हर मोड़ में दिखाई देता है। प्रत्येक नदी के जन्म की अपनी विशिष्ट कथा है जो उसके गुजरने वाले क्षेत्र तथा वहां के मौसमों से प्रभावित होती है। नदियों के मार्ग धरती की नब्ज की तरह होते हैं जो शताब्दियों में बदलते हैं, लेकिन इसके बावजूद हमेशा आगे बढ़ते जाते हैं। अपनी निरंतर गति से नदियां प्रकृति का संगीत प्रस्तुत करती हैं जो चक्रीय, परिवर्तनशील तथा हमेशा विकसित होने वाला होता है। नदी के प्रवाह का कारण गुरुत्वाकर्षण शक्ति होती है जिसके विपरीत उसे प्रवाह वाले क्षेत्र से प्रतिरोध विकसित होता है। नदी के प्रवाह की दर निर्धारित करने में चारों ओर का परिवेश, जैसे भूमि का स्वरूप, मिट्टी का प्रकार, वनस्पति तथा जलवायु, भूमि का प्रयोग और भूविज्ञान के तत्व महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। इससे उसके रास्ते तथा उसके द्वारा जमा की जाने वाली तलछट का भी निर्धारण होता है। विभिन्न प्रकार की भू-संरचनाओं से होकर बहने वाली नदियां अपने नीचे की सतह भी उजागर करते हुए धरती के भूगर्भ इतिहास की झलक भी पेश करती हैं। नदियों द्वारा जमा की जाने वाली तलछट में महीन मिट्टी से लेकर बड़े-बड़े पत्थर तक हाते हैं जिनसे चट्टानों के प्रकार, उनके क्षरण के पैटर्न तथा निकासी वाले क्षेत्र के बदलते स्वरूप का पता चलता है। खड़ी ढलानों से उतर कर लगभग समतल क्षेत्र में आने पर नदियों की गति धीमी हो जाती है तथा क्षरण घट जाता है।

ऐसी स्थिति में नदियां अपने साथ लाई तलछट जमा करने लगती हैं तथा मोटे कणों का स्थान महीन कण, मिट्टी और बालू लेने लगते हैं। नदियां घूमते हुए अनेक मोड़ व 'आक्सबो लेक' बना सकती हैं, जबकि उनके द्वारा लाई जाने वाली तलछट किनारे और मैदान बनाती है। इससे ज्यादा स्थिरता आती है तथा जलीय परिस्थितिकी को बढ़ावा मिलता है। लेकिन लगातार क्षरण और जमाव के कारण नदियां अपना रास्ता बदल सकती हैं और अक्सर अनेक परस्पर जुड़ी धाराओं के साथ नदियों का पैटर्न बदल जाता है। प्राकृतिक रूप से विकसित किनारे ज्यादा प्रवाह के दौरान नदियों को बांधे रखते हैं, मैदानों का कटाव रोकते हैं तथा परिस्थितिकियों का विनाश नहीं होने देते हैं। इसके साथ ही नदी के मार्ग में भी ज्यादा बदलाव नहीं आता है। बाढ़ के कारण मैदानों में उपजाऊ मिट्टी जमा होती है तथा गंगा नदी के मैदान जैसी संरचनाओं में कृषि योग्य उर्वर भूमि तैयार करती है। बड़े जल भंडारों तक पहुंचने पर नदियां डेल्टा बनाती हैं जहां व्यापक जैवविविधता वाली परिस्थितिकी तैयार होती है। इसका उदाहरण विशाल गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा है। नदियां अपने बहाव के दौरान अनेक प्रकार के संसाधन तथा जीवन की सहायता करने वाली सेवायें देती हैं।

मानवता के जीवित रहने के लिए परिस्थितिकीय स्वास्थ्य सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है। नदियों की बालू उनके द्वारा मुफ्त दी जाती है, पर खासकर निर्माण गतिविधियों में इसकी भारी मांग है। नदियों से बालू खनन के काम का नियमन सरकारों के आधीन है।

हाल में निर्माण गतिविधियों में वृद्धि के कारण देश के लगभग सभी राज्य नदियों की बालू के अवैध खनन की समस्याओं से परेशान हैं। नदियों की ज्यादातर लंबाई गैर-वन क्षेत्रों में है, ऐसे में अखबार अवैध बालू खनन की गतिविधियों वाली खबरों से भरे रहते हैं जिन पर राजस्व विभाग की प्रवर्तन एजेंसियां कार्रवाई भी करती हैं। लेकिन वर्तमान निर्माण गतिविधियों को देखते हुए 'बालू माफिया' अब वन क्षेत्रों में भी प्रवेश करने लगे हैं जिसके कारण वन अधिकारियों और कर्मचारियों पर अक्सर हमले भी होते हैं। वैसे तो बालू रेगिस्तानी इलाकों में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, पर वायु क्षरण के कारण इसके कण ज्यादातर गोल तथा निर्माण के अनुपयुक्त होते हैं। निर्माण में काम आने वाली बालू थोड़ी धारदार होनी चाहिए तथा उसमें खनिजों की एक निश्चित मात्रा होनी चाहिए। महीन बालू और मोटी बालू या मौरंग के खनन और परिवहन का खर्च खनन एजेंसियों को उपयुक्त स्थल तलाशने पर मजबूर करता है।

बेलगाम बालू खनन चाहे नदियों या मैदानों से हो, मानव जनसंख्या के साथ ही नदियों के भौतिक, रासायनिक एवं जैविक आयामों को प्रभावित करता है। यह विश्वास करने के अनेक कारण हैं कि नदियों से बालू खनन का नियमन जरूरी है। खनन के प्रकार तथा नदियों की तलहटी में होने वाले परिवर्तन से निकटवर्ती क्षेत्रों में भूमिगत जल का स्तर गिर जाता है, नदियों के किनारे कमजोर होते हैं, नदियों का प्रवाह प्रभावित होता है तथा क्षरण व तलछट जमाव पर स्थाई प्रभाव पड़ता है। इसके कारण अनेक विभीषिकायें भी सामने आती हैं। जहां तक रासायनिक आयाम का सवाल है, बालू खनन तथा परिवहन मशीनरी के प्रयोग से पानी और हवा की गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव पड़ता है जिसका कारण खनन मशीनों से निकलने वाला ईंधन और तेल के साथ धुंआ भी है। नदियों से बालू निकालने पर तलछट में पोषक तत्व प्रभावित होते हैं क्योंकि अक्सर खनन स्थलों पर भारी मात्रा में बालू जमा की जाती है। भारत की पेरियार नदी व्यवस्था से स्पष्ट है कि तलछट के पोषक तत्व हरे-भरे मैदानों को समृद्ध करते हैं, पर इस प्रक्रिया में नदी व्यवस्था में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है और भूमि तथा समुद्री परिस्थितिकी में पोषक तत्वों का प्रवाह घटता है।

नदियों की तलहटी से लगातार बालू खनन के कारण लघुजीवों का पर्यावास प्रभावित होता है जो नदी का जैविक स्वास्थ्य सुनिश्चित करते हैं। इससे नदी की परिस्थितिकी सेवायें प्रभावित होती हैं। बालू खनन के कारण नदियों का पानी बहुत गंदला हो जाता है, सूर्य का प्रकाश बाधित होता है, प्रकाश संश्लेषण में बाधा आती है तथा जल-जीवन, जैसे, डायएटम, मैक्रोइनिवर्टीब्रेट, बेंथिक एल्गी और मछलियों के अंडे नष्ट होते हैं। उथले और बाधित जल प्रवाह के कारण मछलियों का नदी प्रवाह व तालाबों के बीच स्थानान्तरण प्रभावित होता है तथा पूरी खाद्य श्रृंखला बाधित होती है। अध्ययनों से पता चला है कि बेलगाम बालू खनन के कारण गंगा नदी डाल्फिन व चंबल नदी के घड़ियाल जैसी प्रजातियां खतरे में पड़ गई हैं। बेलगाम बालू खनन के कारण जलीय जीवों की संख्या में कमी आती है तथा जल का स्तर गिरने से नदियों के किनारे उगने वाली वनस्पति प्रभावित होती है। इस प्रकार 'शेयर्ड रिवरीन एक्वेटिक हैबीटैट'-एसआरए को नुकसान पहुंचता है जो छाया प्रदान करने के साथ ही किनारों को स्थिर रखता है तथा अनेक जीवों को पोषक तत्व प्रदान करता है। परिस्थितिकी तंत्र में बाधा आने से भारत की अनेक नदियों में जलकुंभी जैसी विजातीय प्रजातियों का विस्तार होता है। इसके परिणाम परिस्थितिकी में अनिश्चितता पैदा करते हैं जिनके दूरगामी प्रभाव होते हैं। पानी की गुणवत्ता घटने तथा पुरानी बालू खानों में पानी के ठहराव से स्थानीय समुदायों का स्वास्थ्य एवं आजीविका प्रभावित होती है तथा ढांचागत संरचनाओं, जैसे इमारतों, सड़कों और पुलों के गिरने की संभावनाा बढ़ जाती है।

बालू की लगातार बढ़ती मांग को पूरी करने तथा नदी के जीवन के हित में टिकाऊ खनन व्यवहारों के बीच संतुलन बनाए रखना आज बड़ी चुनौती बन गया है। सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नदी व्यवस्थाओं के संरक्षण तथा उनको लगातार बनाए रखने के मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। इसके लिए जिम्मेदार दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए। इनमें वैज्ञानिक अध्ययनों के आधार पर उपलब्ध टिकाऊ संसाधनों की सूची तैयार करन, सावधानी से खनन स्थलों का चयन तथा खनन के पूर्व व उसके पश्चात जमीनी सर्वेक्षण शामिल हैं। खनन की नियंत्रित मात्रा, चरणबद्ध खनन तथा इसके साथ ही खनन वाले क्षेत्रों की पुन: बहाली, जलीय जीवों की जैविक गतिविधियों के मौसम में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध तथा तीसरे पक्ष द्वारा निगरानी और मूल्यांकन जरूरी है। इसके साथ ही खनन गतिविधियों के सोशल आडिट में ग्रामीणों को शामिल करने के साथ ही केरल की तरह जीपीएस व ड्रोन से निगरानी जैसी व्यवस्थायें अपनाई जानी चाहिए। भारत में नदियों को लंबे समय से जीवन और आध्यात्म के प्रतीकों के तौर पर सम्मान मिला है। अत: उनके संरक्षण व जीवन्तता को सांस्कृतिक विनम्रता, विधिक खोजों तथा परिस्थितिकीय विवेक से जोड़ा जाना चाहिए। अवैध व भारी मात्रा में बालू खनन से नदियों को गंभीर खतरा है।

स्वयं पर भी हंसना सीखें!

> हम अपने जोखिम के प्रति संवेदनशील हो गए हैं, क्योंकि हंसी अब दवा नहीं बल्कि चुपके से की जाने वाली क्रिया है।

आशा अय्यर कुमार
(लेखिका, एक लेखनी प्रशिक्षक एवं स्तम्भकार हैं)

एक समय था, जब हम बिना किसी अपराध या अपराध के हंसते थे। हम सत्ता पर, राजनीति पर, नौकरशाही पर और सबसे बढ़कर, खुद पर हंसते थे। यह हंसी उपहास में नहीं बल्कि जीवन की बेतुकी बातों की साझा समझ में डूबी हुई थी। आर. के. लक्ष्मण का कॉमन मैन याद है?

चश्मा पहने, हैरान व्यक्ति जो चुपचाप देश के दैनिक नाटकों को देख रहा था, वह हमारी सामूहिक अंतरात्मा थी जिसे स्याही से उकेरा गया था। उनका वह लेंस था जिसके माध्यम से मध्यवर्गीय भारत अपनी कमजोरियों पर मुस्कुराता था। कोई भी नहीं बख्शा गया, और फिर भी कोई घायल नहीं हुआ। उनके कार्टून, जो दशकों तक यू सेड इट के बैनर तले चले, ने न केवल सामाजिक-राजनीतिक तापमान को पकड़ा - उन्होंने हमें अराजकता के बीच बिना किसी संदेह, बिना किसी क्रोध के हंसाया, और इसने हमें बदलते समय के पैमाने पर खुद को आंकने के लिए प्रेरित किया। हम कितनी दूर आ गए हैं - और बेहतर के लिए नहीं!

अभी कुछ दिन पहले, टाइम्स ऑफ इंडिया ने बताया कि मुंबई में पश्चिमी रेलवे ने एक होर्डिंग को हटाने के लिए कहा, जिसमें मुंबई की मशहूर भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेनों को मजाकिया ढंग से दर्शाया गया था। शहर को दूर से भी जानने वाला हर व्यक्ति इस बात की पुष्टि करेगा कि यह चित्रण वास्तविकता से बहुत दूर नहीं था। लेकिन अब वास्तविकता भी बर्दाश्त करने लायक नहीं रह गई है।

हमारी दहलीजें सिकुड़ गई हैं। व्यंग्य संदिग्ध है। विडंबना एक अपराध है। और हास्य - घायल दिलों के लिए एक बेहतरीन मरहम - एक खदान बन गया है। ऐसा लगता है कि हम भूल गए हैं कि बिना चोट पहुंचाए कैसे हंसना है, या किसी मज़ाक का विषय कैसे बनना है, बिना इसे व्यक्तिगत रूप से न लेना। सार्वजनिक ढांचा भंगुर हो गया है। सब कुछ या तो अपमान है या एजेंडा। हमारी सामूहिक त्वचा पतली हो गई है, और इसके साथ ही, हास्य को मिसाइल के बजाय दर्पण के रूप में समझने की हमारी क्षमता भी।

हम अपने जोखिम के प्रति संवेदनशील हो गए हैं, क्योंकि हंसी अब दवा नहीं बल्कि चुपके से की जाने वाली क्रिया है। हम अब अपने जोखिम पर हंसते हैं, क्योंकि हर कोई हंसता नहीं है। लेकिन आइए यहाँ रुकें। खुद पर हँसने का क्या मतलब है? और यह समाज के स्वास्थ्य और व्यक्ति की मानसिक शांति के लिए इतना महत्वपूर्ण क्यों है? खुद पर हंसना बिना किसी शर्म या शर्मिंदगी के अपनी खामियों को स्वीकार करना है। यह मानवीय कॉमेडी को स्वीकार करना है जिसमें हम सभी अभिनेता हैं, हम्प्टी-डम्प्टी की तरह लड़खड़ाते, विरोधाभासी, लड़खड़ाते और बड़ी गिरावटें झेलते हैं।

यह विनम्रता का कार्य है। और विनम्रता, अपमान के विपरीत, कम नहीं होती। यह हमें बड़ा बनाती है। यह अहंकार को नरम करती है, गर्व के तीखे किनारों को चिकना करती है, और हमें दूसरों के प्रति अधिक क्षमाशील होने की अनुमति देती है, हां, लेकिन विशेष रूप से खुद के प्रति। हमें खुद को बहुत गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। अपनी बेतुकी बातों को देखने, उस पर मुस्कुराने और यहाँ तक कि उसे दूसरों के साथ साझा करने की क्षमता, आंतरिक शक्ति का प्रतीक है।

उस हंसी में एक शांत ज्ञान है - यह जानने का ज्ञान कि जीवन बहुत अप्रत्याशित है जिसे निरंतर आक्रोश में नहीं जिया जा सकता। और प्राणियों के रूप में, हम ब्रह्मांड के कैनवास में बहुत छोटे और महत्वहीन हैं। हर परंपरा के दार्शनिकों ने इस पर संकेत दिया है। जेन में, प्रबुद्ध भिक्षु को अक्सर हँसते हुए दिखाया जाता है। प्राचीन ग्रीस में, सुकरात को उनकी विडंबना और हास्य के माध्यम से आडंबर को कम करने की उनकी क्षमता के लिए जाना जाता था। घर के करीब, भक्ति कवियों ने हठधर्मिता और रूढ़िवादिता का धीरे से मज़ाक उड़ाया। उनकी असम्मानशीलता प्रेम में निहित थी, द्वेष में नहीं। वे जानते थे कि हास्य सत्य को उन तरीकों से प्रकाशित कर सकता है जो गंभीरता कभी नहीं कर सकती, और इसे इसकी सच्ची भावना में लिया गया।

लेकिन आज, हम नाराज़ होने को सही होने के साथ भ्रमित करते हैं। और इसलिए, हम कॉमेडियन, कार्टूनिस्ट, व्यंग्यकार को चुप करा देते हैं, और धीरे-धीरे, हम खुद को चुप करा देते हैं। हम अपनी कमज़ोरी के इर्द-गिर्द किले बनाते हैं और इसे धार्मिकता कहते हैं। हम वहाँ माफ़ी मांगते हैं जहां हमें परिप्रेक्ष्य की तलाश करनी चाहिए।

यह हास्य के रूप में अश्लीलता या क्रूरता का बचाव नहीं है, जो इन अविवेकी समय में भी प्रचुर मात्रा में हो गया है। हम मूर्खता और शीतलता के बीच का अंतर जानते हैं। और हमें हमेशा ऐसे हास्य से सावधान रहना चाहिए जो नीचे गिराता है, जो हाशिए पर पड़े लोगों का मज़ाक उड़ाता है, जो पंचलाइन में पूर्वाग्रह को छुपाता है या असंवेदनशीलता में भ्रष्टता को छुपाता है। लेकिन बुरे हास्य का जवाब हास्यहीनता नहीं है।

यह बेहतर हास्य है। बेहतर विडंबना। सच्चा व्यंग्य। और सबसे बढ़कर, एक मोटी चमड़ी। एक समाज के रूप में, हमें परिपक्क होने की जरूरत है। हमें एक साथ और खुद पर हंसने की कला को फिर से खोजने की जरूरत है। आम आदमी को बोलने की जरूरत नहीं थी क्योंकि उसके आसपास का समाज खामोश हंसी की भाषा समझता था।

वह खामोश हंसी अब खतरे में है। तो आइए हम फिर से खुद को मुस्कुराहट के साथ देखने की क्षमता सीखें, न कि गुस्से से। हमें हास्य से नहीं डरना चाहिए; हमें उस दिन से डरना चाहिए जब हम अपना हास्य खो देंगे। जब लोग खुद पर हंस नहीं सकते, तो वे अब स्वतंत्र नहीं हैं।

आप की बात

धनखड़ का बयान

सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने न्यायपालिका और विधायिका के बीच सीमा पर एक महत्वपूर्ण चर्चा शुरू की है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट को सुपर संसद बनने का प्रयास नहीं करना चाहिए। प्रजातंत्र में विधायिका और न्यायपालिका दोनों की महत्वपूर्ण भूमिकाएं होती हैं। विधायिका कानून बनाने, जबकि न्यायपालिका संविधान व कानूनों की व्याख्या की जिम्मेदार है। न्यायपालिका द्वारा विधायिका के क्षेत्र में दखल प्रजातंत्र के लिए खतरनाक हो सकता है। धनखड़ का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट को अपने अधिकार क्षेत्र में रहना चाहिए और विधायिका के कार्यों में दखल नहीं देना चाहिए। देश के 90 करोड़ मतदाताओं ने अपने प्रतिनिधियों को चुनने के लिए मतदान किया है। इन प्रतिनिधियों द्वारा बनाए गए कानूनों को न्यायपालिका द्वारा बदलने के बजाय संविधान के प्रकाश में उनकी समीक्षा करनी चाहिए। लेकिन भारत में संसद के बजाय संविधान सर्वोच्च है और विधायिका तथा कार्यपालिका को उसकी भावना के अनुरूप ही काम करना चाहिए। इस संदर्भ में आवश्यक है कि राज्यपालों को राज्यों की विधायिका के प्रति भी संविधान की भावना के अनुरूप समुचित सम्मान देना बहुत जरूरी हो गया है।

-सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

ब्रिटेन में लिंग भेद

ब्रिटेन की शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में इस तथाकथित उन्नत समझे जाने वाले देश में लिंग भेद की दयनीय स्थिति उजागर कर दी है। दुनिया के अनेक देशों ने अपने यहाँ तीसरे लिंग की उपस्थिति को स्वीकार किया है। इनमें भारत, पाकिस्तान व नेपाल जैसे देश भी शामिल हैं, मगर ब्रिटेन ने अब तक ऐसा नहीं किया है। वर्तमान ब्रिटिश कानून, खासतौर से लिंग मान्यता अधिनियम 2004 केवल पुरुष या महिला लिंग को मान्यता देते हैं। विडंबना है कि इस स्थिति में सुधार का संकेत नहीं है। ब्रिटेन की सर्वोच्च अदालत ने फैसला सुनाया कि समानता कानूनों के तहत केवल जैविक महिलाएँ ही महिला की परिभाषा को पूरा करती हैं न कि ट्रांस महिलाएँ। इस फैसले पर ट्रांस समर्थकों ने चिंता एवं खेद जताया है। ब्रिटेन समेत पूरी दुनिया में ट्रांसजेंडर अधिकार राजनीतिक एवं मानवाधिकार का मुद्दा बन गए हैं। यह कट्टरपंथियों व उदारवादियों के बीच वैचारिक संघर्ष का भी मुद्दा हैं। विडंबना है कि ब्रिटेन व अमेरिका जैसे आर्थिक रूप से सर्वाधिक विकसित देशों में भी जेंडर-भेदभाव को बढ़ावा देने तथा ट्रांसजेंडरों के मानवाधिकारों को स्वीकार न करने वाले कट्टरपंथी तत्वों का वर्चस्व बना हुआ है जो स्वयं लोकतंत्र के लिए चिन्ताजनक है।

- जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

भारत-चीन संबंध

वर्तमान समय में अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक समीकरण लगातार बदल रहे हैं। भारत और चीन के संबंध भी इसी बदलाव का हिस्सा हैं जो अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि आर्थिक, सैन्य और कूटनीतिक स्तरों तक विस्तार पा चुके हैं। चीन का बांग्लादेश, नेपाल और पाकिस्तान जैसे भारत के पड़ोसी देशों में बढ़ता प्रभाव केवल सहयोग की भावना से प्रेरित नहीं है बल्कि यह रणनीतिक घेरेबंदी की एक योजनाबद्ध कोशिश का हिस्सा है। ऐसे में भारत को अपनी नीतियों, रक्षा प्रणाली और कूटनीतिक दृष्टिकोण को पुन: परिभाषित करना होगा। चीन बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव-बीआरआई के माध्यम से पड़ोसी देशों में बुनियादी ढांचे के नाम पर भारी निवेश के माध्यम से जहां उनको कर्ज के जाल में फंसा रहा है, वहीं इनके पीछे छिपा मकसद भारत की रणनीतिक घेराबंदी है। उसकी भारत को चारों ओर से घेरने की योजना को बल मिल सकता है। भारत की सैन्य शक्ति विश्व में महत्वपूर्ण है, पर वह कई मामलों में चीन से पीछे है। ऐसे में भारत को अपनी सैनिक शक्ति बढ़ाने के साथ ही पड़ोसी देशों में चीन के बढ़ते प्रभाव का रणनीतिक व राजनयिक ढंग से मुकाबला करना होगा। इसमें द्विपक्षीय संबंधों में सुधार भी शामिल है।

- विभूति बुपक्या, खाचरौद

वक्फ़ कानून पर सुनवाई

भारत के उच्चतम न्यायालय ने वक्फ संशोधन कानून, 2025 के संबंध में दायर याचिकाओं पर 2 दिन सुनवाई के बाद स्थगन आदेश देने के बजाय केन्द्र का यह प्रस्ताव मान लिया है कि वह फिलहाल इस मुद्दे पर आगे कार्रवाई नहीं करेगा। सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की टिप्पणियों से स्पष्ट है कि कई मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र से स्पष्टीकरण मांगे हैं। इसी कारण केंद्र सरकार एवं याचिकाकर्ताओं को सवाल-जवाब दाखिल करने का समय दिया गया है। यह मुद्दा बेहद जटिल है क्योंकि इसके पक्ष एवम विपक्ष में अनेक मजबूत तर्क हैं। संविधान के सर्वोच्च संरक्षक तथा व्याख्याकार के रूप में सर्वोच्च न्यायालय ने अब तक अनेक मामलों में ऐतिहासिक भूमिका निभाते हुए देश की सर्वांगीण प्रगति में योगदान के साथ मानवाधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित किया है। उससे वक्फ बोर्ड कानून के बारे में भी ऐसी ही आशा है। इस बीच जरूरी है कि सुनवाई तक इस कानून के बारे में जनता को भड़काने के सभी प्रयासों तथा सड़कों पर किए जा रहे प्रदर्शनों पर रोक लगाई जाए तथा कानून के पक्ष-विपक्ष में प्रचार रोका जाए।

- वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल pioneer.editorial@gmail.com पर भी भेज सकते है।

जंगल पर हमलाः अफसरों की लापरवाही से हरे पेड़ों की बलि

बंगले के पीछे ही मिला लाखों की लकड़ियों का जखीरा

पायनियर संवाददाता ◄ कवर्धा
www.dailypioneer.com

एक ओर जहां पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बनाए रखने को लेकर सरकार और समाज तमाम प्रयास कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट नज़र आ रही है। उप वनमंडल पंडरिया के वन परिक्षेत्र (पूर्व) में जंगलों की बेरहमी से हो रही कटाई इसका ताजा उदाहरण है। यहां खेती के नाम पर लंबे समय से हरे-भरे पेड़ों को काटा जा रहा था, लेकिन वन विभाग की आंखों में इस पर जैसे पटटी बंधी हुई थी।

आखिरकार जागा वन विभाग, कार्रवाई

पंडरिया नगरपालिका के वार्ड क्रमांक (एक) समरूपारा में वन विभाग ने आखिरकार छापामार कार्रवाई कर लाखों की कीमत की सागौन और अन्य कीमती लकड़ियों का जखीरा जब्त किया है। इन लकड़ियों को जंगल से अवैध रूप से काटकर एक मकान में छुपाकर रखा गया था। इन्हें फर्नीचर, दरवाजे, खिड़कियां और अन्य निर्माण कार्यों में इस्तेमाल करने के लिए तैयार किया जा रहा था।

अफसरों के घर से बेहद करीब मिला अवैध जखीरा

चौंकाने वाली बात यह है कि यह पूरा जखीरा उप वनमण्डल अधिकारी, वन परिक्षेत्र अधिकारी (पश्चिम) के कार्यालय और सरकारी निवास से महज एक किलोमीटर की दूरी पर मिला है। जबकि पूर्व वन परिक्षेत्र अधिकारी के कार्यालय से यह स्थान डेढ़ किलोमीटर के भीतर ही है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या अफसरों को इसकी भनक नहीं थी या फिर जानबूझकर आंखें मूंद रखी थीं।

क्या सिर्फ छापा मारना ही है समाधान

स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह कार्रवाई महज खाना पूर्ति और वाहवाही लूटने का प्रयास है। पिछले कई वर्षों से इलाके में जंगल की अवैध कटाई होती रही है, लेकिन विभाग ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। सवाल यह भी उठता है कि जब पर्यावरण पर मंडरा रहे खतरे साफ दिखाई दे रहे हैं, तो जिम्मेदार अधिकारी अब तक चुप क्यों बैठे थे?

हरियाली पर संकट, पर्यावरण को नुकसान

वनों की अंधाधुंध कटाई का असर सिर्फ प्राकृतिक संतुलन पर नहीं पड़ता, बल्कि इससे स्थानीय जलवायु, जैव विविधता और जंगली जीवों के आवास पर भी गंभीर खतरा मंडराने लगता है। आज जब ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज जैसे मुद्दों पर पूरी दुनिया चिंतित है, ऐसे में स्थानीय स्तर पर इस तरह की लापरवाही पर्यावरण के लिए बेहद घातक साबित हो सकती है।

मांग: सख्त कार्रवाई और निगरानी तंत्र की जरूरत

इस घटना ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि पर्यावरण संरक्षण की बातें सिर्फकागजों तक सीमित हैं। ज़रूरत है एक मजबूत निगरानी तंत्र की, जो न सिर्फअवैध कटाई को रोक सके, बल्कि दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई भी सुनिश्चित करे।

कस्तूरबा विद्यालय के बच्चों ने देखा विश्व प्रसिद्ध बैम्बू टावर, शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत सोमनाथ मंदिर का भी दर्शन किया

पायनियर संवाददाता ◄ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बेमेतरा के द्वारा बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण हेतु विश्व की सबसे ऊंची बैम्बू टावर सृष्टि उद्योग किरितपुर, आध्यात्मिक पुरातन, प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण शिवनाथ नदी के तट पर विराजित भगवान सोमनाथ मंदिर ले जाया गया। सबसे पहले किरितपुर में बच्चों ने बांस से बनने वाली बैम्बू टावर का अवलोकन किया यह कैसे बनाया जाता है, इसके क्या कार्य हैं। इन सब की जानकारी सृष्टि उद्योग कीरितपुर के मैनेजर राजू पटेल द्वारा दी गई साथ ही बताया कि इस उद्योग के लिए बांस असम तथा पश्चिम बंगाल से मनाया जाता है। उसी को कोटिंग कर बांस को टावर के लिए तैयार किया जाता है। इन सब की जानकारी उनके द्वारा दी गई। साथ ही बच्चों को रोजगार मूलक कार्य के लिए प्रेरित किया गया। बच्चों को नौकरी के पीछे भागने की बजाय खुद को दूसरों को रोजगार देने पर फोकस करना चाहिए कि समझाइस भी दी गई। बच्चे उत्साह के साथ सभी बारीकियां को देखने लगे तथा समझने की कोशिश कर रहे थे। उसके बाद सभी ने अपनी संस्कृति से जुड़ी पुरातन प्राचीन मंदिर सोमनाथ गए वहां भगवान शिव जी के दर्शन कर सभी बच्चों ने आत्म शांति का अनुभव किया। साथ ही प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर शिवनाथ और खारुन नदी के संगम का दर्शन भी बच्चों ने किया। सभी ने गर्मी से राहत के लिए तरबूज खीरा ककड़ी खाकर अपने आप को तृप्त किया शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों ने उत्साह के साथ वापसी की। इसमें कस्तूरबा विद्यालय की अधीक्षिका भारती घृतलहरे शिक्षिकाएं ममता गुरुपंच, राजकिरण मिश्रा, गायत्री साहू, विजयलक्ष्मी परगनिया, शिखा चौबे, सावित्री यादव, दीप्ति नौरंगे अनीता साहू ,नीलम रसोईया अंजनी यादव, सूरजा यादव, दुर्गा यादव सभी का भरपूर सहयोग रहा। इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से बच्चे यथार्थ में उन चीजों को देख पाते हैं जिनके बारे में कभी उन्होंने किताबो में पढ़ा था जिससे उनका ज्ञान चिरस्थाई होता है।

दीक्षा पाण्डेय का बेसबॉल नेशनल के लिए हुआ चयन

पायनियर संवाददाता ◄ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

नगर के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय शिवलाल राठी स्कूल में अध्यनरत कक्षा 10वीं की छात्रा कु. दीक्षा पाण्डेय का चयन देश की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 22/04/2025 से 27/04/2025 तक आयोजित होने वाले 17 वर्ष बालिका वर्ग समूह बेसबॉल में चयन हुआ है। कु दीक्षा पाण्डेय बेसबॉल सीखने ज़ेवरा स्कूल पीटीआई मृत्युंजय शर्मा के सानिध्य में रोज ज़ेवरा स्कूल जा कर सीखा व राष्ट्रीय स्तर खेल तक सफर किया। कु. दीक्षा पाण्डेय के चयन पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ कमल कपूर बंजारे, जिला क्रीड़ा अधिकारी मनोज बख्शी, डाइट प्राचार्य जे के घृतलहरे, डाइट व्याख्याता थलज कुमार साहू, पीटीआई मृत्युंजय शर्मा, सोमप्रभ श्रीवास, वंदना लाऊत्रे, विजय पाण्डेय, राठी स्कूल की प्राचार्य सुदेशा चटर्जी व शाला परिवार ने उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई व शुभकामनाएँ दी।

जिस राज्य मे मदिरा सम्मान पाता है युवा पीढ़ी और भविष्य अंधकारमय : महेंन्द्र विरदी

पायनियर संवाददाता ◄ थान खमरिया
www.dailypioneer.com

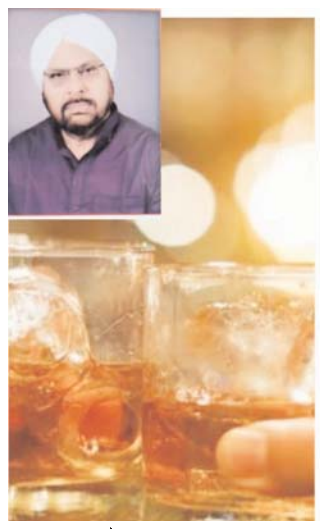

जिस देश में मंदिरा को सम्मान प्राप्त होता है। उस देश में हाथरस और निर्भया जैसे गैंगरेप अपराध होता है। वहां की युवा पीढ़ी बर्बाद और देश का भविष्य अंधकार में डूब जाता है। इसलिए शराब को अपराध की जननी कहा जाता है। हर प्रकार का नशा न केवल मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है अपितु मानसिक, पारिवारिक और सामाजिक जीवन भी तहस-नहस कर देता है। कवि बायरन ने कहा है कि द वाइन इज इन एंड द मास्टर इज आउट अर्थात शराब के अंदर जाते ही आत्मा नष्ट हो जाती है। पहले मौज मस्ती के लिए नशा करते थे, अब 80% अपराधी अपराध करने के पहले नशा करते हैं, ताकि हिम्मत खुल जाए और और मानवता जागृत ना हो सके।आश्चर्य की बात है मनुष्य को सबसे कमजोर बनाने वाली शराब हिम्मत की मध्य बन गई है। शराब में कोई गुण नहीं है, ना ही समाज के हित में किसी प्रकार की कोई आवश्यकता। अगर आप अधिक धन खर्च कर लाइसेंसी बार होटल में बैठकर शराब पीते हैं तो कोई दोष नहीं, किंतु गरीबी के कारण कहीं भी बैठकर पीते हैं, पीने के लिए स्थान नहीं होता तब आपकी विरुद्ध पुलिस द्वारा मामला बना दिया जाएगा, कोर्ट जाना पड़ेगा और दंड भी होगा। राज्य सरकार एक और बोतलों पर निषेध वाक्य लिखवाती है यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और कहती है शराब पीकर वाहन न चलाएं। यह संदेश सड़कों पर देती है। इसके बाद इतने दुर्गुण शराब में होते हुए भी राज्य सरकार इसे प्रतिबंध क्यों नहीं करती? बल्कि छत्तीसगढ़ सरकार खुद शराब बेचती है बल्कि इससे प्राप्त आमदनी को देख शराब की दुकान बढ़ा दी। जवाबदेही सरकार जनता को बुराई से बचाने के बजाय बुराई की ओर धकेल रही है। अगर शराब के कारण करोड़ों लोगों को तबाह कर धन कमाती है तो यह प्रदेश का दुर्भाग्य है। इतिहास देखें 15 वीं शताब्दी में रूस का राजा पीटर द ग्रेट जिसने तंबाकू पीना अनिवार्य कर दिया था। उसे राज्य की दुर्गति को आप पढ़ सकते हैं। छत्तीसगढ़ प्रदेश में मदिरा ऐसे ही सम्मान पता रहेगा, तो बहुत जल्दी नष्ट हो जाएगा। कुछ दिन पहले छत्तीसगढ़ प्रदेश के मंत्री ने वाहन चालक युवा शराब के नशे में दुर्घटना का शिकार हो गया था दूसरा बाइक चालक दुर्घटना का शिकार हुआ वह भी युवा शराब के नशे में था, मंत्री निराश हुए क्या पूरे प्रदेश का युवा शराब में डूब जाएगा। फिर छत्तीसगढ़ में विकास कैसे आगे बढेगा। राज्य सरकार को धन अर्जन शराब से नहीं करना चाहिए। कहते हैं कि शराब ने समुद्र से अधिक डुबोने का काम किया है। माझी जब नाव डुबायें उसे कौन बचाये

किसी भी विकास के लिए राजनीति इच्छा का मजबूत होना आवश्यक होता है। शराब या अन्य मादक पदार्थ केवल मानसिक क्षति ही नहीं पहुंचता बल्कि शरीर और आर्थिक रूप से नुकसान करता है। स्वस्थ समाज के लिए शराब बंदी आवश्यक है। सरकार में बैठे जो लोग हैं एक चेहरे के अंदर दूसरा चेहरा भी है जो साधु और शैतान जैसा है।

बिगड़ते कानून व्यवस्था के खिलाफ मुख्यमंत्री निवास घेराव मे शामिल होगें बेमतरा जिले के कांग्रेस कार्यकर्ता

पायनियर संवाददाता ◄ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश में बदहाल कानून व्यवस्था, महिलाओ और अबोध बच्चियों पर हो रहे अत्याचार को लेकर 21 अप्रैल को आयोजित मुख्यमंत्री घेराव को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा के कार्यालय मे बैठक आयोजित की गई। जहां पर बेमेतरा से अधिक से अधिक संख्या मे उपस्तिथि सुनिश्चित करने पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई। आशीष छाबड़ा ने कांग्रेसजनों को संबोधित करते हुए कहा कि जब से प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है प्रदेश में अराजकता का माहौल है। प्रदेश मे बलात्कार, लूट, चोरी की घटनाओ मे भारी वृद्धि हुई है, प्रदेश मे छोटी बच्चियों के साथ लगातार अनाचार की घटनाएं हो रही है। प्रदेश मे कानून व्यवस्था पूरी तरह फेल हो चुकी है, भाजपा सरकार केवल शराब बेचने मे ही मस्त है, जगह जगह सूखे नशे का व्यापार हो रहा है, जिसके कारण नशाखोरी बढ़ी है और समाज मे अनाचार के मामले बढ़े है। उन्होने मुख्यमंत्री निवास घेराव मे अधिक से अधिक संख्या मे कांग्रेसजनों को उपस्थिति रहने का आव्हान किया। बैठक को प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त प्रभारी राम गिडलानी तथा अशोक राज आहूजा ने भी सम्बोधित किया और बेमेतरा जिले से अधिक संख्या मे कांग्रेस जनों की उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक मे अवनीश राघव सुमन गोस्वामी लुकेश वर्मा टी आर जनार्दन ललित विश्वकर्मा सुरेंद्र तिवारी विजय बघेल रामेश्वर साहू रामबिहारी राजपूत सनत धर दीवान हरीश साहू रवि परगनिहा अर्पित परगनिहा मिथलेश वर्मा कविता साहू शकुंतला साहू रीता पांडे रश्मि मिश्रा योगिता साहू शशि प्रभा गायकवाड रूबी सलूजा रनिया देवी मनोज शर्मा रवि रजक जावेद खान नवीन ताम्रकार सुनील नामदेव सुशीला जोशी राम सिंह गायकवाड राजू साहू मोहित वर्मा भाव सिंह राज कुलदीप आदिल तोरण साहू सोहन साहू जितेंद्र सोनवानी निलेश वैष्णव रोमन वर्मा अमरनाथ साहू महेंद्र सोनवानी लवकुश साहू रामखेलावन साहू कौनैन अली देवचरण साहू वीरेंद्र वर्मा विकास चौबे वाहिद रवानी राज बिहारी मोनाल सिन्हा जितेंद्र जोशी शत्रु सिन्हा राकेश बंजारे विवेक सिंह राजपूत देव शरण गोसाई राम ठाकुर शंकर सिंह कमल साहू रवि गुप्ता यौवन डिंडोरी राजेश चंदेल चेतन बंजारे टुकेश्वर साहू इंदर चंद जैन प्रेम साहू नेम सिंह वर्मा राजेंद्र टंडन भागवत भारती लोचन दास मानिकपुरी बैनलाल कुर्रे यशवंत कुमार साहू सहदेव साहू दिलहरन साहू खिलेंद्र कुमार साहू महेंद्र साहू सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्तागण का उपस्थित रहे।

132 व्याख्याताओं की टीम गणित-विज्ञान शिक्षण में नवाचार के लिए आई आई एस ई आर पुणे रवाना

जिले से भी चयनित 15 शिक्षक

पायनियर संवाददाता ◄ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित संस्थानों में शिक्षकों के कौशल विकास के लिए आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत तृतीय व चतुर्थ चरण में चयनित पीएमश्री विद्यालयों से जुड़े 132 व्याख्याता भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पुणे में आयोजित पाँच दिवसीय कार्यशाला में भाग लेंगे। यह कार्यशाला राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़, रायपुर के तत्वावधान में 25 अप्रैल से प्रारंभ होगी, जिसका उद्देश्य गणित, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी विषयों में शिक्षकों की क्षमता का संवर्धन करना है। इस कार्यशाला का नेतृत्व पीएमश्री योजना के राज्य समन्वयक आशीष गौतम करेंगे। वैज्ञानिकों और विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान, चर्चाएं और विविध शैक्षणिक गतिविधियाँ कार्यशाला में संपादित की जाएंगी। कार्यशाला में सहभागिता करने वाले व्याख्याता एक सांस्कृतिक कार्यक्रम की भी प्रस्तुति देंगे, जो छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करेगा। दुर्ग संभाग के अंतर्गत आने वाले जिलों राजनांदगांव, बालोद, बेमेतरा, दुर्ग, कवर्धा, खैरागढ़-छुईखदान, मोहला-मानपुर-चौकी से कुल 36 व्याख्याताओं का चयन हुआ है। यह पहल राज्य सरकार द्वारा शिक्षकों को नवीनतम वैज्ञानिक सोच, शिक्षण तकनीक और व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिले से चयनित शिक्षकों की भागीदारी जिले के लिए गौरव की बात है।

संभागायुक्त राठौर का आकस्मिक निरीक्षणः जनसुविधाओं की कसौटी पर विकास कार्यों की पड़ताल

जनसेवा की संवेदना के साथ विकास की गति का मूल्यांकन

पायनियर संवाददाता ◄ कवर्धा
www.dailypioneer.com

जनहित की नब्ज पर हाथ रखते हुए दुर्ग संभाग के आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने कबीरधाम जिले का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में उन्होंने न केवल निर्माणाधीन विकास कार्यों की प्रगति को परखा, बल्कि सीधे जनता से संवाद कर व्यवस्थाओं का वस्तुपरक मूल्यांकन भी किया। निरीक्षण की शुरुआत सर्किट हाउस में आयोजित अधिकारियों की बैठक से हुई, जहाँ संभागायुक्त ने जिले में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज की तैयारियों की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने कॉलेज की स्थापना को जिले के स्वास्थ्य और शैक्षणिक विकास का मील का पत्थर बताया। साथ ही भूमि चिन्हांकन, निर्माण, स्टाफ नियुक्ति और संसाधन प्रबंधन के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अजय त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री जनमन योजना की प्रगति से अवगत कराया, जिसमें सड़क, आवास, आंगनबाड़ी भवन, पेयजल और विद्युत विस्तार जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। इसके पश्चात संभागायुक्त राठौर ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। अस्पताल के विभिन्न विभागों जैसे पंजीयन कक्ष, औषधि वितरण, आपातकालीन वार्ड, मेडिकल वार्ड, ओपीडी, डिजिटल रेडियोलॉजी और डायलिसिस यूनिट का गहन अवलोकन कर उन्होंने उपलब्ध सुविधाओं और मरीजों की स्थिति की जानकारी ली। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए उन्होंने तत्काल प्रभाव से आपातकालीन वार्ड को वातानुकूलित करने और ठंडे पेयजल व स्वच्छता व्यवस्था को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अस्पताल निरीक्षण के दौरान उन्होंने भर्ती मरीजों से सीधे संवाद कर व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। महिला वार्ड में जानकी यादव जैसी मरीजों से बातचीत कर उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया। निरीक्षण का अगला पड़ाव था बोड़ला विकासखंड का ग्राम सिंघनपूरी, जहाँ राठौर ने प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत सिंघनपूरी से बैगाडेरा तक निर्माणाधीन सड़क की गुणवत्ता और प्रगति की समीक्षा की। 2 करोड़ 55 लाख रुपये की लागत से बन रही यह 4 किलोमीटर लंबी सड़क बैगा आदिवासी समुदाय के लिए एक नई राह खोलेगी। राठौर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं हो और सभी कार्य तय समय-सीमा में पूर्ण हों। यह निरीक्षण न केवल विकास की स्थिति को समझने की पहल थी, बल्कि यह एक उदाहरण भी है कि जब प्रशासन संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ मैदान में उतरता है, तब आमजन को भरोसा और राहत दोनों मिलते हैं।

जहाँ खेल होता है, वहाँ ऊर्जा होती है: श्याम बिहारी

स्व. दीपक पटेल स्मृति रात्रिकालीन ओपन क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 का भव्य समापन, चिरमिरी इलेवन बनी विजेता टीम

पायनियर संवाददाता ◄ मनेन्द्रगढ़
www.dailypioneer.com

हाई स्कूल ग्राउंड में नगर के युवा स्व. दीपक पटेल स्मृति रात्रिकालीन ओपन क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 का समापन रंगारंग कार्यक्रम के साथ किया गया। इस प्रतियोगिता का फाइनल मैच चिरमिरी इलेवन और मनेन्द्रगढ़ इलेवन के बीच खेला गया, जिसमें चिरमिरी इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। वहीं, मनेन्द्रगढ़ इलेवन की टीम उपविजेता रही। विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार स्वरूप 1,41,000/- की राशि प्रदान की गई, जबकि उपविजेता टीम को 71,000/- की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया। इस टूर्नामेंट ने न केवल क्षेत्रीय खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया, बल्कि युवाओं में उत्साह और खेल भावना का संचार भी किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता चंपा देवी पावले (जिला अध्यक्ष, भाजपा, एम.सी.बी.) ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिमा यादव अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद, जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा,मनेन्द्रगढ़, राहुल सिंह, राजकुमार केशरवानी, सरजू यादव, लखन लाल श्रीवास्तव, रामचरित द्विवेदी, सुरेश श्रीवास्तव, हफीज मेमन, विनीत जायसवाल, रवि जैन, पार्षद स्वप्निल सिन्हा, पार्षद जमील शाह, पार्षद नीलू जायसवाल, पार्षद माया सोनकर, पार्षद किरण कुजूर के साथ ही मनेन्द्रगढ़ के अनेक पत्रकारगण, नागरिकगण एवं युवा साथी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने कहा कि यह टूर्नामेंट स्व. दीपक पटेल की स्मृति को समर्पित रहा, जिन्होंने हमेशा युवाओं को आगे बढ़ाने और समाज में सकारात्मक ऊर्जा फैलाने का कार्य किया। यह आयोजन न केवल एक खेल प्रतियोगिता रहा, बल्कि उनके जीवन मूल्यों और सामाजिक योगदान को याद करने का माध्यम भी बना। भाजपा जिलाध्यक्ष चम्पा देवी पावले ने अपने उदबोधन में कहा कि खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट में अनुशासन, परिश्रम और खेल भावना का जो परिचय दिया, वह अत्यंत सराहनीय है। चिरमिरी इलेवन और मनेन्द्रगढ़ इलेवन दोनों ही टीमों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और दर्शकों को रोमांचित कर दिया। विजेता टीम को हार्दिक बधाई और उपविजेता टीम को भी सम्मान के साथ शुभकामनाएं देती हूँ, क्योंकि खेल में जीत-हार से ऊपर होता है 'सम्मानपूर्वक भाग लेना'। भाजपा नेता सरजू यादव ने अपने उदबोधन में कहा कि मैं मंच से यह भी कहना चाहता हूँ कि इस तरह के आयोजन युवाओं को नशे से दूर रखते हैं, खेलों से जोड़ते हैं और एक सकारात्मक समाज के निर्माण की ओर कदम बढ़ाते हैं। मैं आयोजन समिति और सभी युवा साथियों को सलाम करता हूँ, जिन्होंने इतनी मेहनत, समर्पण और सहयोग से इस टूर्नामेंट को सफल बनाया। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने उदबोधन में कहा कि खेल से बढ़कर कोई साधना नहीं, खेलों से बेहतर कोई प्रेरणा नहीं। जहाँ खेल होता है, वहाँ ऊर्जा होती है,और जहाँ युवा खेलते हैं, वहाँ भविष्य खिलते हैं। इन्हीं शब्दों के साथ आप सभी का एक बार फिर धन्यवाद करता हूँ और आशा करता हूँ कि आने वाले वर्षों में यह परंपरा और भी भव्य स्वरूप में आगे बढ़ेगी। प्रतियोगिता में एम्पायर के रूप में भूपेंद्र भण्डारकर, प्रभात गिरि एवं कॉमेंटेटर के रूप में रामचरित द्विवेदी व बिलाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन को सफल बनाने में कार्यक्रम आयोजक कन्हैया सिंह कमेटी मेंबर विकाश शाह, मोहन गुप्ता, गोलू रैना, भूपेंद्र भंडारकर, अभय तिवारी, मो. आमिर, सौरभ ताम्रकार, रवि सिंह, आकाश रजक, अभिषेक, नवीन, आकाश, गोलू, हेमंत, टीपू, राधे महंत, पप्पू भैया, राजेश रजक, पारेस, राहुल, याकूब, नयन, कमल, अनुज, असीमित, बसंत, फैजान, मनीष, नागेश्वर, नूरेश, रमेश, संतोष, सागर, सलेम, समीर, अंकित, संदीप, संजय, अंशु, विशाल, यूसुफ आदि, यासिर, राहुल पूरी, आयुष, जगजीत, आकाश, मनोज, गणेश, राजा, विशाल शाह, छोटा प्रकाश आदि का सराहनीय योगदान रहा। इस सफल आयोजन के लिए आयोजक मंडल एवं समस्त युवा मित्रों द्वारा सभी प्रतिभागी टीमों, दर्शकों एवं प्रशासन का आभार प्रकट किया गया।

नगर पंचायत खोंगापानी में पेयजल व्यवस्था पर उठे सवाल, उपाध्यक्ष ने रसीद कटवाने की बाध्यता समाप्त करने की मांग की

मनेन्द्रगढ़। नगर पंचायत खोंगापानी में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। गर्मी की तीव्रता बढ़ते ही नगरवासियों को पीने के पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। इस बीच नगर पंचायत उपाध्यक्ष विवेक कुमार चतुर्वेदी ने पेयजल व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता जताई है और नगर पंचायत प्रशासन से त्वरित समाधान की मांग की है। चतुर्वेदी ने बताया कि हाल ही में नई परिषद के गठन के बाद नगर कार्यालय द्वारा पेयजल आपूर्ति हेतु टैंकर प्राप्त करने के लिए नागरिकों को रसीद कटवाने के लिए बाध्य किया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें समय पर जल टैंकर उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2015 में तत्कालीन अध्यक्ष निर्मला चतुर्वेदी ने इस बाध्यता को समाप्त कर जनहित में मुफ्त जल आपूर्ति व्यवस्था लागू की थी। उपाध्यक्ष ने नगर पंचायत कार्यालय को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि गर्मी के इस संकटपूर्ण समय में तत्काल परिषद की बैठक बुलाकर जनहित में निर्णय लिया जाए तथा टैंकर वितरण की पारदर्शी और प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए। नगर के नागरिकों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि नगर पंचायत जल्द ही इस दिशा में आवश्यक कदम उठाएगी।

कृषि विभाग की मेहनत का नतीजा: शक्ति जिला हुआ गौरवन्वित

कृषि विभाग की सक्रियता से पीएम फसल बीमा योजना में राष्ट्रीय स्तर पर मिला जिले को सम्मान

पायनियर संवाददाता ◄ सक्ती
www.dailypioneer.com

शक्ति जिले के संवेदनशील आईएएस कलेक्टर अमृत विकास टोपनो की सजगता एवं जिले के कृषि विभाग के उपसंचालक शशांक शिंदे एवं उनके अधीनस्थ अधिकारियों की सक्रियता से एक बार फिर शक्ति जिला राष्ट्रीय स्तर पर गौरवांनित हुआ है, केरल में आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में शक्ति जिले को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया, तथा इस सम्मान को स्वयं शक्ति जिले के कलेक्टर ने वहां उपस्थित होकर ग्रहण किया है, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा हेतु 12 वां राष्ट्रीय समीक्षा सम्मेलन आयोजित किया गया। यह सम्मेलन 18 और 19 अप्रैल 2025 को 'द लीला कोवलम', तिरुवनंतपुरम, केरल में संपन्न हुआ, इस दो दिवसीय सम्मेलन का उददेश्य फसल बीमा योजनाओं की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करना एवं भविष्य की रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना है। सम्मेलन में देशभर के विभिन्न जिलों द्वारा इन योजनाओं के अंतर्गत किए गए कार्यों की समीक्षा की गई और श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जिलों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। इस श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सक्ती के कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने यह पुरस्कार ग्रहण किया, इस वर्ष 'बड़े एवं मध्यम राज्य' श्रेणी के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर छत्तीसगढ़ के सक्ती और मोहला-मानपुर-अंबागढ जिला का चयन किया गया है। उक्त जिलों ने खरीफ 2023 तथा रबी 2023-24 सीजन के दौरान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन्हें 18 अप्रैल 2025 को आयोजित पुरस्कार समारोह में सम्मानित किया गया।

सुशासन तिहार: जनता से सरोकार, बहने लगी खुशियों की बयार

पायनियर संवाददाता ◄ महासमुंद
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अगुवाई में प्रदेश में सुशासन तिहार की शुरुआत की गई है, जो कि सरकार की लोक-कल्याणकारी नीतियों और योजनाओं की व्यापक सफलता का प्रतीक बन चुका है। इस तिहार का उद्देश्य है आम जनता तक सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुँचाना और उन्हें सशक्त बनाना। वास्तव में निराकरण से जनता के दिलों में खुशियों की बयार बहने लगी है। जनता से सरोकार और संवाद करने वाली सरकार जनता की हितों के लिए उनके द्वारा दिए गए आवेदनों का गम्भीरता से निराकरण कर रही है, जिसका असर दिखाई दे रहा है।

पतेरापाली के युगेश्वरी को मिला नया आशियाना

महासमुंद जिले के पिथौरा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत अमलीडीह के आश्रित ग्राम पतेरापाली की निवासी युगेश्वरी ध्रुव ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पक्के मकान के लिए सुशासन तिहार के दौरान आवेदन प्रस्तुत किया। उनकी इस आवश्यक मांग को प्रशासन ने प्राथमिकता से संज्ञान में लिया। मोर द्वार साय सरकार अभियान के तहत जिले की टीम तुरंत उनके घर पहुँची। त्वरित सर्वेक्षण के बाद यह स्पष्ट हुआ कि वे योजना की पात्र हैं। उनका नाम आवास प्लस सर्वे 2.0 में दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही उनके मकान का निर्माण शुरू हो जाएगा। वर्षों से एक पक्के घर का सपना संजोए बैठी ध्रुव की आंखों में अब उम्मीद की चमक है। वह सपना, जो कभी दूर और धुंधला लगता था, अब सरकार की पहल से एक नई सुबह की तरह उनके जीवन में उजाला भरने को तैयार है। अब वह दिन दूर नहीं जब उनका आशियाना केवल एक कल्पना नहीं, बल्कि जीती-जागती सच्चाई होगा। गौरतलब है कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन पूरी सजगता और तत्परता से कार्य कर रहा है।

दीपा को मिलेगा मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण का लाभ

इसी बीच सुशासन तिहार 2025 के दौरान आयोजित एक शिविर में महासमुंद के वार्ड नं. 25 कुम्हार पारा की रहने वाली कु. दीपा साहू ने मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत आवेदन किया। आवेदन क्रमांक 25270180824120 के माध्यम से उनकी पात्रता की जांच की गई और वे इस योजना के लिए पात्र पाई गईं। जिले के श्रम पदाधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही इस विशेष योजना के अंतर्गत दीपा को 20,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जो 01 मई 2025 को सीधे उनके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर की जाएगी। इस सहायता से अब दीपा अपनी आगे की पढ़ाई जारी रख पाएंगी। उनका सपना है कि वे शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ें और भविष्य में एक प्रेरणादायक शिक्षिका बनें ताकि वे और भी बेटियों को शिक्षा के महत्व से जोड़ सकें।

स्व. गणेशमल दुग्गड़ की स्मृति में उनके पुत्रों ने दिया सेवा का भावपूर्ण उदाहरण, महिला वार्ड में लगाए गए दो एयर कंडीशनर

पायनियर संवाददाता ◄ मनेन्द्रगढ़
www.dailypioneer.com

भीषण गर्मी में जहां आमजन त्रस्त हैं, वहीं मनेन्द्रगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती मरीजों को अब कुछ राहत महसूस हो रही है। यह राहत संभव हो सकी है स्व. गणेशमल दुग्गड़ की पुण्य स्मृति में उनके पुत्र गौतम दुग्गड़ एवं उत्तम दुग्गड़ द्वारा किए गए एक मानवीय कार्य के कारण। सेवा भावना से प्रेरित होकर दुग्गड़ परिवार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मनेन्द्रगढ़ के महिला वार्ड में दो एसी लगवाए हैं, जिससे अब महिला मरीजों को गर्मी के इस कठिन समय में अत्यंत राहत मिल रही है। यह पहल न केवल मरीजों के लिए उपयोगी सिद्ध हो रही है, बल्कि अन्य समाजसेवियों के लिए भी एक प्रेरणा बन रही है। अस्पताल प्रशासन एवं नगरवासियों ने दुग्गड़ परिवार के इस कार्य की सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि मरीजों की सुविधा के लिए ऐसे सहयोग की आज के समय में अत्यधिक आवश्यकता है, और यदि अन्य दानदाता भी इसी तरह से आगे आएं, तो स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में और सुधार लाया जा सकता है। स्व. गणेशमल दुग्गड़ अपने जीवनकाल में सेवा, सादगी और सामाजिक सहयोग के लिए जाने जाते थे। उनके पुत्रों द्वारा उनके दिखाए गए मार्ग पर चलना न केवल उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है, बल्कि समाज को भी सेवा का एक सकारात्मक संदेश देता है।

श्री राधा सखी परिवार द्वारा ऋषि पंचमी उद्यापन एवं अष्टोत्तर श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

श्री राधा सखी परिवार महिला समिति द्वारा ऋषि पंचमी उद्यापन एवं अष्टोत्तर श्रीमद् 108 भागवत कथा ज्ञान यज्ञ पुनीत कृष्ण महाराज (वृंदावन) द्वारा कराया जाना सुनिश्चित हुआ है, जो इस कार्यक्रम में यजमान बनने में असमर्थ महसूस कर रहे हैं, वे सभी भक्त भंडारा कार्यक्रम में और अपने पितृ शांति एवं पितृ मोक्ष हेतु पोथी पाठ करवा सकते हैं, उद्यापन में यजमान बनने हेतु अग्रिम राशि 1100 रू व भागवत कथा राशि 5100 रू निर्धारित की गई है, उपरोक्त जानकारी देते हुए श्री राधा सखी परिवार रायपुर के सदस्यों ने बताया कि ऋषि पंचमी 28-08-25 दिन- गुरुवार सहयोग राशि 4100 रू श्रीमद भागवत 29-08-25 से 04-09-25 तक सहयोग राशि 25000 रू कार्यक्रम सुबह 9 बजे से प्रारंभ की जावेगी। स्थान श्री राणी सती मंदिर, राजातालाब, ऑक्सीजन गार्डन के पास होंगा, आयोजक संस्था के अंजना अग्रवाल, कविता गोयल, मिनाक्षी अग्रवाल, किरण छावछरिया, सुमन मनकस्या, हेमलता बंसल ने धर्म प्रेमियों से निवेदन किया है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 28 स्कूलों में स्मार्ट क्लास-रूम का किया शुभारंभ

स्मार्ट क्लास से विषयों को और अधिक अच्छे से समझ सकेंगे बच्चे, पढ़ाई में रुचि और सीखने की क्षमता बढ़ेगी : अरुण साव

पायनियर संवाददाता ◄ मुंगेली
www.dailypioneer.com

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मुंगेली के लोरमी विकासखंड के 28 शासकीय स्कूलों में स्मार्ट क्लास-रूम का शुभारंभ किया। उन्होंने लोरमी विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैगाकापा में आयोजित कार्यक्रम में सभी स्मार्ट क्लास-रूम का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने स्मार्ट क्लास-रूम में अध्ययन-अध्यापन की सुविधाओं को देखा और इसके लिए स्थापित किए गए तकनीकी उपकरणों की सराहना की। एचडीएफसी बैंक और एआरओ फाउंडेशन के सहयोग से स्कूलों में ये स्मार्ट क्लास-रूम बनाए गए हैं। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने स्मार्ट क्लास-रूम का शुभारंभ करते हुए कहा कि स्मार्ट क्लास-रूम से बच्चों की पढ़ाई में रुचि और सीखने की क्षमता बढ़ेगी। इसके जरिए वे अपने विषयों को और अधिक अच्छे से समझ सकेंगे। वर्तमान समय में ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों को भी अध्ययन-अध्यापन की नई और प्रभावी तकनीकों से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने स्कूल के बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि यह स्मार्ट क्लास-रूम आप लोगों के लिए बना है। सभी विद्यार्थी इसका सदुपयोग करते हुए विषयों पर अपनी पकड़ मजबूत करें। उन्होंने स्मार्ट क्लास-रूम के शुभारंभ पर बधाई और शुभकामना दीं। उप मुख्यमंत्री साव ने बैगाकापा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए स्कूलों में डिजिटल तकनीकों का उपयोग बढ़ाया जा रहा है। एचडीएफसी बैंक और एआरओ फाउंडेशन के सहयोग से स्मार्ट क्लास-रूम की यह पहल विद्यार्थियों के लिए काफी उपयोगी होगी। उन्होंने दोनों संस्थाओं को इसके लिए धन्यवाद दिया। लोरमी नगर पालिका के अध्यक्ष सुजीत वर्मा, मुंगेली जिला पंचायत की सदस्य अनिता साहू और लोरमी जनपद पंचायत की अध्यक्ष वर्षा विक्रम सिंह ठाकुर सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मौजूद थे।

डिसिटक अपराजिता के डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस एवं स्पंदन अलंकरण समारोह तथा तृतीय कैबिनेट बैठक आज

पायनियर संवाददाता ◄ मनेन्द्रगढ़
www.dailypioneer.com

राष्ट्रीय सेवाभावी संस्था द एसोसिएशन ऑफ द वी क्लब ऑफ इंडिया को डिसिटक 323-जी-3 अपराजिता के डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस एवं स्पंदन अलंकरण समारोह तथा तृतीय कैबिनेट बैठक 20 अप्रैल दिन रविवार को मनेंद्रगढ़ के होटल हसदेव इन में होने जा रहा है। उपरोक्त जानकारी देते हुए कार्यक्रम अध्यक्ष डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट अनीता फरमानिया ने बताया कि इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के अंतर्गत आने वाले सभी 32 क्लबो के पदाधिकारी मुख्य अतिथि 32-33 के पूर्व गवर्नर राजकुमार अग्रवाल एवं पूर्व गवर्नर रंजना क्षेत्रपाल, लायन अजय दानोदिया, चार्टर्ड डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट अनीता अग्रवाल, चीफ एडवाइजर अंशु गोयल, डिसिटक संरक्षिका पूर्व जिला प्रेसिडेंट लता आर्या, पूर्व जिला प्रेसिडेंट रीता गुप्ता, प्रशासनिक सचिव अलका फरमानिया, सेवा गतिविधि सचिव माधुरी पंडा, जिला कोषाध्यक्ष अमरजीत कथूर, वाइस डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट मनीषा सोनी, एरिया ऑफिसर पम्मी अरोड़ा, आयोजक क्लब अध्यक्ष श्वेता पोददार, नवरत्न माइक्रो कैबिनेट चेयरपर्सन एवं सभी क्लबो के एरिया ऑफिसर पीएसटी एवं सदस्यों की विशेष तौर पर उपस्थिति रहेंगी। डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट अनीता फरमानिया ने बताया कि 2024-25 के वर्ष भर में किए गए कार्यों का मूल्यांकन करके अवार्ड स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मानित किया जाएगा, संपूर्ण आयोजन प्रोटोकॉल के अनुसार होंगे।

प्याज एवं लहसुन फसल में कीटों से सुरक्षा

आस्था शर्मा, पिंकी शर्मा, डॉ. दीपक गुप्ता
श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविधालय, जोबनेर-जयपुर (राज.)

प्याज एवं लहसुन भारत में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण फसलें है। इनकों सलाद के रूप में, सब्जी में, आचार या चटनी बनाते समय प्रयोग में लाते हैं। प्याज एवं लहसुन की खेती रबी मौसम में की जाती है लेकिन इनको खरीफ(वर्षा ऋतु) में भी उगाया जाता है। प्याज एवं लहसुन की फसल में विभिन प्रकार के रोग एवं कीट लगते हैं जिससे उत्पादन प्रभावित होता है। अच्छी गुणवत्ता वाली उच्च विपणन योग्य कन्द उपज पाने के लिए उचित तरीकों से कीट और रोग प्रबंधन करना बहुत आवष्यर्क है। इसके अलावा, निम्नलिखित बातें ध्यान में रखनी चाहिए।

1 कीटनाशक का छिड़काव रोपाई से 30 दिनों बाद या जैसे ही कीट रोग प्रकट हो, आरंभ कर देना चाहिए।

2 कीट की तीव्रता के आधार पर 10-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव किया जाना चाहिए।

3 हमेशा छिड़काव करते समय चिपकने वाले पदार्थ (स्टीकर) ड़ाले।

4 एक ही वर्ग के कीटनाशकों का बार बार इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

प्याज व लहसुन के प्रमुख कीट

चूसक कीट (थ्रिप्स टेबेसाई)

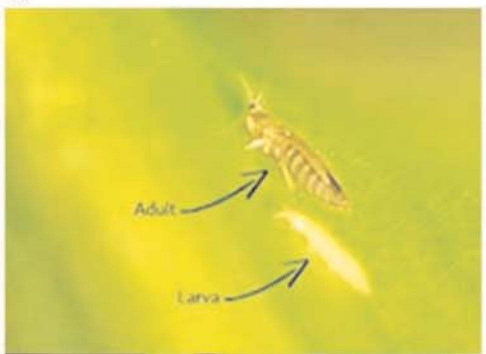

ये प्याज का प्रमुख रुप से हानि पहुंचाने वाला कीट है। इनका आक्रमण तापमान में वृद्धि के साथ तीव्रता से बढ़ता है और मार्च में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। इनका रंग हल्का पीले से भूरे रंग का तथा छोटे-छोटे गहरे चकत्ते युक्त होता है। इस कीट के निम्फएवं प्रौढ़ दोनों ही अवस्थायें मुलायम पत्तियों का रस चूस कर उन्हें क्षति पहुँचाती है। इस कीट से प्रभावित पत्तियों में जगह जगह पर सफेद धब्बे दिखाई देते हैं। अधिक प्रकोप होने पर पत्तियां सिकुड़ जाती है और पौधों की बढ़वार रुक जाती है तथा प्रभावित पौधों के कंद छोटे रह जाते हैं जिससे उपज मे कमी हो जाती है।

रोकथाम:

1. सर्वप्रथम रोपाई के पूर्व पौधों की जड़ों को दो घंटे तक कार्बोसल्फान एक मिली प्रति लीटर पानी के घोल से उपचारित करना चाहिए।
2. इन कीटों का संक्रमण दिखाई देने पर नीम द्वारा निर्मित कीटनाशी (जैसे ईकोनीम, निरिन या ग्रेनीम) 3-5 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार घोल तैयार कर शाम के समय फसल पर 10-12 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव करें
3. डाईमेथोऐट 30 ई.सी. 650 मि.ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या मेटासिस्टॉक्स 25 ई.सी. 1 ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 30 ई. सी. 5 मि.ली. प्रति 15 ली. पानी के साथ छिड़काव करें। कीटनाशक के सही प्रभाव हेतु चिपकने वाले पदार्थ (स्टिकर) जैसे सेन्डोविट या टीपॉल (2.5 ग्राम प्रति लिटर) का प्रयोग करना चाहिए।

प्याज की मक्खी: मैगट (हाईलिमिया ऐंटीकुआ)

यह मक्खी प्याज की फसल का प्रमुख हानिकारक कीट है जो अपने मैगट पौधों के भूमि के पास वाले भाग, आधारीय तने में दिए जाते हैं। मैगटों की संख्या 2-4 तक हो सकती है। इनसे भूमि के पास वाले तने का भाग सड़कर नष्ट हो जाने से पूरा पौधा सूख जाता है। कभी-कभी इस कीट द्वारा फसल को भारी मात्रा मे क्षति होती है

रोकथाम:

1. फसल की रोपाई पूर्व, खेत की तैयारी करते समय नीम की खली/खाद 3-4 क्विं. प्रति एकड़ की दर से जुताई कर भूमि मे मिलाएं।
2. खेत की तैयारी करते समय कीटनाशी क्लोरोपाइरिफॉस 5 प्रतिशत की दर से जुताई करते समय भूमि मे मिलाएं तत्पश्चात फसल की रोपाई करें।
3. खड़ी फसल मे इस कीट (मैगट) का संक्रमण दिखाई देने पर कीटनाशी क्यूनालफॉस 2 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार मात्रा में घोल तैयार कर शाम के समय 2-3 छिड़काव करें।

कटवा

इस कीट की सूंडियाँ या इल्ली जो कि 30-35 मिली मीटर लंबी एवं राख के रंग की होती है, पौधों की जमीन के अंदर वाले भाग को कुतर कर नुकसान पहुंचाती हैं। इससे पौधे पीले पड़ने लगते हैं एवं आसानी से उखड़ जाते हैं।

रोकथाम:

1. फसल चक्र अपनाना चाहिए।
2. आलू के बाद प्याज की फसल नहीं लगाना चाहिए।
3. रोपाई के पूर्व थीमेट 10 जी 4 कि.ग्रा. एकड़ की दर से खेत में मिलाना चाहिए।

शीर्ष छेदक (हेलिओथिस आर्मिजेरा)

इस कीट का लार्वा पत्तियों को काटकर फसल को हानि पहुँचाता है। यह कीट प्याज की बीज वाली फसल में ज्यादा क्षति पहुँचाता है।

रोकथाम:

इनके नियंत्रण हेतु मिथाइल डेमेटोन या साइपरमेथ्रिन 0.5-1.0 मि.ली. दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। घोल में 0.1 प्रतिषत ट्राइट्रोन या सैन्डोविट नामक चिपचिपा पदार्थ अवश्य मिलायें।

जैविक पशुपालन, स्वास्थ्यवर्धक एवं ज्यादा मुनाफे की तकनीक

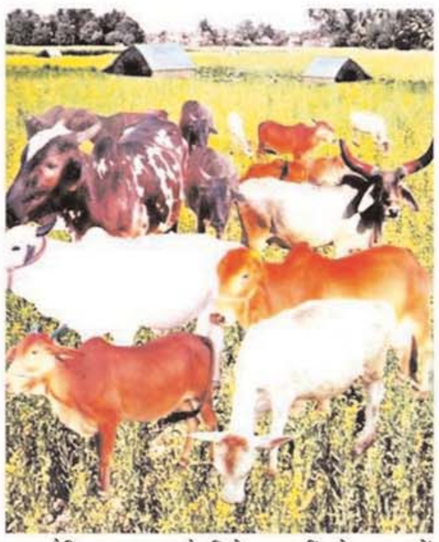

जैविक पशुपालन से तात्पर्य है कि पशुओ को खिलाये जाने वाला चारा व दाना पुर्ण रूप से जैविक हो तथा पशुओ से प्राप्त उत्पाद संश्लेषित रासायनिक पदार्थ व खादों से पूर्णतरू मुक्त होना चाहिए द्य

जैविक पशुपालन के फायदे, मनुष्य व अन्य प्राणियों को जैविक उत्पादों का उपयोग कर घातक बिमारियों से बचाया जा सकता हैद्य स्थायी कृषि व पशुपालन को बढ़ावा मिलता है द्य यह स्वास्थ्यवर्धक है द्य कम लागत से अधिक मात्रा व गुणवता वाले उत्पाद प्राप्त होना द्य मृदा का स्थायी स्वास्थ्यवर्धन करता है द्य जैविक खाद्य पदार्थो का बाजार मूल्यए सामान्य खाद्य पदार्थो से कई गुना अधिक है जिससे पशुपालक को ज्यादा मुनाफा मिलेगा।

जैविक पशुपालन के लिये क्या करे रू. जैविक पशुधन फार्म का प्रमाणीकरण अधिकृत जैविक प्रमाणीकृत एजेंसी से ही करवाए द्य पशुओ को पूर्णतरू जैविक चारा व दाना खिलाये तथा चारा उत्पादन के लिये प्रमाणित जैविक बीजो का उपयोग करे द्य जैविक पशुधन फार्म मेंए अन्य पशुओ को नही आने दे द्य कीटोव पीड्को का नियंत्रण जैविक विधि से करे द्य पशुओ को प्राकृतिक चरागाहो में ही चराये द्य इन पशुओ से प्राप्त उत्पादों को अन्य पशुओ से प्राप्त उत्पादों से अलग रखे तथा इनमे किसी भी प्रकार का रासायनिक संरक्षक व फीड एड़ीटिव नही मिलाये द्यउत्पादों की पैकेजिंग जैविक तरीके से करेए उत्पादों को प्रमाणीकृत एजेंसी से प्रमाणित करवाकर जैविक उत्पाद होने का मार्का लगाकर ही बेचे जिससे ज्यादा लाभ मिल सके द्य बीमार पशुओ के लिये जहा तक संभव हो होम्योपेथिक व आयुर्वेदिक दवाओ का उपयोग करे।

जैविक पशुपालन के लिये क्या नहीं करेरू. मृदा में संश्लेषित रासायनिक पदार्थो जेसे. कीटनाशी व पीडकनाशी आदि तथा रासायनिक खादों का उपयोग नहीं करे द्य पशुओ में जहा तक संभव हो एलोपेथिक दवाओ का उपयोग नही करे द्य जेनेटिकली मॉडिफाइड वैक्सीन व चारा उत्पादन के लिये जेनेटिकली मॉडिफाइड बीजो का उपयोग नही करे।

डॉ.नरेंद्र चौधरी, डॉ. शशि चौधरी
पशु विज्ञान केंद्र राजुवास बीकानेर

मुर्गियों के पेट में पानी भरने की बीमारी का ईलाज

मृत्युदर- 2-25 तेज बढ़ने वाले ब्रायलर नस्ल को अच्छा सन्तुलित आहार चाहिए और आज के परिवेश में सबसे अच्छा सन्तुलित आहार पिलेट फीड है परन्तु जब भी कोई किसान पिलेट फीड पहली बार शुरू करता हैं, तो तेज वजन बढ़ने के साथ-साथ उसे पेट में पानी भरने का भी सामना करना पड़ता है। यहां एक बार और साफ कर दें- लाट में तेज बढ़ने वाले ब्रायलर एसाईटिस से ज्यादा ग्रस्त होते है, विशेष रूप मे नर ब्रायलर, परन्तु जिनकी मृत्यु होती है, वह औरों के मुकाबले छोटे होते हैं। इसका तात्पर्य साफ है, कि यह तेज बढ़ने वाले ही थे, परन्तु पहले किसी समय इनके फेफड़े दिल एवं लीवर पर बुरा प्रभाव पड़ा, जिसके कारण इनके बढ़ने की रफतार धीमी पड़ गई और मरते समय औरों के मुकाबले छोटे रहे।

पेलट मिमक फीड और फीडिंग का मैनेजमेन्ट किस प्रकार करें कि एमाईटिस की समस्या से बचाएं रखा जाए।

लाभ की बात है पिलेट कम समय में अधिक खाया जाता हैं, इसलिए ब्रायलर तेज गति से बढ़कर कम समय में तैयार हो जाता हैं और एफ.सी.आर. भी कम आता है, परन्तु इसके लिए शरीर में मेटाबालिक क्रिया भी तेज हो जाती है। इस क्रिया की गति बनाए रखने के लिए ऑक्सीजन हवा एवं पानी की आवश्यकता भी बढ़ जाती हैं। यदि यह आवश्यकता पूरी न हुई तो मोटाबालिक गति बहुत तेज होने के कारण ब्रायलर कोशिश करता है कि अधिक से अधिक रक्त फेफड़ों के जरियें पम्प किया जाए, जिससे दिल के राईट वैन्ट्रीकल पर बहुत अधिक दबाव पड़ता हैं, जो वास्तव में बहुत छोटा होता हैं, परन्तु दबाव के कारण इसका आकार दोगुना हो जाता हैं और कमजोर होकर उल्टा प्रैशर डालता हैं, जिसके कारण लीवर से प्लाजमा रिसाव लीक कर पेट में एकत्रित होता है, जो सफेद या पीला तरल होता हैं और पेट फूलना शुरू हो जाता हैं, जिसे एसाईटिस या वाटर बेली के नाम से जाना जाता हैं। अब

यहां जो बहुत ही महत्वपूर्ण बाते सामने आई है वह है हवा और पानी।

हवा और पानी की बिल्कुल मुफ्त है, उस पर हम कितना ध्यान देते हैं? बढ़िया वजन कम से कम फीड पर बिना किसी बीमारी के हवा एवं पानी का योगदान किसी भी हालात में बढ़िया से बढ़िया फीड से कम नही। बढ़िया फीड अकेले वह फल नही दे सकती, जिसकी हमें अपेक्षा हैं।

पानी- पिलेट फीड के कारण पानी की आवश्यकता ज्यादा है, अतः पानी हमें हर समय उपलब्ध हो एवं पानी के बर्तन बढ़कर लगायें जायें।

- पानी स्वच्छ फफूंद एवं कीटाणु रहित हो साथ ही पानी में क्लोराईड और सोडियम की मात्रा अधिक न हो-ठण्डा रहे।
- पानी का तापमान जाड़े में कमरे के तापमान से कम न हो और गर्मी में 220 सैंटीग्रेड से अधिक न हो-ठण्डा रहें।

हवा- हवा से ही पक्षी को आक्सीजन प्राप्त होती हैं एवं इसकी कमी आमतौर से पहले दिन से ही शेड में होती है, विशेष रूप से जाड़े में।

- तापमान बनाये रखने के लिए हम शेड को चारों और से पोलिथीन से कवर कर देते हैं। हवा अन्दर जाये तो किधर से जायें। अन्दर बुखारी जलती है, उसे भी जलने के लिए आक्सीजन चाहिए। जो गलती से थोड़ी खींच लेती हैं।

जैविक खेती- एक बेहतर खेती का विकल्प

डॉ. प्रवीण कुमार जागा मृदा वैज्ञानिक/ सहा, प्राध्यापक कृषि महाविद्यालय, गंजबासौदा

किसानों को अपनी खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए जैविक खादों के प्रयोग से अभियान को आगे बढ़ाने की शुरूआत करना चाहिए। इसके लिए हमारे किसानों को सबसे पहले अपने घर, आंगन, गली एवं खेत में उपस्थित कचरे को एक जगह इक्ट्ठा करें। इनमे से कांच, पत्थर और प्लास्टिक को निकालकर अलग कर ले। आमतौर पर गांव के कचरे में सूखे पत्ते डंठल टहनियां मिट्टी आदि शामिल होती हैं। यह कचरा नाडेप कंपोस्ट बनाने की प्राथमिक सामग्री हैं। इसमें अनुपात अनुसार गोबर मिट्टी और पानी डालकर नाडेप कंपोस्ट बना सकते हैं। मात्र एक गाय के वार्षिक गोबर से 80 से 100 टन अर्थात लगभग 150 बैलगाड़ी खाद प्राप्त किया जा सकता हैं। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के कृषक श्री नारायण पांडरी पांडे यानि नाडेप काका ने इस विधि को खोजा था। इसलिए इसे नाडेप कंपोस्ट नाम दिया गया हे। इस विध से तैयार खाद में नत्रजन 0.05 से 1.5 प्रतिशत स्फुर 0.5 से 0.9 प्रतिशत तथा पोटाश 1.2 से 1.4 प्रतिशत पाया जाता हैं। नाडेप की प्राकृतिक पद्धति पूर्णत्या अप्रदूषणकारी एंव जैविक है। इसमें गांव के कूड़े-कचरे का कल्याणकारी उपयोग होगा, साथ ही गांव स्वच्छ हर कर स्वास्थ्यवर्धक होगा तथा पोषक अन्न प्राप्त होगा। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी बढेगी और रासायनिक खाद व कीटनाशक दवाओं पर निर्भरता भी कम होकर उनके दुष्परिणामों से भी बचा जा सकेगा। इस तरह से आप प्राकृतिक खाद का निर्माण कर सकते हैं और अपनी खेती को लाभ का धंधा भी बना सकते हैं।

नाडेप टांका बनाने की विधि- योग्य पाया भरकर जमीन के ऊपर ईंट का एक आयताकार टांका बनाया जाता हैं। जिसकी दीवारे 9 इंच चौड़ी होती हैं। टांके के अन्दर का माप लंबाई 12 फीट, चौड़ाई 5 फीट और ऊंचाई 3 फीट होती हैं। ईंटों की जुड़ाई मिट्टी से की जा सकती हैं। सिर्फ आखिरी रद्दा सीमेंट से जोड़िये ताकि टांका गिरने का डर नही रहेगा। टांके का फर्श ईंट पत्थर के टुकड़े डाल कर सीमेंट से पक्का करे। यह टांका हवादार होना आवश्यक है, क्योंकि खाद सामग्री को पकने के लिए कुछ मात्रा में हवा की आवश्यकता होती हैं। इसके लिए टांका बांधते समय चारों दीवारों में छेद रखें जाते हैं। ईंटों के हर दो रद्दों की जुड़ाई के बाद तीसरे रद्दे की जुड़ाई करे। इस प्रकार चारों दीवारों में छेद बनेगे। छेद इस प्रकार रखिए कि पहली लाईन के दो छेदों के मध्य में तीसरी लाईन के छेद आयें। इस प्रकार से तीसरे छटे एवं नौवें रद्दे में छेद बनेगें। छेदों की संख्या बढ़ाने से खाद जल्दी पक जाती हैं। इस टांके को अंदर बाहर दीवारों और फर्श को गोबर मिट्टी से लीप दें। टांका सूखने के बाद ही प्रयोग करें। बरसात व अत्यधिक गर्मी में नाडेप टांके के ऊपर अस्थाई छाया हैं।

नाडेप बनाने हेतु सामग्री

वानस्पति व्यर्थ पदार्थ- कुछ वनस्पति पदार्थ जैसे सूखे पत्ते छिलके डंठल टहनियां जड़े आदि जिसकी मात्रा 1400 से 1500 कि.ग्रा. या 400 घनफूट होना चाहिए, साथ ही इस बात का ध्यान रखना चाहिए, कि इसमें प्लास्टिक कांच एंव पत्थर नही होना चाहिए।

गोबर- पशुओं को गोबर जो 90 से 100 कि.ग्रा. या 8 से 10 टोकने गोबर का उपयोग करना चाहिए। गोबर को संयत्र से निकली स्लरी भी उपयोग में लाई जा सकती हैं।

सूखी छनी मिट्टी- खेत की या नाले आदि की मिट्टी के पहले उपयोग करना चाहिए। उपयोग के पहले इसमें से प्लास्टिक काचं एवं पत्थर आदि खाद न बनाने वाले पदार्थ निकाल लेना चाहिए। इसकी मात्रा करीब 2750 किलो या 120 टोकने गौमूत्र से सनी मिट्टी बहुत उपयोग होती हैं।

पानी- समयानुसार कम या ज्यादा पानी का उपयोग करना चाहिए, किंतु साधसरणतया सूखे वानस्पतिक पदार्थ के वजन बराबर 25 प्रतिशत वाष्पीकरण के लिए 1500 से 2000 लीटर प्रति कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए। जिसमें गौमूत्र एवं पशुओं का मूत्र भी मिट्टी में मिलाना चाहिए।

टांका भरने की पद्धति- सबसे पहले हमारे किसान उपरोक्त बताए अनुसार सामग्री की व्यवस्था लें। तत्पश्चात निम्नानुसार क्रम से टांका को भरे। जिस तरह अचार एक ही दिन या 24 घंटे में डाला जाता हैं। ठीक उसी तरह टांका एक दिन में भरकर सील कर देना चहिए। अन्यथा खाद बनाने की क्रिया प्रभावित हो सकती हैं। भराई विधि निम्नानुसार क्रम से करें।

प्रथम उपचार- जिसके अंतर्गत प्रथम भराई का काम करने से पहले टांके के अंदर की दीवार को अच्छी तरह से पानी छिड़क कर गीला कर लेना चाहिए। अब बात करते है, दूसरी परत की जिसमें गोबर का घोल पहली परत इस प्रकार छिड़के कि पूरी वनस्पति अच्छी तरह भाग जाये। गर्मी के मौसम में पानी का अंश अधिक रखें। यदि आपने गोबर की स्लरी ली हो तो 2.5 गुना या 10 ली. पानी की मात्रा कम रखें। इसके बाद साफ छनी भीगी मिट्टी वनस्पति पर डाले। जिसकी मात्रा कम से कम 50 से 60 किलो या वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत काली मिट्टी समतल बिछा देना चाहिए और उस पर पानी छिड़क देना चाहिए। अब तीसरी परत के लिए साफ सूखी छनी मिट्टी भीगी हुई वनस्पति परत पर वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत यानि 50 से 60 किलो काली मिट्टी समतल बिछा दें। टांके को इस प्रकार तीन परतों को क्रम से टांके के मुंह के ऊपर 1.5 फीट ऊंचाई का झोपड़िनुमा आकार में भरते जाईए। साधारणत्या 11-12 तहों में टांका भर जायेगा। अब भरे टांका को सील कर दें। भरी सामग्री के ऊपर 3 इंच की मिट्टी की तह जमा दें और उसे गोबर के मिश्रण से व्यवस्थित रूप से लीप दें और यदि इस पर दरारे पड़े तो उन्हें लीप दें।

द्वितीय उपचार- इसे फिर से वनस्पति कचरे की उपरोक्त विधि से 6-6 इंच की परत से टांके से दो से ढाई फीट ऊपर तक भर दें और टांके गोबर से लीपकर सील कर दें। सामग्री नम बनी रहे उसे सूखने न दे जरूरत के अनुसार इन्ही छेदों में पानी छीटते रहे। 70 से 90 दिन बाद, जब खाद पक गई हो और तापमान सामान्य हो जावे तब टांके में सब्बल से जगह-जगह 15 से 20 छेद करें। अब एक-एक किलो राईजोबियम एजेटोबेक्टर जीवाणु और पी.एस.एम. एक-एक बाल्टी पानी में अलग-अलग घोलकर अलग- अलग छेदों को फिर से बंद कर दें। उचित यह होगा कि जिस फसल में उत्पादित खाद का उपयोग किया जाना है, उसी फसल से संबंधित राईजोबियम कल्चर का उपयोग करें। खाद की गुणवत्ता बढेगी। नत्रजन स्फुर व पोटाश की मात्रा अधिक होगी और अधिक संख्या में जीवाणु भी होगें। 110-120 दिन बाद टांके से निकाले। खाद के ढेर को छांव में रखकर पत्ते से ढेक दें। इस पर पानी का हल्का छिड़काव करें। ऊपरी अधपका 10-15 प्रतिशत कचरा अलग कर उसे नया टांका भरते समय काम में लावे। एक टांके भरते समय काम में लावे। एक टांके से 2.5 से 2.7 टन खाद निकलती है, जो एक हैक्टेयर क्षेत्र के लिए पर्याप्त होगी।

दक्षता- नाडेप परिपक्व होने के लिए प्रथम भराई की तारीख से 90 से 120 दिन लगते है। इस पूरे समय में खाद में सार्द्रता बनी रहने के लिए और दरारे बंद करने के लिए गोबर पानी का छिड़काव करते रहना चाहिए। आवश्यक लगे तो छेदों में भी पानी छिड़क कर इस पर दरारे न पड़ने दे। घास उगे तो उसे निकाल दें। नमी कायम रखे यदि कड़ी धूप हो तो उस पर घास फूस की चटाई से छायां कर दें या अस्थाई छप्पर बना दें, जिससे धूप एवं वर्षा से सरंक्षण मिल सके।

खाद की परिपक्वता- तीन चार महीने में खाद गहरे भूरे रंग की बन जाती हैं और सब दुर्गन्ध समाप्त होकर एक अच्छी खुशबु आती हैं। खाद सूखना नही चाहिए। इसमें 15 से 20 प्रतिशत नमी रहना ही चाहिए। इस खाद को एक फीट से 35 तार वाली छलनी से आड़ी रखकर छान लेना चाहिए। छना हुआ नाडेप कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए और छलनी के ऊपर का अर्द्धपक्व कच्चा माल फिर से खाद बनाते समय वनस्पति पदार्थ के साथ उपयोग में लाना चाहिए। छना खाद प्रति एकड़ 20 से 25 घन फीट बोकर दिया जा सकता हैं।

खाद के उपयोग की पद्धति- यदि आपके पास प्रति एकड़ वर्ष 3 से 5 टन खाद बोनी के 15 दिवस पूर्व खेत में फैला कर बखर चला देना चाहिए। यदि पहले ही वर्ष रासायनिक खाद नही देना हो तो नाडेप कंपोस्ट की मात्रा की तीन गुनी यानी कम से कम 10 से 15 टन नत्रजन 50 से 70 टन स्फुर और 130 किलो पोटाश और 9700 किलो सूक्ष्म अन्नद्रयुक्त पोषण मिल सकता है, क्योंकि कोई खाद पहले वर्ष में 33 प्रतिशत दूसरे वर्ष में 45 प्रतिशत और शेष 22 प्रतिशत तीसरे, चौथे वर्ष में पूरा उपलब्ध नही हो सकता हैं।

अमृत पानी- देशी गाय के 10 किलो ग्राम ताजे गोबर की देशी गाय के दूध से बना नोनीया घी 250 ग्राम अच्छी तरह फेटे, इसके बाद इसमें 500 ग्राम शहद मिलाकर फेटे। इस मिश्रण में से करीब आधा किलो मिश्रण लेकर बड़ के पेड़ के नीचे की आधा कि.ग्रा. मिट्टी अच्छी तरह मिला दें। अब इसकी एक कि.ग्रा मिश्रण को पतला कर बोनी करे। बोवनी के बाद अमृत पानी का छिड़काव करें।

विधि- अमृत पानी को या तो बोवनी के पूर्व की सिंचाई के साथ या बोवनी के बाद की प्रथम सिंचाई के साथ करें।

अमृत संजीवनी- मोबिल आईल की खाली 200 लीटर वाली ढक्कन कोठी लेवे। जिसमें दो रिंग से तीन समान भाग होते हैं। इस ड्रम में देशी गाय बैल बछियां का ताजा 60 किलो गोबर डाले। जिसमें दो रिंग तक अर्थात 2/3 भाग पर जावेगा। इस गोबर पर तीन कि.ग्रा यूरिया, तीन कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट तथा एक किलो ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश कुल 7 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक तथा दो किलो मूंगफली की खली डाले। अब इस टंकी में पानी भर दें। मात्र ऊपर के किनारे से तीन इंच खाली रखें। संपूर्ण मिश्रण को लकड़ी से अच्छी तरह चला दें और ढक्कन बंद करके 48 घंटे यानि दो दिन रखे। तत्पश्चात फसल में दें।

उपयोग विधि- प्रति कतार एक लीटर अमृत संजीवनी का मिश्रण देना चाहिए। मिश्रण को हाथ से मिलाकर महीन कर लेना चाहिए। पहले छिड़काव के 7 दिन बाद बदलाव दिखने लगेगा।

मटका खाद- 15 कि.ग्रा. ताजा गोबर, देशी गाय का 15 लीटर ताजा गोमूत्र तथा 15 लीटर पानी मिट्टी के घड़े में घोल लेवे। इसमें 250 ग्राम गुड़ भी मिला देवे। इस घोल को मिट्टी के बर्तन में ऊपर से कपड़ा या टाट मिट्टी से पैक कर देवें। 4-5 दिन बाद इस घोल में 200 लीटर पानी मिलाकर एक एकड़ खेत में समान रूप से छिड़क देवें। यह छिड़काव बोनी के 15 दिन बाद करें। पुन: सात दिन बाद दोहरावें। सामान्यतया फसल में 3-4 बार और लंबी अवधि की फसल जैसे गन्ना, केला, हल्दी में 8 बार छिड़के।

बायों गैस स्लरी- बायो गैस संयत्र में गोबर की पाचन क्रिया के बाद 25 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपान्तर गैस के रूप में होता हैं और 75 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपांतर खाद के रूप में होता है। 2 घन मीटर के गैस सयंत्र में जिसमें करीब 50 कि.ग्रा. गोबर राज या 18.25 टन गोबर एक वर्ष में डाला जाता हैं। उस गोबर से 80 प्रतिशत नमी युक्त करीब 10 टन बायों गैस स्लरी का खाद प्राप्त होता हैं। यह खेती के लिए अति उत्तम खाद है। इसमें 1.5-2.0 प्रतिशत नत्रजन स्फुर 1.0 प्रतिशत तक होता हैं। इसके अलावा सूक्ष्म पोषक तत्व एवं ह्यूमस भी पाया जाता हैं।

उपयोग विधि- यह खाद असिंचित खेती में करीब 5 टन व सिंचित खेती हेतु 10 टन प्रति हैक्टेयर के मान में डाला जाता हैं।

जीवाणु खाद- रासायनिक खेती के दीर्घकालीन परिणामों को देखते हुए कृषकों को वापिस जैविक खेती की ओर लौटना होगा। अगर देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाना है तो जैविक खेती में यू तो कई घटक है, लेकिन केंचुआ और उसके उत्पादों को प्रथम श्रेणी में रखा गया हैं। इसलिए टिकाऊ खेती के लिए खेती में केंचुओं की संख्या बढ़ाने के प्रयास करने की आवश्यकता हैं। केंचुआ न केवल खाद, मल आदि देता है, बल्कि यह आय का अच्छा स्त्रोत बन सकता हैं।

निर्माण एंव उपयोग विधि- केंचुआ खाद के उत्पादन की विधि एवं सरंचना पर वर्मी कंपोस्ट बनाने के लिए छायादार स्थान और मुख्य सामग्री के रूप में घास पत्तियां गोबर सब्जियों के छिलके आदि अपघटनशील पदार्थो का चुनाव करते है। फिर भी केंचुओं के अधिक एवं अच्छे उत्पादन के लिए कई विधियां अपनाई जाती हैं। पहली विधि है- टांका विधि

टांका विधि- जिसके अंतर्गत जमीन के ऊपर इंटों को टांका बनाया जाता हैं। टांके के तल में 1 इंच मोटी तब बिछाकर नम कर लें एवं कार्बनिक पदार्थ की 3 से 4 इंच की तह बिछाकर 2 से 3 इंच पकी गोबर की खाद डाले। तत्पश्चात 2000 केंचुए या 100 से 150 केंचुए/ वर्ग फुट के हिसाब से फैला दें एवं घास फूस से ढक दें तथा प्रतिदिन के हिसाब से पानी देते रहे। जबकि दूसरी विधि है-गड्ढा विधि।

गड्ढा विधि- इस विधि के अंतर्गत जमीन पर गड्ढा खोदकर इसके तल को पक्का करके पहली विधि के अनुसार ही मिट्टी, सामग्री तथा केंचुए डालकर टाट से ढक दें और पानी देते रहें।

छत्तीसगढ़ में गैर संचारी रोग के ईलाज में आभा आईडी है मददगार

इस डिजिटल तकनीक से इलाज की गुणवत्ता में हो रहा सुधार

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ राज्य में अब गैर संचारी रोग (नॉन-कम्युनिकेबल डिज़ीज़-एनसीडी) जैसे हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज़ , कैंसर के स्क्रीनिंग, इलाज और मॉनिटिरिंग में डिजिटल तकनीक का उपयोग बड़े स्तर पर किया जा रहा है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत शुरू की गई आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) आईडी इस दिशा में गेमचेंजर साबित हो रही है। आभा आईडी के माध्यम से मरीज अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल रूप में सुरक्षित रख सकते हैं और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर या स्वास्थ्यकर्मी से आसानी से साझा कर सकते हैं। इस आईडी की मदद से अस्पतालों, क्लीनिकों और लेबोटरी के बीच जानकारी साझा करना भी आसान हो गया है, जिससे इलाज की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। छत्तीसगढ़ में आभा आईडी को राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल से जोड़ा गया है। इससे मरीजों की स्क्रीनिंग, डायग्नोसिस, इलाज और मॉनिटरिंग की प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित हो गई है। एएनएम और कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर के लिए मोबाइल और टैबलेट आधारित ऐप्स तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए वेब पोर्टल उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे काम करना आसान हो गया है। संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला का कहना है कि आभा आईडी बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इससे एनसीडी जैसी बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन में मदद मिलेगी। दुर्ग जिले में इस पहल का सकारात्मक असर देखने को मिल रहा है। जनवरी 2024 से फरवरी 2025 के बीच, 12,627 आभा आईडी को एनसीडी मरीजों के रिकॉर्ड से जोड़ा गया। इसके परिणामस्वरूप, आभा से जुड़े मरीजों में फॉलोअप रेट 68 प्रतिशत तक पहुंच गया, जबकि बिना आभा आईडी वाले मरीजों में यह केवल 37 प्रतिशत रहा। इसी तरह, ब्लड प्रेशर और डायबिटीज़ नियंत्रण में भी आभा से जुड़े मरीजों में सुधार देखा गया। 49 प्रतिशत मरीज नियंत्रण में रहे, जबकि गैर-जुड़े मरीजों में यह आंकड़ा 29 प्रतिशत रहा। डब्ल्यूएचओ की मदद से स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया है। राज्य सरकार और विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम इस पूरी प्रक्रिया पर सतत निगरानी रख रही है। आभा आईडी को आधार की डेमोग्राफिक जानकारी से जोड़ने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए डब्ल्यूएचओ ने हिंदी में प्रशिक्षण वीडियो भी बनाया है। छत्तीसगढ़ में यह डिजिटल पहल ना सिर्फ बीमारियों के रोकथाम में मददगार साबित हो रही है, बल्कि इससे स्वास्थ्य विभाग की सेवाओं के प्रति विश्वास बढ़ा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया सुरेश सचदेव और काजल सचदेव को सिंधु रत्न से समानित किया

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

सिंधी रॉयल क्लब एवं सिंधी जागृति सभा दिल्ली में सिंधी चेत्रीचंद जो मिलो रखा गया, जिसमे जगदीश चंदवानी महेश कृपलानी सुनील नेनवानी एवं विनोद नेनवानी के द्वारा पंजाबी बाग पार्क में सिंधी कार्यक्रम आयोजित किया गया 25 साल से यह कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया जाता है। इसमें रायपुर से आए काजल सचदेव और सुरेश सचदेव सिकल सेल एवं थेलसिमिया पीड़ित बच्चो के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्य जिसमे बोर्न मैरो ट्रांसप्लांट करके बच्चो को स्वस्थ करके सिंधी समाज के लिए गौरव एवं शोभनीय कार्य है, जिसमे सिंधी रॉयल क्लब एवं सिंधी जागृति सभा कोई अपना सा हो के मेंबर सुरेश सचदेव एवं काजल सचदेव दिल्ली के मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा सिंधु रत्न से सुरेश सचदेव और काजल सचदेव को समानित किया गया।

शहीद अरुण केशव सप्रे की जयन्ती पर तैल चित्र के समक्ष पुष्पांजलि कार्यक्रम

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में रायपुर निवासी भारतीय वायुसेना के टेस्टिंग पायलट स्क्वाड्रन लीडर रायपुर निवासी शहीद राजीव पाण्डेय की 90वीं जयन्ती 23 अप्रेल को प्रातः 10 बजे राजधानी शहर में रायपुर नगर पालिक निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के चतुर्थ तल पर स्थित सामान्य सभा सभागार में शहीद के तैल चित्र के समक्ष उनका सादर नमन करने नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 4 के सहयोग से पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटो बुक 60 लैपटॉप/पीसी कैटेगरी में एंट्री के साथ अपने इकोसिस्टम को और मजबूत

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

मोबाइल तकनीकी और नवाचार में वैश्विक लीडर और भारत के प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला, ने भारतीय बाजार में अपने पहले लैपटॉप, मोटो बुक 60 को वैश्विक स्तर पर लॉन्च कर अपनी इकोसिस्टम पेशकश को और मजबूत किया है। यह लॉन्च ब्रांड की इस दृष्टिकोण के अनुरूप है कि उपयोगकर्ताओं को डिवाइसों के बीच सहज कनेक्टिविटी और एक सहज इकोसिस्टम अनुभव प्रदान किया जाए। डिज़ाइन और नवाचार में नेतृत्व की विरासत को आगे बढ़ाते हुए, मोटो बुक 60 दो शानदार पैंटोन क्यूरेटेड रंगों - ब्रॉन्ज ग्रीन और वेजवुड में उपलब्ध है। केवल 1.39 किलोग्राम वज़न में, मोटो बुक 60 एक बेहद हल्का और पतला लैपटॉप है, जिसमें अंदर जबरदस्त पावर है। इसकी आकर्षक लुक्स इसके ऑल-मेटल बॉडी, वाइब्रेंट कलर्स और मिलिट्री-ग्रेड ड्यूरबिलिटी के कारण इसे और भी खास बनती है। स्मार्ट कनेक्ट के साथ, मोटो बुक 60 एक सहज और एकीकृत डिजिटल अनुभव का सेंट्रल हब बन जाता है। इसे प्रोडक्टिविटी और क्रिएटिविटी बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, और स्मार्ट कनेक्ट यूज़र्स को उनके मोटो बुक 60 को स्मार्टफोन, टैबलेट और अन्य डिवाइसेज़ से कनेक्ट करने की सुविधा देता है, जिससे यह एक फ्लूइड और कनेक्टेड इकोसिस्टम बनाता है। स्मार्ट क्लिपबोर्ड की सुविधा से यूज़र्स बिना किसी कठिनाई के डिवाइसेज़ के बीच कंटेंट को कॉपी और पेस्ट कर सकते हैं, जबकि स्वीव टू शेयर एक आसान इशारे से कंटेंट को जल्दी और सहजता से शेयर करने की सुविधा देता है।

भारतीय गेहूं उद्योग को वैश्विक पहचान देने के लिए इंदौर में दो दिवसीय कॉन्क्लेव का आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

गेहूं और गेहूं उत्पादों के क्षेत्र में नवाचार, स्थिरता और मूल्य वर्धन को बढ़ावा देने के लिए कार्य करने वाले अग्रणी उद्योग संघ व्हीट प्रोडक्ट्स प्रमोशन सोसाइटी (डब्ल्यूपीपीएस) द्वारा आयोजित डब्ल्यूपीपीएस सीईओ कॉन्क्लेव 2025 आगामी 24-25 अप्रैल को इंदौर के मैरियट होटल में आयोजित किया जाएगा। यह दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय स्तर का कॉन्क्लेव भारत के गेहूं उद्योग को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। गेहूं और गेहूं आधारित उत्पादः सतत विकास और बाज़ार नेतृत्व के लिए सहयोग विषय पर केंद्रित यह आयोजन, 400 से अधिक उद्योग प्रमुखों, अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों, नीति निर्माताओं, तकनीकी विशेषज्ञों और खाद्य नवाचार में कार्यरत प्रोफेशनल्स को एक साझा मंच प्रदान करेगा। यह मंच प्रोडक्शन से लेकर एक्सपोर्ट तक, पूरी सप्लाई चेन को सशक्त करने, उद्योग-नीति समन्वय को बढ़ावा देने और वैश्विक व्यापार के नए अवसरों पर विचार-विमर्श के लिए एक परफेक्ट मंच है। इस अवसर पर डब्ल्यूपीपीएस के चेयरमैन अजय गोयल ने कहा, डब्ल्यूपीपीएस सीईओ कॉन्क्लेव 2025 न केवल भारत के गेहूं उद्योग के हितधारकों के लिए एक संवाद मंच है, बल्कि यह इस क्षेत्र को वैश्विक मानकों पर प्रतिस्पर्धी और सतत रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक प्रयास भी है। हमारा उद्देश्य

WPPS
Wheat Products Promotion Society

केवल व्यापारिक विस्तार नहीं बल्कि न्यूट्रिशन, टिकाऊ प्रोडक्शन और टेक्नोलॉजी इंटेग्रेशन जैसे विषयों पर गंभीर विमर्श को बढ़ावा देना है। हमें विश्वास है कि यह कॉन्क्लेव किसानों, उद्यमियों और नीति निर्माताओं के बीच नई संभावनाओं को जन्म देगा। कॉन्क्लेव की जानकारी देते हुए डब्ल्यूपीपीएस के ट्रेज़रर आदि नारायण गुप्ता ने बताया कि, कॉन्क्लेव के दो दिनों में नौ थीम आधारित सत्र आयोजित किए जाएंगे जो सतत सप्लाई चेन, स्मार्ट मिलिंग, फूड इनोवेशन, फोर्टिफिकेशन, गेहूं आधारित बेकिंग तकनीक में एआई और आईओटी का उपयोग, एक्सपोर्ट एवं ग्लोबल मार्केट संभावनाएँ, विमेन आंत्रप्रेन्योरशिप, डिजिटल फाइनेंसिंग और क्लाइमेट रेज़िलिएंट वैरायटीज़ जैसे विषयों को समर्पित होंगे। प्रमुख वैश्विक संस्थानों जैसे नेस्ले, बिम्बो बेकरीज़, ओलम एग्री, लुई ड्रेफस कंपनी, सीएसआईआर-सीएफटीआरआई, और आईआईएम कोलकाता के एक्सपर्ट्स भी अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। 24 अप्रैल की शाम को डब्ल्यूपीपीएस अवॉर्ड सेरेमनी और नेटवर्किंग डिनर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। यह सत्र केवल सम्मान का अवसर नहीं होगा, बल्कि उद्योग के विविध भागीदारों के बीच आपसी सहयोग और साझेदारी की संभावनाओं को भी सुदृढ़ करेगा। मध्य प्रदेश, जो इस आयोजन की मेज़बान राज्य है, भारत के गेहूं उत्पादन में अग्रणी है और 'शरबती', 'मालवा राज', 'पोषण', 'लोक-1' जैसी उच्च गुणवत्ता की गेहूं किस्मों के लिए वैश्विक पहचान रखता है। इस आयोजन के माध्यम से राज्य की प्रोसेसिंग कैपेसिटी, एक्सपोर्ट पोटेंशियल और एग्री-बेस्ड स्टार्टअप्स को वैश्विक प्लेटफॉर्म मिलेगा। डब्ल्यूपीपीएस सीईओ कॉन्क्लेव 2025, भारत को ग्लोबल फूड सिस्टम में एक निर्णायक भूमिका देने की दिशा में एक सशक्त पहल है।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल का आठवां स्थापना दिवस हर्षोल्लास और सांस्कृतिक रंगों के साथ संपन्न

पायनियर संवाददाता ➤ भाटापारा
www.dailypioneer.com

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विद्यालय का आठवाँ स्थापना दिवस बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया था। पूरा वातावरण उल्लासपूर्ण और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर नज़र आ रहा था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक अश्विनी शर्मा, संदीप गोयल एवं प्रधानाचार्य योगेश पोपट के कर-कमलों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा केक काटकर किया गया। इसके उपरांत विद्यालय गीत का सुमधुर सामूहिक गायन किया गया, जिसने वातावरण को भक्तिमय और भावनापूर्ण बना दिया। प्रधानाचार्य योगेश पोपट ने इस अवसर पर विद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक की विकास यात्रा, उपलब्धियों एवं शिक्षा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। विद्यालय के प्रबंधक अश्विनी शर्मा ने शिक्षा एवं संस्कारों को जीवन की सबसे बड़ी पूँजी बताते हुए विद्यार्थियों को उत्कृष्ट और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था देने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। छोटे-छोटे बच्चों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन जीत लिया। कक्षा 11वीं की छात्रा इशिता मिश्रा ने हिंदी में प्रभावशाली भाषण देकर सभी को प्रेरित किया। वहीं गौरी चाँदवानी ने मंच से अंग्रेज़ी में अपने विचार प्रस्तुत करते हुए शिक्षा की आवश्यकता और आज के युवाओं की भूमिका पर सुंदर प्रकाश डाला। मंच का संचालन कक्षा ग्यारहवीं से मन्नत मंधान एवं अनीश ठाकुर द्वारा किया गया।

गाय की विलुप्तता मानव समाज को निगल जाएगी : आचार्य शास्त्री

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

गौ-माता का संरक्षण निहायत ही जरूरी हो गया है। गाय की विलुप्तता मानव समाज को निगल जाएगी। भक्ति मार्ग व गौ माता के संबंधों को उल्लेखित करते हुए बताया गया है कि गौ माता की सेवा करने वाले नंद बाबा के घर भगवान स्वंय अवतरित हो सकते हैं तो हमारे आपके के जीवन में सुख शांति व समृद्धि के लिए गौ-माता की सेवा जरूरी है। हमें प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ भी करना चाहिए। अग्रोहा कालोनी विष्णुभवन में चल रही श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के अंतर्गत आचार्य पंडित झम्मन शास्त्री ने अपने मुखारविंद से भक्ति मार्ग और गौ-माता की सेवा के संबंध में लोगों को कथा सुनाते हुए महत्व बताया। वृंदावन धाम में नंद उत्सव भी धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर बच्चों ने दही, मक्खन लूट महिला और पुरुषों ने प्रभु के जन्म अवसर पर नाच कर भक्ति रस पाने का प्रयास किया। शास्त्री ने कहा कि राजा ऐसा होना चाहिए। जिससे राज्य सुख शांति और भय मुक्त जीवन व्यतीत करें। ऐसे राजाओं को स्वर्ग में जगह मिलता है। इंद्रदेव को भी अपनी गद्दी समय-समय पर त्यागनी पड़ी। लेकिन राजा सत्तासीन लोग अपनी गददी बचाने तरह-तरह के कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि लोग गौ-माता का संरक्षण नहीं करेंगे। मान कर चलिए गाय की विलुप्तता मानव समाज को निगल जाएगी। जो लोग गौ माता का आदर करते हैं और उनकी सेवा करते हैं। उनके घर भगवान स्वयं पुत्र बनकर अवतरित होते हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण नंद बाबा है। राज धर्म के बारे में बताते हुए महाराज ने कहा कि भक्ति मार्ग और गौ माता की सेवा के संबंध में महत्व बहुत है। कुछ लोग व्यास पीठ के महत्व नहीं समझ पा रहे है। भागवत श्रद्धा का विषय है। इसे शुद्ध हृदय से सांसारिक बंधनों को छोड़कर सुनना चाहिए उन्होंने आगे कहा कि श्रीमद् भागवत कथा को सुनने और सुनाने वाले दोनों को इसके प्रति अटूट आस्था और प्रेम होना चाहिए। तभी आयोजन की सार्थकता है। व्यास कथा वाचक ने कहा कि हमें प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करने की आवश्यकता है एवं सप्ताह में एक दिन सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ हो कथा के बीच मे वृंदावन धाम में नन्द उत्सव भी धूमधाम से मनायागया इस मौके पर बच्चो ने दही मक्खन लूटकर भगवान श्रीकृष्ण का जन्म उत्सव मनाया पंजीरी, पंचामृत ,माखन मिश्री का प्रसाद बांटी गई।

अदाणी फाउंडेशन की पहल से 59 महिलाएं 8.5 एकड़ में कर रही आधुनिक तकनीक से सब्जी उत्पादन

अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से सामूहिक खेती से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ीं रायगढ़ जिले की ग्रामीण महिलाएं

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखंड की ग्रामीण महिलाएं अब सामूहिक खेती के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर मजबूत कदम बढ़ा रही हैं। अदाणी पावर लिमिटेड, रायगढ़ के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के अंतर्गत अदाणी फाउंडेशन द्वारा संचालित आजीविका संवर्धन की पहल ने इन महिलाओं को आधुनिक कृषि तकनीकों से सशक्त बनाया है। महिलाओं ने अक्टूबर 2024 से साहो किस्म के टमाटर की खेती शुरू की। अदाणी फाउंडेशन द्वारा मल्चिंग, खाद, उर्वरक, कीटनाशक और उन्नत बीज जैसी आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई। इसके परिणामस्वरूप, दिसंबर 2024 से मार्च 2025 के बीच 74,376 किलोग्राम टमाटर का उत्पादन हुआ, जिससे 3.48 लाख की आय अर्जित की गई। सुपा गांव में पहली फसल चक्र में 2,500 किलोग्राम करेला भी उत्पादित हुआ, जिसकी बिक्री 55,155 रही। कुल मिलाकर इन महिलाओं ने 4.03 लाख की सब्जियों की बिक्री की।

इस योजना के अंतर्गत ग्राम सुपा, बरपाली, जेवरीडीह, टपरदा और ठेंगागुढ़ी गांवों की 23 स्वयं सहायता समूहों की कुल 59 महिला सदस्यों ने ड्रिप सिंचाई पद्धति से टमाटर, खीरे और करेले की खेती शुरू की है। एसबीआई-आरएसईटीआई रायगढ़ के सहयोग से इन महिलाओं को सब्जी उत्पादन पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण भी निःशुल्क दिया गया।

प्रशिक्षण पश्चात सुपा गांव में करेले की खेती करने वाले चंद्रहासिनी स्व सहायता समूह की सीता बाई यादव ने कहा कि, अदाणी फाउंडेशन के द्वारा उपलब्ध कराये गए इस प्रशिक्षण से हमें खेती करने की आधुनिक विधि की जानकारी प्राप्त हुई है। जिसे हम सभी महिलाएं सामूहिक खेती करके कम समय में ही ज्यादा उत्पादन पाने की तकनीक उपयोग में लाये हैं। और आज हमें इससे ज्यादा और अच्छी फसल प्राप्त हुई है। हम सभी इस सफलता से बहुत ही उत्साहित हैं। अदाणी फाउंडेशन की इस पहल से हम सभी लोग आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर हैं।

सामूहिक खेती की इस सफलता पर बरपाली गांव के गंगा स्व सहायता समूह जो टमाटर की खेती करते हैं की सदस्य शांति भारती ने कहा कि, हमें अदाणी फाउंडेशन द्वारा तीन महीने पहले आधुनिक विधि से खेती करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया था। जिसके पश्चात हमने सामूहिक खेती में उन सभी तकनीकों को अपनाया है। हमारी मेहनत रंग लायी है। हमें उम्मीद से ज्यादा सफलता मिल रही है इससे हमारी आय भी बढ़ी है। हम सभी समूह की महिलाएं बहुत खुश हैं। इसके लिए हम अदाणी फाउंडेशन को धन्यवाद देते हैं।

अदाणी फाउंडेशन के कार्यक्रम प्रबंधक ने बताया कि अब तक कुल 28 समूहों को आधुनिक कृषि के लिए प्रशिक्षित किया गया है, जिसमें से 23 समूह विगत दो वर्षो से सब्जी उत्पादन कर रहे हैं। इनकी उपज को रायगढ़ की पटेलपाली मंडी और चंद्रपुर जैसे स्थानों पर बेचा जा रहा है। उन्होंने कहा, यह पहल केवल आजीविका नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक बदलाव की कहानी है। अदाणी फाउंडेशन भविष्य में भी महिला सशक्तिकरण और क्षेत्रीय विकास के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

आर्किटेक्चर बदलाव प्रदेश की शहरी एवं सांस्कृतिक पहचान को दे रहा नया आयाम

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

मध्य प्रदेश आर्किटेक्चर की दृष्टि से बड़े बदलावों से होकर गुज़र रहा है, ये बदलाव प्रदेश की शहरी एवं सांस्कृतिक पहचान को नया आयाम दे रहे हैं। हेरिटेज एवं आधुनिक डिज़ाइन के संयोजन के साथ प्रदेश ने अपनी बुनियादी सुविधाओं और पर्यटन क्षमता को बेहतर बनाया है तथा सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक अन्वेषण के मुख्य गंतव्य के रूप में अपने आप को स्थापित कर लिया है। क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं पर्यावरण संदर्भ की गहन समझ के साथ सीपी कुकरेजा आर्किटेक्ट्स ने इनमें से कुछ ऐतिहासिक विकास कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ओमकारेश्वर में स्टैच्यू ऑफ वननैस (एकजुटता की प्रतिमा) आचार्य शंकर के प्रति श्रद्धांजली है जो भारत की गहन आध्यात्मिक परम्पराओं का प्रतीक है। सीपी कुकरेजा आर्किटेक्ट्स द्वारा बनाई गई 108 फुट उंची यह प्रतिमा मंधाता पर्वत पर स्थित है और इसे कांस्य सहित मिश्रित धातुओं से तैयार किया गया है। यह कमल की पंखुड़ियों के आधार और 54 फुट उंचे आसन पर टिकी है, जिसमें एक मनन कक्ष शंकर निधी ध्यान केन्द्र है। मध्य प्रदेश का समावेशी विकास सुनिश्चित करता है कि आर्कीटेक्चर में किए जाने वाले मुख्य हस्तक्षेप बड़े पैमाने पर शहरी दृष्टिकोण में योगदान दें। ओमकारेश्वर और भोपाल जैसी परियोजनाएं, स्थायित्व, प्रभावी सार्वजनिक संरचना और पैदल चलने के लिए उचित स्थान पर ज़ोर देती हैं। इनमें हरित क्षेत्र, पैदल चलने के लिए नेटवर्क बनाया गया है। ऐसे में ये परियोजनाएं ज़िम्मेदाराना शहरी नियोजन के साथ समग्र विकास के लिए नए बेंचमार्क स्थापित करती हैं। एक अनुमान के अनुसार पर्यटन अर्थव्यवस्था 2028 तक 35000 करोड़ के आंकड़े तक पहुंच सकती है, इस बीच मध्य प्रदेश आर्कीटेक्चरल पर्यटन के मुख्य गंतव्य के रूप में उभर रहा है। सांस्कृतिक संरक्षण एवं आधुनिक शहरी समाधानों के साथ राज्य ऐसे भविष्य की ओर अग्रसर है जहां परम्परा और आधुनिकता का संतुलन स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। इसके अलावा पारिस्थितिकी संतुलन को बनाए रखते हुए मध्य प्रदेश अन्य क्षेत्रों के लिए भी अनुकरणीय मॉडल का निर्माण कर रहा है जो अपने आप को पर्यटन के विश्वस्तरीय मानचित्र पर स्थापित करना चाहते हैं।

आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण कार्यक्रम मोर दुआर - साय सरकार का शुभारंभ

आवास प्लस 2.0 ऐप से होगा सर्वे, हितग्राही स्वयं भी कर सकते हैं आवेदन

पायनियर संवाददाता ◄ उतई
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण के तहत सर्वेक्षण पखवाड़ा ग्राम पंचायत कातरो (उतई) जनपद पंचायत दुर्ग में आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल, विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चंद्राकर, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे ने मोर दुआर-साय सरकार आवास प्लस 2.0 ऐप से सर्वे में सांकेतिक रूप से परिवारों का सर्वेक्षण कर ऐप के माध्यम से नाम जोड़ा गया। सांसद विजय बघेल ने बताया कि जिले में मोर दुआर-साय सरकार के अंतर्गत आवास प्लस सर्वेक्षण 2.0 का पखवाड़ा मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में मोर आवास मोर अधिकार के संकल्प को साकार करने हेतु यह सर्वे अभियान तीन चरणों में संचालित किया जा रहा है, जिसकी अंतिम तिथि 30 अप्रैल तक निर्धारित की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के दूसरे चरण का सर्वे, पात्र परिवारों 30 अप्रैल तक जुड़वा सकते हैं नाम आवास प्लस 2.0 ऐप से होगा सर्वे, हितग्राही स्वयं भी कर सकते हैं आवेदन कर सकते है। वही ग्राम पंचायत कातरों जनपद पंचायत दुर्ग में आवास सर्वे पखवाडा का शुभारंभ किया गया हितग्राही अमरिका, रभा साहू, निर्मला, कुर्ती साहू, कुलन्द्री, खिलेश्वरी देवांगन प्रेमलाल का माथे में तिलक व मिठाई खिलाकर एप्प के माध्यम से आवास सर्वे में जोड़ा गया एवं सांकेतिक रूप से परिवार का सर्वेक्षण किया गया। विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चंद्राकर द्वारा सभी पात्र परिवार का नाम जोड़ा जाए तथा हितग्राहियों से आवास समय सीमा में पूर्ण करने बाते कहीं। भारत सरकार और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप राज्य में ऐसे ग्रामीण परिवारों की पहचान की जा रही है, जो पूर्व की स्थायी प्रतीक्षा सूची या आवास प्लस सूची में किसी कारणवश छूट गए थे। इन छूटे हुए पात्र परिवारों को योजनांतर्गत लाभ देने हेतु व्यापक सर्वेक्षण कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में 'मोर दुआर साय सरकार महाभियान' के अंतर्गत विशेष सर्वेक्षण पखवाड़ा आयोजित किया गया है, जिसका प्रमुख उददेश्य हर पात्र ग्रामीण को चिन्हित कर उसे आवास योजना से जोड़ना और उन्हें गरिमापूर्ण जीवन के लिए एक स्थायी निवास उपलब्ध कराना है। इस संबंध में ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार ने आवास प्लस 2.0 की सूची को अद्यतन करने के लिए आवास प्लस सर्वे 2024 प्रारंभ किया है। जिला पंचायत बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का सर्वे जिले में ग्राम पंचायत में नियुक्त किये गये सर्वे सचिव/ रोजगार सहायक द्वारा किया जायेगा। सर्वे कार्य आवास प्लस 2.0 एप-2024 से किया जाएगा। इसमें हितग्राही स्वयं के मोबाईल से भी आवेदन कर सकेंगे। इसके लिए मोबाइल एप्लीकेशन आवास प्लस 2.0 ऐप की लिंक आवास सॉफ्ट पोर्टल माध्यम से किया गया वही ग्राम पंचायत कातरों जनपद पंचायत दुर्ग में आवास सर्वे पखवाडा में सांसद विजय बघेल, विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चंद्राकर ने 10 हितग्राहियों को आवास ऐप के माध्यम से सर्वे के कार्य हेतु प्रेरित किया। सर्वे कार्यक्रम में जनपद सीईओ रूपेश पांडेय, जिला पंचायत सभापति श्रद्धा साहू, जनपद पंचायत अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी, जनपद सदस्य बिंदु देशलहरे, जनपद सभापति जितेन टंडन, जनपद सदस्य अनिल चंद्राकर, जनपद सदस्य अजीत चंद्राकर, जनपद सदस्य गोकुल वर्मा, जनपद सदस्य ढालेश साहू, सरपंच जितेंद्र सोनी, उतई मंडल अध्यक्ष शीतला ठाकुर, पूर्व मंडल अध्यक्ष फत्तेलाल वर्मा आदि उपस्थित थे।

भारतीय रेल का नया कीर्तिमान, बीते वित्त वर्ष में बनाए 7,134 कोच

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

भारतीय रेल ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 7,134 कोचों का निर्माण कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह संख्या पिछले वर्ष 6,541 कोचों के उत्पादन की तुलना में करीब 9 प्रतिशत अधिक है। आम आदमी का ध्यान रखते हुए गैर वातानुकूलित कोचों के उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए पिछले वित्त वर्ष में 4,601 नॉन एसी कोच का उत्पादन हुआ। यह ऐतिहासिक उपलब्धि भारतीय रेल की उत्पादन क्षमता में लगातार हो रही वृद्धि को दर्शाती है, जो बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और यात्रियों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है। इससे रेल सेवाएं अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और कुशल बनेंगी। जिससे यात्रियों को बेहतर यात्रा का अनुभव मिलेगा। भारतीय रेल की तीन कोच निर्माण इकाइयां हैं। जिसमें तमिलनाडु के चेन्नई में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, पंजाब के कपूरथला में रेल कोच फैक्ट्री और उत्तर प्रदेश के रायबरेली में मॉडर्न कोच फैक्ट्री शामिल है। चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री ने वर्ष 2024-25 में पिछले उत्पादन रिकॉर्ड को तोड़ने हुए 3,007 कोच का उत्पादन किया है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारतीय रेल ने कोच निर्माण क्षेत्र में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की है। 2004 से 2014 के बीच प्रति वर्ष औसतन 3,300 कोच के करीब था। वहीं 2014 से 2024 के बीच कोच उत्पादन का आंकड़ा रिकॉर्ड बढ़ोतरी के साथ 54,809 पहुंच गया, जिसका औसत 5,481 कोच रहा है। कोच निर्माण क्षेत्र में यह वृद्धि भारतीय रेल द्वारा आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में निर्णायक है। इसका उद्देश्य घरेलू निर्माण क्षमता को मजबूत करना, आयात पर निर्भरता को कम करना और रेलवे संरचना में अत्याधुनिक तकनीक को अपनाना है। रेल कोच निर्माण में भारतीय रेल की यह उपलब्धि 'मेक इन इंडिया' पहल को नया आयाम देती है। साथ ही विश्व पटल पर भारत को एक अग्रणी देश के रूप में स्थापित करती है। कोच उत्पादन में भारतीय रेल की सफलता 'मेक इन इंडिया' पहल का हिस्सा है, जो रेल ट्रांसपोर्ट व्यवस्था को और अधिक कुशल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। एडवांस तकनीक से लैस आधुनिक कोच यात्रियों को ज्यादा आराम, अधिक स्थान और अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान कर रहे हैंगे। इससे यात्रा का अनुभव और ज्यादा आरामदायक बन रहा है। इसके साथ ही उच्च उत्पादन क्षमता से ट्रेनों की संख्या में वृद्धि हो रही है।

पाटन ब्लाक में मनरेगा कार्य शीघ्र प्रारम्भ करने की मांग

उतई। ग्राम पंचायत सेलूद के सरपंच खिलेश बबलु मारकंडे ने दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह के पाटन ब्लाक के ग्राम पंचायत चुनकट्टा आने पर उनसे भेंट कर पाटन ब्लाक के सभी गांवों में मनरेगा कार्य स्वीकृत कर शीघ्र प्रारम्भ करने का आवेदन के साथ अनुरोध भी किया। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव के बाद सचिव की हड़ताल से विभिन्न कार्य नहीं हो पा रहे थे अब सचिव हड़ताल से वापस आ गये। पंचायत चुनाव फिर हड़ताल के कारण पिछले कुछ माह से मनरेगा कार्य पूर्णतः बंद होने के कारण श्रमिकों को समुचित रोजगार नहीं मिल रहा है। मनरेगा के कार्य पुर्णतः बंद है। अतः शीघ्र ही मनरेगा कार्य स्वीकृत कराकर मनरेगा मजदूरों को मनरेगा के तहत कार्य प्रदान करें।

मौसम का मिजाज बदला तेज हवा, कड़की बिजली और बारिश के साथ ओले गिरे

पायनियर संवाददाता ◄ कुम्हारी
www.dailypioneer.com

विगत शुक्रवार को लगभग 42 डिग्री की असहनीय गर्मी से झुलसते नगर में अप्रत्याशित आए तेज हवाओं के झोंको से नगर के कई भागों में बड़े बड़े वृक्ष धराशायी हो गए। बादलों की परतों से ढके आसमान से कड़कती बिजली के साथ ओले भी गिरे कई स्थानों में लगाए गए होर्डिंग भी इसकी भेंट चढ़ गए। शाम चार बजे से लगभग दो घंटे तक अनपेक्षित मौसम की मार ने नगरवासियों को जहाँ हलाकान किया वहीं विद्युत आपूर्ति को भी बाधित कर परेशानी भी उठानी पड़ी। हालांकि जैसे ही मौसम स्थिर हुआ विद्युत विभाग ने सुचारु व्यवस्था स्थापित कर लोगों को राहत पहुंचाने का कार्य तत्परता से प्रारम्भ कर दिया था किन्तु बिजली का आना जाना कष्टदायक बना हुआ है। इस बेमौसम बरसात के बावजूद गर्मी से कोई राहत जैसी स्थिति नहीं बनी बल्कि उमस से लोगों का बुरा हाल हो गया। साथ ही कृषकों को हुई हानि का आंकलन फिलहाल समाचार लिखने तक स्पष्ट जानकारी प्राप्त नहीं हो पाई है।

चिरपोटी में जन जागरूकता पोषण अभियान का हुआ आयोजन

पायनियर संवाददाता ◄ उतई
www.dailypioneer.com

पोषण पखवाड़ा अंतर्गत कुपोषण, एनीमिया एवं विभिन्न सामाजिक कुरीतियों को दूर करने हेतु जन जागरूकता पोषण अभियान का आयोजन परियोजना दुर्ग ग्रामीण, सेक्टर उतई के ग्राम चिरपोटी में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद सदस्य ढालेश साहू एवं अन्य अतिथि में ग्राम सरपंच पूजा चंद्राकर एवं पंचगण सावित्री साहू, देवकुवर निषाद, सक्रिय महिला समूह सदस्य माहेश्वरी चंद्राकर, उर्वशी कोसरे, डोमिन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं अतिथियों के स्वागत से किया गया। तत्पश्चात परियोजना अधिकारी उषा झा ने पोषण अभियान के उददेश्य तथा महिला बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी एवं ग्राम को कुपोषण मुक्त करने हेतु सभी ग्राम वासियों से अपील की। जनपद सदस्य ढालेश साहू ने कहा कि सही खानपान व्यवहार एवं सही दिनचर्या से ही को कुपोषण को दूर भगाया जा सकता है। कार्यक्रम में चाइल्ड लाइन से चंद्र प्रकाश पटेल एवं लोकमनि साहू ने भिक्षावृक्ति, बाल विवाह रोकथाम, दत्तक ग्रहण, फास्टर केयर, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम आदि की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया। कहीं पर भी बाल विवाह की जानकारी प्राप्त होने पर 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन दुर्ग में संपर्क किया जा सकता है। सेक्टर पर्यवेक्षक प्रमिला वर्मा ने हरी पत्तेदार सब्जियों, फलों आदि का नियमित उपयोग, रेडी टू ईट का निर्धारित मात्रा में रोज उपयोग करने, जन्म के सुनहरे प्रथम 1000 दिवस जिसमें गर्भ से लेकर बच्चे का दो वर्ष शामिल हैं, में गर्भवती माता और बच्चे का विशेष ख्याल रखने के बारे में चर्चा की। कार्यक्रम अंतर्गत 3 गर्भवती माताओं टिकेश्वरी पारधी, संध्या साहू, छाया का गोदभराई किया गया तथा 6 माह पूर्ण किए 4 बच्चों फरेयांश, तावेन, मानवी, पेमन का अन्नप्राशन किया गया और स्वस्थ सुपोषित शिशु होने की मंगलकामना की गई। छोटी छोटी बालिकाओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई, जिसके लिए सभी बच्चों को जनपद सदस्य के द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। महिलाओं के लिए विभिन्न खेलकूद कुर्सीदौड़, बालपास का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया और पुरस्कृत भी हुईं। कुर्सीदौड़ में प्रथम स्थान सतरूपा, द्वितीय स्थान पर गोमती और तीसरा स्थान नीलम साहू ने प्राप्त किया वहीं बालपास में प्रथम पुरस्कार नीलम साहू तथा द्वितीय पुरस्कार अहिमन जोशी ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों को मोमेंटो से सम्मानित किया गया। अंत में परियोजना अधिकारी उषा झा ने आभार प्रदर्शन और कार्यक्रम समापन की घोषणा की। इस जन जागरूकता कार्यक्रम में ग्राम चिरपोटी के ग्रामवासी तथा सेक्टर उतई के आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका उपस्थित थे।

कोलंबिया इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मेसी ने सर्वोदय हॉस्पिटल एवं रायपुर मेनोपॉज सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में पब्लिक अवेयरनेस प्रोग्राम का किया आयोजन

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

कोलंबिया इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मेसी ने सर्वोदय हॉस्पिटल एवं रायपुर मेनोपॉज सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में पब्लिक अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस दौरान सर्वोदय हॉस्पिटल की डायरेक्टर एवं कंसलटेंट तथा रायपुर ओब्स्टेट्रिक एंड गयेनोकोलॉजिकल सोसाइटी की उपाध्यक्ष एवं रायपुर मेनोपॉज सोसाइटी की पूर्व अध्यक्ष डॉ सुषमा वर्मा ने एच पी वी इन्फेक्शनः नो दी रिस्क एंड प्रोटेक्ट योर हेल्थ पर अपने सम्बोधन में बतलाया, एचपीवी संक्रमण, एक यौन संचारित वायरस, विभिन्न कैंसर, विशेष रूप से गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के लिए एक प्रमुख जोखिम कारक है, और जननांग में मस्से भी पैदा कर सकता है। जबकि अधिकांश एचपीवी संक्रमण अपने आप ठीक हो जाते हैं, कुछ बने रहते हैं और जटिलताओं को जन्म दे सकते हैं। अपने स्वास्थ्य की रक्षा करने में टीकाकरण, सुरक्षित यौन संबंध बनाना और नियमित जांच करवाना शामिल है। तत्पश्चात आल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की एडीशनल प्रोफेसर एवं इंडियन एसोसिएशन ऑफ गयनेकोलॉजिकल एंडोस्कोपीस्ट्स की सचिव एवं अन्य सम्बंधित संगठनों के एग्जीक्यूटिव मेंबर डॉ विनीता सिंह ने प्रिवेंट तो प्रोटेक्ट : जेंडर-स्पेसिफिक अप्प्रोचेस तो कैंसर प्रिवेंशन पर जानकारी देते हुए कहा, कैंसर की रोकथाम के लिए लिंग-विशिष्ट दृष्टिकोण में लिंग और लिंग के आधार पर अद्वितीय जोखिम कारकों और स्वास्थ्य व्यवहारों को संबोधित करने वाली अनुकूलित रणनीतियाँ शामिल हैं। उदाहरण के लिए, महिलाओं को स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर होने की अधिक संभावना होती है, जबकि पुरुषों को प्रोस्टेट और वृषण कैंसर का अधिक जोखिम होता है। प्रभावी रोकथाम रणनीतियों में टीकाकरण, जांच, आहार और व्यायाम जैसे जीवनशैली में बदलाव और स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच में लिंग-विशिष्ट बाधाओं को संबोधित करना शामिल है। अंत में सर्वोदय हॉस्पिटल की कंसलटेंट डॉ हिमानी पुन्शी ने सेल्फ ब्रैस्ट एग्जामिनेशन एंड इट्स अड्वांटेजेस पर अपने सम्बोधन में स्व-स्तन परीक्षण (एसबीई) एक ऐसी प्रक्रिया के विषय में बतलाया, जिसमें महिलाएं अपने स्तनों की जांच स्वयं करती हैं ताकि वे अपने सामान्य स्वरूप और अनुभव से परिचित हो सकें और किसी भी ऐसे परिवर्तन का पता लगा सकें जो चिंताजनक हो सकता है। एसबीई का मुख्य लाभ यह है कि इससे स्तन कैंसर का जल्द पता लगाने की संभावना हो सकती है, क्योंकि जल्दी पता लगाने से अक्सर उपचार के परिणाम और जीवित रहने की दर में सुधार होता है। रायपुर मेनोपॉज़ सोसाइटी एक समर्पित संगठन है जो रजोनिवृत्ति से गुजर रही महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण पर केंद्रित है। शिक्षा, सहायता और संसाधन प्रदान करने के लिए स्थापित, सोसायटी का उद्देश्य महिलाओं को रजोनिवृत्ति, इसके लक्षणों और प्रबंधन रणनीतियों के बारे में ज्ञान देकर सशक्त बनाना है। इस कार्यक्रम में बढ़ी संख्या में संस्थान के विभिन्न संकायों के विद्यार्थी, प्राध्यापकगण उपस्थित थे। इस आयोजन का कुशल समन्वय एसोसिएट प्रोफेसर डॉ बीना गिडवानी ने किया।

स्व. बिंदेश्वरी बघेल शासकीय महाविद्यालय कुम्हारी में आईक्यूएसी का गठन एवं व्याख्यान संम्पन्न

पायनियर संवाददाता ◄ कुम्हारी
www.dailypioneer.com

स्व.बिंदेश्वरी बघेल शासकीय महाविद्यालय कुम्हारी में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) का गठन विगत 15 अप्रैल को किया गया। इस अवसर पर डॉ.गोवर्धन यदु सहायक संचालक उच्च शिक्षा विभाग (छ.ग.), उच्च शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि व आइक्यूएसी के मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित रहे व आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की महत्ता पर उन्होंने ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया । ज्ञातव्य हो कि डॉ. गोवर्धन यदु स्व. बिंदेश्वरी बघेल शासकीय महाविद्यालय में गठित आइक्यूएसी के बाह्य (एक्सटर्नल) सदस्य भी हैं। उन्होंने अपने उद्बोधन में व्यवस्थित दैनंदिनी लेखन के महत्व को समझाया व विस्तार से इस पर चर्चा करते हुए सुव्यवस्थित पाठ योजना तैयार किए जाने हेतु दिशा-निर्देश दिए, इसके साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर प्रतिमाह चर्चा-परिचर्चा करने पर जोर दिए। आगामी समय में महाविद्यालय में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) का उन्नयन (ग्रेडेशन) किया जाना है। इस हेतु ग्रेडेशन में अनिवार्य सात मापदंडों पर विस्तार से समझाइश दिए और कहा कि नैक में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए महाविद्यालयीन विभिन्न कार्यों के साथ-साथ आपसी सामंजस्य भी अत्यंत आवश्यक है, इसमें विद्यार्थियों की भी सहभागिता आवश्यक है। क्योंकि विद्यार्थी ही नैक का आधार स्तंभ होते हैं। इस अवसर पर रोजगार प्रदाता के प्रतिनिधि नटराज कच्ची घानी के प्रबंधक ने अपने वक्तव्य में कच्ची घानी के तेल के फायदों से अवगत कराया तथा स्वरोजगार के बारे में बतलाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्राचार्या डॉ. सोनिता सत्संगी एवं डॉ.गोवर्धन यदु व अन्य अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आईक्यूएसी के महत्व को संक्षेप में व्याख्या करते हुए उपस्थित समस्त लोगों को सीख देते हुए कहा कि जिंदगी में चुनौतियाँ आती रहती हैं, हमे उनसे कभी घबराना नहीं चाहिए। कार्यक्रम का संचालन आईक्यूएसी प्रभारी श्वेता दवे ने किया। इस अवसर पर समस्त सहायक प्राध्यापक कार्यालयीन कर्मचारी, भूतपूर्व विद्यार्थी एवं महाविद्यालय के सभी संकाय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

किसानों के केसीसी प्रकरणों का करें त्वरित निराकरण : कलेक्टर

पायनियर संवाददाता ◄ गरियाबंद
www.dailypioneer.com

कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मछली पालन विभागों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सहकारी बैंक के शाखा प्रबंधक भी शामिल हुए। कलेक्टर ने कृषि संबद्ध विभागों द्वारा किसानों को केसीसी ऋण प्रदान करने बैंकों को प्रेषित आवेदनों को अनावश्यक लंबित नहीं रखने के निर्देश देते हुए प्राथमिकता में केसीसी प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को कहा की किसानों को शासकीय योजनाओं एवं ऋण सुविधाओं से लाभान्वित करने के लिए अधिक से अधिक किसानों का किसान क्रेडिट कार्ड बनाया जाए। जिससे उन्हें आर्थिक सहायता के अलावा खाद एवं बीज की भी सहायता शासकीय स्तर से प्राप्त हो सके। उन्होंने किसानों के केसीसी कार्ड बनवाने उन्हें जागरूक करने के लिए कृषक चौपाल एवं जागरूकता अभियान भी चलाने के निर्देश दिए। साथ ही मैदानी अमले को सक्रिय कर किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैंक स्तर पर केसीसी के लंबित आवेदनों के रिजेक्शन की जानकारी लेते हुए आवेदन रिजेक्शन के संबंध में जांच के लिए समिति गठित करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर अग्रवाल ने कृषि विभाग अंतर्गत पीएम किसान सम्मान निधि के पंजीयन के लिए लंबित आवेदनों की भी जानकारी ली। उन्होंने ऐसे आवेदन में आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति एवं त्रुटि सुधार कार्य कर तहसीलदार पटवारी से समन्वय कर पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही पीएम किसान ई केवाईसी, लैंड सीडिंग एवं आधार सीडिंग के कार्यों को भी पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर अग्रवाल ने विभागों को निर्देशित करते हुए कहा की सभी विभाग नवाचार के साथ कार्य करें। किसानों को योजनाओं का लाभ लेने प्रोत्साहित करें। साथ ही शासकीय जिम्मेदारियां को सक्रियता एवं गंभीरता के साथ निर्वहन करते हुए लंबित कार्यों को समय सीमा में निराकृत करें। इस दौरान बैठक में जिला पंचायत सीईओ जीआर मरकाम सहित कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी, मछलीपालन विभाग, सहकारी बैंकों के अधिकारी एवं कृषि

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगांव के न्यायालय में
मामला क्रमांक: 202504091900037

मामले की श्रेणी-राजस्व

विषय- ब-121 सन- 2024-2025
मटिया प.ह.नं. 00023 [(हे.)],
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार-भारतलाल,
अनावेदक पक्षकार-

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भारतलाल आ. स्व. दरबारी जाति मरार निवासी ग्राम मटिया तहसील डोंगरगांव जिला राजनांदगांव द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने माता शांति बाई की मृत्यु दिनांक 10.05.1990 को ग्राम मटिया तहसील डोंगरगांव में होने के कारण अपने माता शांति बाई की मृत्यु तिथि जारी किये जाने शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, चालान के साथ आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को किसी भी प्रकार की दावा/आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 29/04/2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/04/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार
डोंगरगांव

बालको के विश ट्री अभियान ने चौथे वर्ष भी बच्चों के सपनों को किया साकार

25 गांवों के 500 से अधिक बच्चों की इच्छाएं हुई पूरी

पायनियर संवाददाता < बालकोनगर
www.dailypioneer.com

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने हाल ही में अपने वार्षिक 'विश ट्री अभियान' के चौथे संस्करण का सफल समापन किया। इस अभियान के माध्यम से बालको ने अपने आसपास के समुदायों के बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाई और उनके छोटे-छोटे सपनों को साकार किया। इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की इच्छाओं को पूरा करना था, जिसमें बालको के कर्मचारी स्वयंसेवक के रूप में शामिल हुए। यह पहल उन बच्चों की जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करने पर केंद्रित है जो अक्सर बुनियादी सुविधा से वंचित रहते हैं। अभियान के अंतर्गत 3 से 10 वर्ष के बच्चों से 25 गांवों में जाकर 500 से अधिक इच्छाएं एकत्र की गई। इन इच्छाओं में पेंसिल बॉक्स, स्कूल बैग, जूते, कपड़े और अन्य ज़रूरी चीजें शामिल थीं। बालको के 300 से अधिक कर्मचारी स्वयंसेवक ने इन इच्छाओं को व्यक्तिगत रूप से अपनाया, वस्तुएं स्वयं खरीदीं और बच्चों को उपहार स्वरूप भेंट दीं। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि हम बालको में मानते हैं कि परोपकार का सबसे छोटा कार्य भी गहरा प्रभाव छोड़ सकता है। 'विश ट्री अभियान' हमारे लिए केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक भावना है, जो खुशी, सहानुभूति और समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बच्चों की इच्छाओं को पूरा कर हम उन्हें बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। बच्चे उज्जवल भविष्य की नींव हैं। इस तरह की पहल के माध्यम से हमारा उददेश्य उनके सपनों को पोषित करना और समुदाय के साथ अपने रिश्तों को मजबूत बनाना है। माखुरपानी के सरपंच बहोरन सिंह मंझवार ने विश ट्री पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इनमें से अधिकांश बच्चे वंचित परिवारों से आते हैं, जहाँ बुनियादी ज़रूरतें भी पूरी नहीं हो पातीं। 'विश ट्री अभियान' के माध्यम से बालको के कर्मचारियों ने उनसे पूछा कि वे क्या चाहते हैं, और उनकी सार्थक इच्छाओं को पूरा किया। यह देखकर बेहद खुशी होती है कि बालको जैसी कंपनी इतनी आत्मीयता से हमारे बच्चों की ज़रूरतों और भावनाओं को समझती है। इससे हमारे समुदाय में उम्मीद और विश्वास को नई मजबूती मिली है। बालको कर्मचारी फिजा बेग ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहती हैं कि जब किसी बच्चे की आंखों में चमक देखी, तो यह अहसास हुआ कि छोटी-सी परोपकार भी कितनी गहराई से असर डाल सकती है। यह अनुभव मेरे लिए जीवनभर की प्रेरणा बन गया है। बालको ऐसी अनेक पहल के माध्यम से समाज को लौटाने की भावना को लगातार प्रोत्साहित करता है। विश ट्री अभियान के इतर बालको शिक्षा, सतत आजीविका, महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य आदि सामुदायिक विकास परियोजनाओं से सामुदायिक कार्यों में सक्रिय है। कंपनी 123 गांवों में 2 लाख से अधिक लोगों पर सकारात्मक प्रभाव डाल रही है, जिससे वह समाज में बदलाव लाने की अपनी प्रतिबद्धता को साकार कर रही है।

वनमंत्री कश्यप ने लघुवनोपज प्रसंस्करण केंद्र का किया अवलोकन

पायनियर संवाददाता < दुर्ग
www.dailypioneer.com

प्रदेश के वन मंत्री केदार कश्यप ने दुर्ग जिले के पाटन विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम जामगांव (एम) में केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई का अवलोकन कर अद्यतन कार्यों का जायजा लिया। वनमंत्री ने यथाशीघ्र गुणवत्ता पूर्ण निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा करने संबंधितों को निर्देशित किया। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल व जिला एवं जनपद पंचायत के प्रतिनिधि भी साथ मौजूद थे। लघु वनोपजों के प्रसंस्करण हेतु लगभग 23 करोड़ की लागत से 110 एकड़ क्षेत्र में विभिन्न प्रसंस्करण इकाई स्थापित किया जा रहा है। वन मंत्री कश्यप ने इन इकाई में प्रसंस्करण होने वाले उत्पाद तथा गोदामों में भंडारित वनोपज, मिलेट्स फसल, प्रसंस्करण पश्चात् वितरण आदि की भी जानकारी ली। वन मंत्री कश्यप ने सम्पूर्ण इकाई परिसर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को एक पेड़ माँ के नाम पर लोगों से पौध रोपण करने की अपील की। इस अवसर पर डीएफओ चंद्रशेखर परदेशी, एसडीएम लवकेश ध्रुव एवं अन्य विभाग के अधिकारी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

आयुक्त विश्वदीप ने आम जनता से प्राप्त सभी मांगों शिकायतों का त्वरित समाधान करने के दिए निर्देश

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आदेशानुसार और उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरुण साव के निर्देशानुसार महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, आयुक्त विश्वदीप के मार्गनिर्देशन में प्रथम चरण में रायपुर नगर पालिक निगम के सभी 10 जोनों के अंतर्गत समस्त 70 वार्डों में विगत 8 अप्रैल से 11 अप्रैल तक शिविर लगाकर आम जनता की मांगों और शिकायतों को दर्ज करने की कार्यवाही की गयी है। तदुपरांत दूसरे चरण के अंतर्गत लगभग 1 माह के भीतर आम जनता से प्रथम चरण में प्राप्त सभी मांगों और शिकायतों के निराकरण की कार्यवाही प्रतिदिन तेज गति से रायपुर नगर निगम में सभी 10 जोनों द्वारा की जा रही है। इसके पश्चात तीसरे चरण में 5 मई से 31 मई तक सभी 70 वार्डों में समाधान शिविर लगाकर सम्बंधित सभी आवेदकों को उनकी दर्ज मांगों और शिकायतों के समाधान हेतु की गयी कार्यवाही की पूर्ण जानकारी नगर निगम के सम्बंधित अधिकारियों द्वारा दी जाएगी और केन्द्र सरकार और छत्तीसगढ़ शासन की विभिन्न लाभदायी योजनाओं के हितग्राहियों को अधिकाधिक संख्या में योजनाओं की प्रक्रियाओं की सरल जानकारी दी जाएगी, जिससे सभी पात्र हितग्राहियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से सहजता और सरलता से छत्तीसगढ़ शासन की जनहितैषी मंशानुरूप अधिकतम संख्या में लाभान्वित किया जा सके। इस दौरान मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, मन्त्रीगणों, सांसद, विधायकगणों, महापौर, सभापति, जनप्रतिनिधि वार्ड पार्षदगणों द्वारा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों सहित केन्द्र सरकार और छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की दृष्टि से विकास और निर्माण योजनाओं और कार्यों की प्रगति और उनकी गुणवत्ता का औचक निरीक्षण किया जायेगा। सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत आम जनता से प्राप्त रायपुर नगर पालिक निगम से सम्बंधित कुल 19597 मांगों और शिकायतों को दर्ज किया गया है, जिसमें 17119 मांगें और 2478 शिकायतें सम्मिलित है।

जीवन में आने वाली चुनौतियों का डटकर सामना करें तभी शिखर पर पहुंचेंगे : महापौर मीनल चौबे

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

महापौर मीनल चौबे ने कहा की प्रत्येक विद्यार्थी में एक आवश्यक गुण होता है जिसकी पहचान कर स्वयं का विकास करें। पैसे से ज्ञान खरीदा नहीं जा सकता, मेहनत से ज्ञान अर्जन किया जाता है। कहा कि जीवन में आने वाली चुनौतियों का डटकर सामना करें तभी शिखर पर पहुंच सकेंगे। महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महापौर मीनल चौबे ने कहा कि महाविद्यालय में 60 प्रतिशत से अधिक छात्राएं पढ़ती है जो एक सुखद संकेत है कि इस कॉलेज में काफी सुरक्षा का माहौल होता है। महापौर ने कहा कि प्रतिस्पर्धा किसी चीज का समाधान नहीं है लेकिन प्रतिस्पर्धा में शामिल होकर गौरव पाया जा सकता है उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन के पड़ाव की चर्चा की और बताया कि एक महिला होकर किस तरह से महापौर के शिखर तक पहुंच पाई हैं।

सुशासन तिहारः लोगों को मिल रहा त्वरित समाधान

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर शुरू किए गए सुशासन तिहार में लोगों को उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान मिल रहा है। रायगढ़ जिले में सुशासन तिहार के अंतर्गत आधार कार्ड बनवाने या उसमें सुधार के लिए विशेष कैंप लगाए जा रहे हैं। टीम गांवों में पहुंचकर आवेदनों का निराकरण कर रही है। वहीं किसान किताब के आवेदन पर कृषक को उसके घर जाकर प्रति सौंपी गई। मनरेगा के जॉब कार्ड के लिए आवेदकों को घर बैठे ही जॉब कार्ड बना कर दिया गया। हर ब्लॉक में प्राप्त आवेदनों के आधार पर तीन तीन जगहों पर कैंप लगाकर लोगों के आधार कार्ड से जुड़ी दिक्कतों के समाधान के लिए टीमें पहुंची। ग्राम पंचायत दर्रामुड़ा के निवासी अनुज कुमार निषाद के बेटे गौरव निषाद के आधार कार्ड में कुछ जानकारी सुधारनी थी। इस त्रुटि के चलते स्कूली छात्र गौरव का अपार आईडी नहीं बन पा रहा था। पिता अनुज निषाद ने सुशासन तिहार में बेटे के आधार कार्ड की जानकारी सुधारने का आवेदन दिया था। जिस पर कार्यवाही करते हुए उनके बेटे के आधार कार्ड को सुधारने की प्रक्रिया की गयी।

पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने छत्तीसगढ़ के मध्यम एवं निम्न वर्ग के परिवार के हित में निजी विद्यालयों में पुस्तकों के मूल्य निर्धारण हेतु मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने छत्तीसगढ़ के मध्यम एवं निम्न वर्ग के परिवार के हित में निजी विद्यालयों में पुस्तकों के मूल्य निर्धारण हेतु मुख्यमंत्री को एक पत्र प्रेषित किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हाल ही में मध्यप्रदेश के भिण्ड जिला के कलेक्टर द्वारा निजी विद्यालयों में कक्षा 01 से कक्षा 08 तक की पुस्तकों के मूल्य निर्धारण करने हेतु आदेश निकाला गया है, जिसमें कक्षा 1 से 2 तक 800 रूपये, कक्षा 3 से 4 तक 900 रूपये, कक्षा 5 के लिए 1000 रूपये एवं कक्षा 6 से 8 तक 1200 रूपये राशि सुनिश्चित की गई है। उसी आदेश को आधार मानकर छत्तीसगढ़ में भी निजी स्कूलों की पुस्तकों के मूल्यों का निर्धारण करने हेतु छत्तीसगढ़ के मुखिया से उन्होंने निवेदन किया है। उपाध्याय ने कहा कि आज के दौर में महंगाई चरम सीमा पर है जिससे छत्तीसगढ़ में मध्यम एवं निम्न वर्गों के छात्र-छात्राओं के परिवार के ऊपर महंगाई का भार अत्यधिक पड़ रहा है और यह व्यवस्था यदि लागू की जाती है तो निःसन्देह ही छत्तीसगढ़ के पालकों को इसका सीधा-सीधा लाभ मिलेगा और यह एक जनहित का फैसला होगा।

समय का सही उपयोग करें तो मिलेगी मंजिल : महादेव कावरे

बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता में नारी शक्ति ने जीता पुरस्कार

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

विजेता प्रतिभागियों के साथ अतिथिगण

बाबा साहेब अंबेडकर के 134वीं जयंती के अवसर पर यूनिटी फॉर सोशल जस्टिस संस्था के द्वारा 'करोड़ों शोषित, वंचित वर्गों के उद्धार तथा उनके सामाजिक न्याय की प्राप्ति हेतु भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की संघर्ष यात्रा' के विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन वृन्दावन हॉल, सिविल लाईन्स में 18 अप्रैल को किया गया, जिसमें प्रथम पुरस्कार 10,000 रुपए, द्वितीय 7,000 रुपए, तृतीय 5,000 रुपए एवं प्रशस्ति पत्र और पाठ्य सामग्री विजेताओं को तथा शेष सभी प्रतिभागियों को सहभागिता का प्रमाण पत्र एवं पाठ्य सामग्री प्रदान की गई। भाषण प्रतियोगिता में 75 प्रतिभागियों में तीन बेटियों ने पुरस्कार जीतकर समाज में महिला सशक्तिकरण का उदाहरण पेश किया। जिसमें कु. मुस्कान साहू प्रथम, कु. खुशी जैन द्वितीय, कु. फिजा अली तृतीय ने पुरस्कार जीता। कार्यक्रम के अतिथियों में महादेव कावरे आई.ए.एस. संभाग आयुक्त रायपुर, धम्माशील गणवीर आईएफएस एम.डी. जंगल सफारी रायपुर, उदय कुमार भारती आई.आर.पी.एस. डी.आर.एम. (पर्सनल) नागपुर, डॉ. वेणुधर शेटिया, असिस्टेंट प्रोफेसर, जितेन्द्र सुना असिस्टेंड प्रोफेसर रविशंकर विश्वविद्यालय विधि विभाग, बी.बी. बोंद्रे सेवानिवृत डी.जी.एम. बी.एस.एन.एल., रघुचंद निहाल, वरिष्ठ समाज सेवी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संस्था के अध्यक्ष व संस्थापक एडवोकेट डॉ. जन्मेजय सोना ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी*
समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2024-26, दूरभाष नंबर 0771-2972403